THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 267 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.3 2079 रविवार, 11 दिसंबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

चक्रवात मंडूस से तमिलनाडु में 4 की मौत

चेन्नई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान मंडूस के प्रभाव के रहते तमिलनाडु में अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, फिलहाल चक्रवात कमजोर पड़ने लगी है। वागीन, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने जानकारी दी कि चक्रवाती तूफान मंडूस से राज्य में चार लोगों की मौत हो गयी है। चेन्नई के डीडीजीएम ने जानकारी दी कि चक्रवात मंडूस तट को पार कर गया है और कमजोर पड़ रहा है। यह उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है, इसलिए उत्तर-पश्चिम क्षेत्रों में 55-65 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी, जो शाम तक घटकर 30-40 किमी प्रति घंटे हो जाएंगी। >14

सुखविंदर सिंह सुक्खू होंगे हिमाचल प्रदेश के नए मुख्यमंत्री

मुकेश अग्निहोत्री को बनाया गया डिप्टी सीएम

आज सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे

सुखविंदर सुक्खू, CM

मुकेश अग्निहोत्री, डिप्टी CM

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने सुखविंदर सिंह सुक्खू को हिमाचल प्रदेश का नया मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया है। सुखविंदर सिंह सुक्खू के नाम की घोषणा पार्टी विधायक दल की बैठक के बाद की गई। पार्टी ने मुकेश अग्निहोत्री को राज्य का डिप्टी सीएम बनाने का फैसला किया है।

सुखविंदर सिंह सुक्खू आज सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। राज्य के नए सीएम के तौर पर अपने नाम की घोषणा के बाद सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि मैं और उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री एक टीम की तरह का काम करेंगे। मैंने 17 वर्ष की उम्र से राजनीति शुरू की थी। कांग्रेस पार्टी ने मेरे लिए जो कुछ किया है वो जीवन भर नहीं भूल सकता हूं। खास बात ये है कि सुखविंदर सिंह सुक्खूसे पहले हिमाचल कांग्रेस की मौजूदा अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह का नाम सीएम की रेस में सबसे आगे बताया जा रहा था, लेकिन शनिवार दोपहर तक ये साफ हो गया था कि प्रतिभा सिंह अब इस रेस से बाहर हो चुकी हैं।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस भले ही चुनाव जीत गई हो, लेकिन मुख्यमंत्री को लेकर पार्टी में एक नाम पर सहमति बनती नहीं दिख रही थी। ऐसे में सूत्रों के जरिए खबर ये आई थी कि सीएम पद के दावेदारों में हो रही खींचतान के बीच कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी हिमाचल के नए मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान कर सकती हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, जिन्हें पार्टी के नेताओं ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत का श्रेय दिया है। कहा जा रहा था कि राज्य के अगले सीएम के नाम पर अब वही फैसला करेंगी।

बता दें कि चुनाव जीतने के बाद से ही हिमाचल में सीएम की कुर्सी को लेकर मंथन शुरू हो गया था। राज्य के 40 कांग्रेस विधायकों ने शुक्रवार शाम को पार्टी के पारंपरिक एक लाइन के प्रस्ताव को पारित किया, जिसमें आलाकमान को निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया था।

प्रियंका गांधी इन चुनावों के लिए रणनीति बनाने में भी वो शामिल थीं। कई नेताओं ने पार्टी की जीत और भाजपा की चुनाव मशीनरी को हराने में उनके नेतृत्व की सराहना भी की है। प्रचार की कमान संभालते हुए प्रियंका गांधी की यह पहली चुनावी सफलता है। पार्टी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हार गई थी, सिरमौर, कांगड़ा, सोलन और ऊना में अपनी रैलियों के दौरान प्रियंका गांधी ने अग्निपथ, महंगाई, बेरोजगारी और पुरानी पेंशन योजना के मुद्दे उठाए थे।

कश्मीर में 4 आतंकियों पर 10-10 लाख का इनाम

श्रीनगर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। एनआईए ने कश्मीर के पुलवामा सहित कई शहरों में 4 आतंकवादियों के पोस्टर लगाए हैं। जिनमें आतंकियों के बारे में जानकारी देने वाले को 10 लाख का ईनाम देने का वादा किया गया है। सभी आतंकी जम्मू-कश्मीर में लश्कर के टीआरएफ संगठन से जुड़े हैं। वांटेड घोषित इन 4 आतंकियों में से दो पाकिस्तानी नागरिक हैं। उधर, पुलवामा के राजपोरा में पुलिस ने एक आतंकी के घर पर बुलडोजर चलाया। आतंकी का नाम आशिक नेंगरू है, जिसने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर घर बनाया था। नेंगरू 2019 में पाकिस्तान चला गया था। उस पर कई आतंकी हमलों में शामिल होने का शक है। वहीं, एनआई ने जिन आतंकियों के पोस्टर लगाए हैं, उनके नाम बासित अहमद डार, शेख सज्जाद, सलीम रहमानी और सैफुल्ला साजिद जाट लिखे हैं। >14

बच्चों का यौन शोषण छिपी हुई समस्या

सीजेआई बोले रिपोर्ट करने के लिए परिवारों को करना होगा प्रोत्साहित

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बच्चों के खिलाफ बढ़ रहे यौन अपराधों को लेकर एक बार फिर मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने चिंता जताई हैं। उन्होंने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा कि बच्चों का यौन शोषण एक छिपी हुई समस्या है, पता चलने के बाद भी लोग इस पर चुप्पी साध लेते हैं। इसलिए अब राज्यों को आगे आना चाहिए और परिवारों को दुर्व्यवहार की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, भले ही अपराधी परिवार का सदस्य ही क्यों न हो।

सीजेआई ने कहा, बाल यौन शोषण की रोकथाम और इसकी समय पर पहचान और इसके रोकथाम से जुड़े कानून बारे में जागरूकता पैदा करना अनिवार्य है। बच्चों को सुरक्षित स्पर्श और असुरक्षित स्पर्श के बीच अंतर सिखाया जाना चाहिए। वहीं बाल अधिकार कार्यकर्ताओं ने माता-पिता से सुरक्षित और असुरक्षित शब्द का उपयोग करने का आग्रह किया है क्योंकि अच्छे और बुरे शब्द का नैतिक प्रभाव होता है और वे दुर्व्यवहार की रिपोर्ट करने से रोक सकते हैं।

आगे सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि कार्यपालिका को न्यायपालिका से हाथ मिलाना चाहिए ताकि यौन अपराधों को होने से रोका जा सके। लोगों को संबोधित करते हुए कहा विधायिका से पॉक्सो अधिनियम के तहत सहमति की उम्र के आसपास बढ़ती चिंता पर भी विचार करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि आप जानते हैं कि पॉक्सो अधिनियम 18 वर्ष से कम उम्र के लोगों के बीच सभी यौन कृत्यों को आपराधिक बनाता है, भले ही सहमति नाबालिगों के बीच तथ्यात्मक रूप से मौजूद हो, क्योंकि कानून की धारणा यह है कि 18 वर्ष से कम उम्र के लोगों के बीच कोई सहमति नहीं है।

भूपेंद्र पटेल दूसरी बार बनेंगे गुजरात के सीएम

बीजेपी की विधायक दल की बैठक में लगी मुहर, सोमवार को लेंगे शपथ

अहमदाबाद, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के सीएम पद के लिए एक बार फिर से भूपेंद्र पटेल को चुना गया है। शनिवार को गांधीनगर स्थित कमलम ऑफिस में विधायक दल की बैठक में सर्व सम्मति से उनके नाम पर मुहर लग गई।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में विधायक की दल की बैठक बुलाई गई थी। बैठक में कर्नाटक के पूर्व सीएम येदियुरप्पा और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा बतौर निरीक्षक शामिल हुए थे। शुक्रवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ राज्य में नई सरकार के गठन से पहले औपचारिक इस्तीफा दिया था। भूपेंद्र पटेल 12 दिसंबर को गांधीनगर के हेलीपैड मैदान में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। गौरतलब है कि गुजरात की 182 विधानसभा सीट में से 156 सीट पर विजय हासिल करके भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। भूपेंद्र पटेल का विधायक दल का नेता चुना जाना महज औपचारिकता थी, क्योंकि पार्टी चुनाव से पहले ही पटेल के राज्य का नया मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा कर चुकी है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पाटिल ने पटेल के एक बार फिर राज्य का मुख्यमंत्री बनने की गुरुवार को ही पुष्टि कर दी थी। उन्होंने एलान किया था कि 12 दिसंबर को सीएम पद के लिए पटेल का शपथ ग्रहण होगा। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ-साथ भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे। गुजरात में पहली बार वर्ष 1962 में विधानसभा के चुनाव हुए थे। तब से लेकर अब तक पिछले 60 वर्षों में ऐसा कभी नहीं हुआ, जब किसी पार्टी ने गुजरात में 150 या उससे ज्यादा सीटें जीती हों। बीजेपी ने इस बार नया इतिहास रचते हुए गुजरात की 182 सीटों में से बीजेपी को 156 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, कांग्रेस को 17, आम आदमी पार्टी को 5 और अन्य को चार सीटों पर जीत मिली है। गुजरात में अब तक सबसे ज्यादा सीटें जीतने का रिकॉर्ड कांग्रेस पार्टी के नाम था।

सीबीआई पूछताछ से पहले तेलंगाना में पोस्टर वार

हैदराबाद में सीएम केसीआर की बेटी के लगे पोस्टर

हैदराबाद, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के कथित शराब घोटाला मामले में सीबीआई आज (11 दिसंबर) तेलंगाना सीएम चंद्रशेखर राव की बेटी कविता से पूछताछ करने वाली है। जांच एजेंसी के अधिकारी हैदराबाद स्थित कविता के घर पर सुबह 11 बजे पूछताछ के लिए पहुंचेंगे।

इससे पहले ही तेलंगाना में पोस्टर वार शुरू हो गया है। सीबीआई पूछताछ से पहले तेलंगाना सीएम की बेटी कविता के पोस्टर उनके आवास के आसपास लगाए गए हैं। इन पोस्टरों पर लिखा है कि 'योद्धा की बेटी कभी नहीं डरती'। पार्टी नेताओं की ओर से लगाए गए पोस्टरों पर उनके प्रति समर्थन भी जताया गया है।

छह दिसंबर को पेश होने में जताई थी असमर्थता :

गौरतलब है कि टीआरएस एमएलसी के. कविता तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव की बेटी हैं। इससे पहले उनसे छह दिसंबर को दिल्ली शराब घोटाला मामले में सीबीआई के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। जिसके बाद उन्होंने अपनी व्यस्तता का हवाला देते हुए सीबीआई से कोई अन्य तारीख देने के लिए अपील की थी। के. कविता ने पांच दिसंबर को सीबीआई को पत्र लिखा था। इसके बाद सीबीआई अधिकारियों ने 11 दिसंबर को के. कविता के घर पर पूछताछ के लिए पहुंचने का फैसला किया।

ईडी की रिमांड रिपोर्ट में आया था कविता का नाम :

गौरतलब है कि दिल्ली शराब घोटाले में कथित रिश्वत पर दिल्ली की एक अदालत में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर एक रिमांड रिपोर्ट में के. कविता का नाम सामने आया था। इसके बाद कविता ने कहा था कि वह किसी भी जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। सीबीआई ने 25 नवंबर को इस मामले में सात आरोपियों के खिलाफ अपना पहला आरोप पत्र दायर किया था।

पाकिस्तान के आतंकियों की नई स्ट्रैटेजी

ड्रोन से पंजाब में गिराते हैं ड्रग्स-हथियार सड़क के रास्ते कश्मीर भेज रहे टेररिस्ट

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर में ड्रग्स, हथियार और गोला-बारूद अब पंजाब और हिमाचल प्रदेश के सड़क मार्ग से भेजा जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियों को हाल में ऐसे सबूत मिले हैं। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान के आतंकियों ने रणनीति बदल दी है। खुफिया एजेंसियों ने पिछले महीने इस रूट पर अलर्ट जारी किया था। संदेह है कि ड्रोन के जरिए सीमा में प्रवेश करने वाली ऐसी खेप को पंजाब के रास्ते कश्मीर ले जाया जा रहा है।

नवंबर में ड्रग्स के साथ टीचर गिरफ्तार :

पिछले महीने पंजाब पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ से एक शिक्षक को 5 किग्रा ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था। एक अन्य घटना में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ड्रग्स पकड़ी थी, जो पंजाब से जम्मू-कश्मीर पहुंचाई गई थी। इसमें एक महिला को गिरफ्तार किया गया था। इसके साथ ही जम्मू पुलिस ने पंजाब से लाई गई 7 किग्रा ड्रग्स के साथ एक दंपती को भी गिरफ्तार किया था।

पंजाब और जम्मू-कश्मीर को जोड़ने वाले हाइवे से सप्लाई :

अधिकारियों के अनुसार, पंजाब और जम्मू-कश्मीर को जोड़ने वाले हाइवे पर पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से भेजी जाने वाली और जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग लोगों को दी जाने वाली ऐसी खेपों की आवाजाही देखी गई है। पंजाब पुलिस ने पठानकोट से लश्कर-ए-तैयबा के एक सदस्य को पकड़ा था। वह कश्मीर भागने की फिराक में था।

2002 में सबक सिखाया : अमित शाह ने गुजरात चुनाव के दौरान दिया था बयान

ईसी ने नहीं माना आचार संहिता का उल्लंघन

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनाव के दौरान दिए गए अपने '2002 में हिंसा फैलाने वाले दंगाइयों सबक सिखाया' बयान के लिए राहत मिल सकती है। दरअसल, चुनाव आयोग ने उनके इस बयान को आचार संहिता का उल्लंघन नहीं माना है।

न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि चुनाव आयोग ने इस बयान को लेकर राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी से लेकर कानूनी राय भी लीं। इसके बाद आयोग ने पाया कि शाह का दंगाइयों के खिलाफ बयान आचार संहिता का उल्लंघन नहीं था।

शाह ने खेड़ा जिले के महुधा में एक रैली के दौरान कहा था कि कांग्रेस के राज के दौरान (1995 से पहले) राज्य में सांप्रदायिक दंगे ज्यादा होते थे। कांग्रेस अलग-अलग समुदाय और जातियों के लोगों को भड़काने का काम करती थी, ताकि वे एक-दूसरे के खिलाफ लड़ें। इन दंगों के जरिए ही कांग्रेस अपने वोट बैंक को मजबूत रखती थी और समाज के साथ अन्याय करती थी।

शाह ने कहा था कि गुजरात को 2002 में दंगों का सामना करना पड़ा था। लेकिन अशांति फैलाने वालों को 2002 में सबक सिखाया गया। जिसके बाद राज्य में शांति कायम हुई है। भाजपा ने गुजरात में स्थायी शांति स्थापित की है। शाह के इसी बयान के खिलाफ एक नौकरशाह ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी, जिस पर चुनाव आयोग विचार कर रहा था।

370 के बाद अब समान नागरिक संहिता की बारी?

बीजेपी सांसद ने पेश किया प्राइवेट मेंबर बिल, सरकार का समर्थन

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। आर्टिकल 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को मिले विशेष दर्जे को खत्म करने के बाद बीजेपी अपने एक और बड़े चुनावी वादे की ओर कदम बढ़ाती दिख रही है। ये है समान नागरिक संहिता का मुद्दा। संसद के शीतकालीन सत्र में इसे लेकर राज्यसभा में बिल भी पेश हो चुका है। हालांकि, ये बिल मोदी सरकार की तरफ से नहीं बल्कि बीजेपी के ही एक सांसद की तरफ से प्राइवेट मेंबर बिल के तौर पर पेश किया गया है। अतीत में कई बार इस बिल को लिस्ट किया जा चुका है लेकिन पेश नहीं हो पाया था। इस बार विपक्षी सदस्यों के भारी विरोध के बीच ये बिल उच्च सदन में पेश हुआ। बीजेपी शासित कुछ राज्यों में इसे लागू करने की संभावना तलाशने के लिए पहले ही कमेटियां बन चुकी हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने भी हाल में कहा था कि मोदी सरकार समान नागरिक संहिता को लेकर गंभीर है लेकिन सभी पक्षों से व्यापक विचार-विमर्श के बाद ही इस पर फैसला होगा।

विपक्ष के विरोध के बीच पेश हुआ प्राइवेट मेंबर बिल :

बीजेपी के राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने भारत में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के प्रावधानों वाले प्राइवेट मेंबर बिल को विपक्ष के विरोध के बीच सदन में पेश किया। विपक्षी सदस्यों के विरोध पर सरकार ने मीणा का समर्थन करते हुए कहा कि बिल पेश करना उनका अधिकार है। जब विपक्ष ने बिल को वापस लेने की मांग की तो राज्यसभा चेयरमैन जगदीप धनखड़ ने उस पर वोटिंग करा दी। ध्वनिमत में बिल को पेश करने के पक्ष में 63 वोट पड़े जबकि विरोध में 23 वोट। उस समय राज्यसभा में कई सांसद अनुपस्थित थे खासकर विपक्षी कांग्रेस, टीएमसी और आम आदमी पार्टी के कई सदस्य मौजूद नहीं थे। इस दौरान राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने मीणा के कदम का बचाव करते हुए कहा कि इस विषय पर चर्चा तो होने दीजिए।

आप और एआईएमआईएम का था बीजेपी के साथ गठबंधन

गुजरात के नतीजों का भारत जोड़ो यात्रा पर असर नहीं : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि भारत जोड़ो यात्रा का चुनावों से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा कि गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजों से भारत जोड़ो यात्रा का कोई मतलब नहीं है। हालांकि उन्होंने आगे कहा कि गुजरात विधानसभा चुनाव में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन का विश्लेषण किया जाएगा और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी।

जयराम रमेश ने बूंदी में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, गुजरात के चुनाव परिणाम हमारे लिए निराशाजनक हैं। कांग्रेस का वोट शेयर 40 प्रतिशत से घटकर 27 प्रतिशत रह गया। लेकिन 27 प्रतिशत वोट शेयर एक बुनियाद है और वोट शेयर को फिर से 40 प्रतिशत तक बढ़ाना हमारे लिए मुश्किल नहीं है। भारत जोड़ो यात्रा पर गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजों का कोई असर नहीं पड़ा है। हमारा उत्साह पहले जैसा ही है हालांकि कुछ निराशा भी है। संगठन में कुछ कमियां थीं, हमें देखना होगा और विश्लेषण किया जाएगा और कार्रवाई की जाएगी। हमारे पार्टी अध्यक्ष को पता है कि क्या करना है।

गुजरात में बीजेपी का आप और एआईएमआईएम से था गठबंधन :

हालांकि जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि गुजरात में केंद्र और राज्य सरकार की मशीनरी का दुरूपयोग किया गया और चुनाव प्रचार में भाजपा द्वारा एक बच्ची का इस्तेमाल किए जाने की कांग्रेस की शिकायतों पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। जयराम रमेश ने यह भी दावा किया कि गुजरात में भाजपा, आम आदमी पार्टी (आप) और एआईएमआईएम का गठबंधन था, जिसने कांग्रेस के लिए बाधा पैदा की। उन्होंने स्वीकार किया कि राज्य में पार्टी के संगठन में कमियां हैं। बता दें कि गुजरात में बीजेपी को लगातार सातवीं बार जीत मिली है।

हिमाचल में पटरी से उतरी डबल इंजन सरकार :

हिमाचल प्रदेश के नतीजों पर जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा हिमाचल प्रदेश में प्रचार करने के बावजूद पहाड़ी राज्य में डबल इंजन सरकार पटरी से उतर गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश में जनादेश मिलना पार्टी के लिए एक तरह का बूस्टर डोज है।

महिला शक्ति यात्रा निकाली जाएगी :

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि 12 दिसंबर को बूंदी में महिला शक्ति यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें राहुल गांधी के साथ महिला जनप्रतिनिधि, नेता और अन्य महिलाएं होंगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के भी इस यात्रा में शामिल होने की संभावना है।

खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने आरपीजी अटैक की ली जिम्मेदारी

और हमलों की दी धमकी

चंडीगढ़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने तरनतारन के सरहाली पुलिस स्टेशन पर हुए आरपीजी हमले की जिम्मेदारी लेते हुए अपनी धमकी में कहा कि पंजाब के घर-घर में हमने रॉकेट लॉन्चर पहुंचा दिए हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री और डीजीपी को दी गई चेतावनी में उसने कहा कि इस तरह के और भी हमले होंगे। जबकि दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस घटना के जिम्मेदार लोगों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे।

तरनतारन में कम तीव्रता वाले ब्लास्ट के बाद मौके पर पहुंचे पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि बीती रात करीब 11 बजकर 22 मिनट पर आरपीजी का इस्तेमाल कर हाईवे से ग्रेनेड दागा गया। यह सरहाली थाने के सुविधा केंद्र से टकराया। यूएपीए के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। यहां फॉरेंसिक टीम आ गई है और सेना का दस्ता भी यहां है। उन्होंने कहा कि पुलिस इस घटना के हर पहलू की जांच करेगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स और ऑपरेटर्स के साथ यूरोप, उत्तरी अमेरिका में जो अपराधी तत्व संपर्क में हैं, उनके लिंक की जांच की जा रही है। ताकि असली अपराधियों को जल्द गिरफ्तार किया जा सके। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि इस साल करीब 200 ड्रोन क्रासिंग हुई हैं। पिछले एक महीने में कई ड्रोन को रोका गया। हेरोइन और हथियार जब्त किए गए। इससे दुश्मन देश डरा हुआ है और ध्यान भटकाने के लिए रात में कायरतापूर्ण हमला कर रहा है। जबकि पंजाब के तरनतारन में सरहाली पुलिस स्टेशन पर हुए हमले को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने राज्य सरकार को घेरा है। पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अनिल सरीन ने कहा कि पहले मोहाली में इंटेलिजेंस मुख्यालय पर हमला और अब पुलिस स्टेशन पर अटैक चिंता का विषय है।

टीवी एक्ट्रेस वीणा कपूर की हत्या

12 करोड़ के फ्लैट के लिए बेटे ने बेसबॉल के बल्ले से पीट-पीटकर मार डाला, नदी में फेंकी लाश

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। टीवी एक्ट्रेस वीणा कपूर की उनके ही बेटे ने बेसबॉल के बल्ले से पीट-पीटकर कर हत्या कर दी। दो दिन पहले उनकी मौत का केस दर्ज किया गया था, लेकिन ये साफ नहीं हो पाया था कि ये टीवी एक्ट्रेस हैं। शनिवार को उनकी को-स्टार रहीं नीलू कोहली ने मामले का खुलासा किया तो पूरी टीवी इंडस्ट्री में सनसनी फैल गई।

बेटे ने मारकर 90 किलोमीटर दूर फेंकी लाश

वीणा कपूर के बेटे सचिन कपूर ने प्रॉपर्टी की लालच में उनकी हत्या की। मुंबई की जेवीपीटी स्कीम में वीणा के नाम 12 करोड़ का एक फ्लैट है, जिसमें में वो अपने बेटे के साथ रहती थीं। इसी फ्लैट के लिए बेटे ने उन्हें मारा और लाश को घर से 90 किलोमीटर दूर जंगल में एक नदी में लाश फेंक दिया। लाश को जंगल तक ले जाने के लिए फ्रिज के बॉक्स का इस्तेमाल किया गया।

वीणा के बेटे सचिन कपूर गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या में मदद करने वाले नौकर को भी गिरफ्तार किया गया है। हत्या संभवतः 5 से 6 दिसंबर के बीच हुई है। पुलिस को 6 दिसंबर के सीसीटीवी फुटेज मिले हैं, जिसमें उनकी लाश को ले जाते हुए बेटा और नौकर दोनों दिखाई दे रहे हैं।

लाश ठिकाने लगाने के लिए नौकर का सहारा

पुलिस के अनुसार वीणा के छोटे बेटे सचिन कपूर ने हत्या करने के बाद लाश को फ्रिज के कार्टून में पैक किया, जिससे किसी को भी शक न हो। बड़े बॉक्स को ठिकाने लगाने के लिए आरोपी बेटे ने नौकर का सहारा लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 302, 201 और 34 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

यूएस में रह रहे बड़े बेटे ने की थी गुमशुदगी की शिकायत

वीणा कपूर के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा अमेरिका में रहता है। पिछले हफ्ते से उसकी बात अपनी मां से नहीं हो पा रही थी। फोन लगातार बंद आ रहा था। इसके बाद उसने बिल्डिंग के चौकीदार को फोन कर पूछा। चौकीदार ने भी कहा कि उसने भी कुछ दिनों से उन्हें देखा नहीं है। इसके बाद बेटे ने जुहू पुलिस को इसकी शिकायत की कि उनकी मां लापता है। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में सीसीटीवी फुटेज में सचिन और उनका नौकर लालू एक बड़े बॉक्स को ले जाते दिखे। दरअसल 2 दिन पहले सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने एक महिला की हत्या से जुड़ा पोस्ट शेयर किया था, जिसे अब एक्ट्रेस नीलू कोहली ने कन्फर्म कर दिया है, वो महिला कोई और नहीं बल्कि वीणा कपूर थीं। विरल का पोस्ट शेयर करते हुए नीलू ने लिखा- 'वीणा जी आप इससे बेहतर डिजर्व करती थीं। मेरा दिल इस खबर से टूट गया है, आपके लिए यह पोस्ट कर रही हूं। क्या कहूं? आज मेरे पास शब्द नहीं हैं। मुझे उम्मीद है इतने सालों के संघर्ष के बाद आप आखिरकार शांति से आराम कर रही होंगी।'

22 साल पुराना है घर का विवाद

बातचीत के दौरान एक्ट्रेस नीलू कोहली ने बताया कि वीणा के घर का विवाद काफी पुराना है। बेटे से पहले पति के साथ भी इस घर को लेकर मतभेद चल रहा था। यह केस करीब 22 साल पुराना है, शूटिंग के दौरान भी वीणा जी को कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ते थे। घर और कुछ दूसरे मसलों की वजह से ही वीणा का उनके पति के साथ तलाक हुआ था, इसके बावजूद वो उनके साथ ही रह रहे थे। कोविड के दौरान उनके पति का निधन हो गया था।

कौन थीं एक्ट्रेस वीणा कपूर?

वीणा कपूर टेलीविजन इंडस्ट्री का जाना पहचाना नाम थीं। उन्होंने मेरी भाभी, मित्तर प्यारे नू हाल मुरीदन दा कहना, डालः द गैंग और बंधन फेरों के जैसे टीवी शोज में काम किया है। उन्होंने नीलू कोहली के साथ भी कई टीवी शोज में काम किया है।

कर्जमाफी पर कमलनाथ ने फेंका दांव

कांग्रेस की सरकार बनते ही योजना लागू करेंगे; शिवराज का पलटवार

भोपाल, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में किसान कर्जमाफी पर पूर्व सीएम कमलनाथ ने फिर दांव फेंका है। उन्होंने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनते ही कर्जमाफी योजना लागू करने का दावा किया है। इस पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने पलटवार किया है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि 'काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। सवा साल में भी पूरा नहीं कर पाए तो अब क्या करेंगे?'

प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव है। ऐसे में कांग्रेस ने कर्जमाफी का मुद्दा फिर उठाया है। पूर्व सीएम और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने एक के बाद एक चार ट्विट किए और किसानों के कई मुद्दों पर शिवराज सरकार को घेरा है। खाद की कमी और किसानों की दोगुनी आय करने पर चुटकी ली है। उन्होंने कहा कि किसानों की आमदानी दोगुनी होनी तो दूर फसल की लागत भी नहीं निकल पा रही है। लागत कई गुना बढ़ गई है। प्रदेश में किसान खाद के लिए बुरी तरह से परेशान हो रहे हैं।

शिवराज पब्लिसिटी करते हैं

कमलनाथ ने प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान को लेकर कहा कि वे किसानहित के नाम पर रोज कोई न कोई पब्लिसिटी स्टंट करते रहते हैं। अब उन्होंने किसान गौरव सम्मेलन करने का अभिनय किया है।

शिवराज का पलटवार-झूठी चिड़िया उड़ गई

कर्जमाफी पर किए गए कमलनाथ के ट्विटर पर शिवराज ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उनके (कमलनाथ) ट्विटर की झूठी चिड़िया आज फिर उठ गई। राहुल गांधी ने कहा था 10 दिन में कर्ज माफ कर देंगे, सवा साल बाद भी नहीं कर पाए। काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। सवा साल में नहीं पूरा कर पाए तो अब क्या करेंगे?

पेंशन स्कीम पर भी खेला दांव

एमपी में पेंशन स्कीम पर भी कांग्रेस बड़ा दांव खेल चुकी है। पुरानी पेंशन बहाली पर चल रहे कर्मचारियों के आंदोलनों पर कमलनाथ ने फिर वादा किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही पुरानी पेंशन स्कीम लागू करेंगे। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकारें यह स्कीम लागू कर चुकी है। इसके बाद अब कर्जमाफी के मुद्दे पर कमलनाथ ने दांव फेंका है।

भाजपा सांसद बोले-मेरे 4 बच्चों के लिए कांग्रेस जिम्मेदार

रवि किशन ने लोकसभा में पेश किया जनसंख्या नियंत्रण बिल, बोले-काश! पहले कानून होता

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में बढ़ती जनसंख्या को लेकर बहस चल रही है। इस बीच गोरखपुर से भाजपा सांसद और एक्टर रवि किशन ने बढ़ती जनसंख्या का जिम्मेदार कांग्रेस को ठहराया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अगर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाती तो मेरे चार बच्चे नहीं होते। मैं चार बच्चों के बारे में सोचता हूं तो सॉरी फील करता हूं।

रवि किशन ने आगे कहा कि यह कांग्रेस की गलती है। सरकार उनके पास थी। उनके पास कानून था। हम अवेयर नहीं थे। हम बच्चे थे। हम तो खेलते कूदते जीवन में अंगड़ाई ले रहे थे। खास बात यह है कि भाजपा सांसद रवि किशन ने ही शुक्रवार को लोकसभा में जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने के लिए बिल पेश किया।

रवि किशन बोले-चार बच्चे देखकर दुख होता है

रवि किशन से एक निजी चैनल ने उनके चार बच्चों को लेकर सवाल पूछा था। इस पर उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री के शुरुआती 15 साल में लोग मुझे पैसा नहीं देते थे। मैं उस समय जानता था कि पैसा बाद में आएगा। मैं इंडस्ट्री में संघर्ष कर रहा था। शूटिंग कर रहा था। उसी दौरान तीसरा बेबी, चौथा बेबी हो गया। आज जब मैच्योरिटी आई है और उन्हें देखता हूं तो दुख होता है।

मनोज तिवारी ने ज्यादा बच्चे पैदा करना गलती बताया, तो रवि किशन ने टोका

रवि किशन के इसी इंटरव्यू में उनके साथ भाजपा सांसद मनोज तिवारी थे। वह तीसरे बच्चे के पिता बनने जा रहे हैं। इसको लेकर कुछ दिन पहले उन्हें ट्रोल भी किया गया था। उनसे भी इंटरव्यू में तीसरे बच्चे को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि अगर पीछे कोई गलती हो गई तो इसका मतलब यह नहीं कि हम आगे भी गलती करते रहें। मनोज तिवारी यह बात कह ही रहे थे, कि रवि किशन ने उन्हें टोक दिया। रवि किशन ने कहा कि ज्यादा बच्चे पैदा करना गलती नहीं थी और हम उसे गलती नहीं मानेंगे। अगर कांग्रेस ने जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाया होता तो हम बच्चा पैदा नहीं करते।

आप में शामिल हुए कांग्रेस पार्षदों की घर वापसी

18 घंटे पहले ज्वाइन की थी आम आदमी पार्टी, हाथ जोड़कर राहुल गांधी से मांगी माफी

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी में शामिल होने के कुछ घंटों बाद ही दिल्ली कांग्रेस के उपाध्यक्ष अली मेहदी और दो नवनिर्वाचित पार्षद पार्टी में लौट आए हैं।

मेहदी ने शुक्रवार की देर रात 1:25 बजे वीडियो जारी कर इसकी जानकारी दी। कांग्रेस के ये नेता 9 दिसंबर को आप में शामिल हुए थे। इसके बाद एमसीडी में आम आदमी पार्टी की सीटें 134 से बढ़कर 136 हो गईं। हालांकि, नेताओं की वापसी के बाद पार्टी की सीटें फिर 134 हो गई हैं।

अली मेहदी ने ट्वीट किया- मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का कार्यकर्ता था और रहूंगा। मुझसे बहुत बड़ी गलती हुई है। मैं राहुल, प्रियंका, क्षेत्र के लोगों और कांग्रेस पार्टी से माफी मांगता हूं। कांग्रेस पार्टी मेरे दिल में है। उन्होंने यह भी कहा कि मुस्तफाबाद से पार्षद सबिला बेगम और बृजपुरी से नाजिया खातून, जो उनके साथ आप में शामिल हुई थीं, उनकी भी कांग्रेस में वापसी हो गई है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया मेहदी का विरोध

दिल्ली नगर निगम का रिजल्ट आने के बाद कांग्रेस में शामिल हुए मेहदी के फैसले का कार्यकर्ता कड़ा विरोध कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनका मानना था कि इन सभी नेताओं को मेयर इलेक्शन में आप को फायदा पहुंचाने के लिए पार्टी में शामिल किया गया है। हालांकि, मेहदी की वापसी के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। आप में शामिल के बाद अली का कहना था कि क्षेत्र के विकास की खातिर, उन्होंने और दोनों पार्षदों ने आप से जुड़ने का फैसला किया है।

केजरीवाल बोले-मोदी के आशीर्वाद से विकास करेंगे

एमसीडी में आप की जीत पर सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को बधाई दी। पार्टी ऑफिस में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- दिल्ली की जनता ने अपने बेटे और भाई को दिल्ली की सफाई और भ्रष्टाचार खत्म करने की जिम्मेदारी दी है। हमें केंद्र सरकार का भी सहयोग चाहिए। प्रधानमंत्री जी का भी आशीर्वाद चाहिए।

चंडीगढ़ में दूध की डोली में ड्रग बेचने वाला गिरफ्तार

सवा किलो हेरोइन बरामद, शक न हो इसलिए करता था ऐसे सप्लाई

चंडीगढ़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब में ड्रग बड़ी समस्या है और अब चंडीगढ़ के जरिए भी ड्रग सप्लाई के मामले सामने आ रहे हैं। चंडीगढ़ पुलिस के डिस्ट्रिक्ट क्राइम सेल की टीम ने एक ड्रग पैडलर को गिरफ्तार किया है। मूलरुप से उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के अजय कुमार (24) को पुलिस ने चंडीगढ़ के रायपुर खुर्द से गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, वह दूध की डोली (स्टील कंटेनर) और क्रीम की डिब्बी में ड्रग को छिपा कर बेचता था ताकि किसी को शक न हो। उसके कब्जे से 255 ग्राम हेरोइन पकड़ी गई। पुलिस ने रायपुर खुर्द में एक किराए के कमरे से छिपा कर रखी 1 किलो हेरोइन भी बरामद की है। रायपुर खुर्द में पुलिस पेट्रोलिंग के दौरान आरोपी अजय पुलिस के हत्थे चढ़ा। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि वह जीरकपुर और आसपास के एरिया में हेरोइन सप्लाई करता था आरोपी ड्रग को स्टील कंटेनर(दूध की डोली) में रख सप्लाई कर रहा था। विशेष रूप से 2 स्टील कंटेनर्स को जोड़ कर यह विशेष डोली बनाई गई थी। इसे घुमा कर खोलने पर ड्रग निकलती थी।कंटेनर के ऊपरी हिस्से में वह घी रखता था और नीचे ड्रग रखी होती थी। वहीं कम मात्रा में ड्रग सप्लाई करने के लिए एक कंपनी की छोटी डिब्बियां रखी हुई थी।

तलाक पर केरल हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

ईसाई कपल को डाइवोर्स के लिए सालभर तक अलग रहना जरूरी नहीं

केरल हाईकोर्ट ने तलाक अधिनियम 1869 की धारा 10A रद्द की

कोच्चि, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने शुक्रवार को एक केस की सुनवाई के दौरान ईसाइयों पर लागू तलाक अधिनियम 1869 के एक नियम को रद्द कर दिया है। तलाक अधिनियम 1869 की धारा 10A के तहत आपसी सहमति से तलाक के लिए आवेदन देने से पहले पति-पत्नी को कम से कम एक साल तक अलग रहना कंपलसरी बताया गया था, जिसे कोर्ट ने मौलिक अधिकारों का उल्लंघन माना है। कोर्ट ने इस धारा को असंवैधानिक करार दिया है।

इतना ही नहीं कोर्ट ने ईसाइयों के लिए इस प्रोविजन को रद्द करते हुए कहा कि केंद्र को भारत में सेम मैरिज कोड पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। बता दें कि इस कानून के मुताबिक पहले दो साल अलग-अलग रहना जरूरी था, लेकिन 2010 में इसी अदालत ने एक मामले में इस अवधि को घटाकर एक साल कर दिया था।

तय सीमा से नागरिकों के राइट टु फ्रीडम पर असर

जस्टिस ए मुहम्मद मुस्तकी और जस्टिस शोभा अनम्मा एपेन की बेंच ने शुक्रवार को कहा कि तलाक के इस तय समय अवधि के कारण नागरिकों की राइट टु फ्रीडम पर असर पड़ता है। कोर्ट के मुताबिक विधानमंडल ने अपनी समझ के मुताबिक इस तरह की अवधि लगाई थी, ताकि पति-पत्नी को इमोशन या गुस्से में आकर लिए गए फैसलों पर दोबारा से गौर करने के लिए वक्त मिल जाए और उनकी शादी टूटने से बच जाए।

एक ईसाई जोड़े की याचिका पर सुनाया फैसला

कोर्ट ने यह फैसला एक युवा ईसाई कपल की याचिका पर सुनाया है। कपल ने इसी साल जनवरी में ईसाई रीति-रिवाजों से शादी की थी, लेकिन मई में गलती का एहसास होने पर फैमिली कोर्ट का रुख किया था। कपल ने कोर्ट के सामने तलाक अधिनियम 1869 की धारा 10A के तहत याचिका दायर की थी। कपल का कहना था कि उनकी शादी एक गलती थी। कोर्ट ने तलाक की अर्जी के लिए एक साल अलग रहने के नियम का हवाला देते हुए सुनवाई करने से इनकार कर दिया था।

इसके बाद दोनों हाई कोर्ट गए, जहां उन्होंने तलाक के लिए एक साल अलग रहने के नियम को रद्द करने की मांग की थी।

दूसरे राज्यों में भी कांग्रेस का गणित बिगाड़ेगी आप

गुजरात में आप को 12.9% वोट; कांग्रेस के 15% घटकर 27.3% हुए, सीटें 60 घटीं

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने भाजपा के गढ़ गुजरात में एंट्री के साथ ही 12.9% वोट हासिल कर इस बार कांग्रेस का पूरा गणित बिगाड़ दिया है। पिछले चुनाव में 42.2% वोट के साथ 77 सीट हासिल करने वाली कांग्रेस सिर्फ 17 सीट (27.3% वोट) पर सिमट गई। इससे कांग्रेस गुजरात में अपने इतिहास के न्यूनतम और भाजपा रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई।

आप ने दिल्ली, पंजाब और दिल्ली नगर निगम में कांग्रेस को मुकाबले से बाहर करने के बाद यह सबसे बड़ा उलटफेर किया है। अब यह संभावना तेज हो गई है कि स्थापना के महज नौ साल में राष्ट्रीय पार्टी का तमगा हासिल करने वाले केजरीवाल अगले साल नवंबर में मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में दमदारी से उतरेंगे। ऐसा हुआ तो इन राज्यों में कांग्रेस के वोट कटने का नुकसान भाजपा के लाभ के रूप में दर्ज हो सकता है।

आप की नजर एमपी, राजस्थान और छत्तीसगढ़ पर

मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अभी मुख्य तौर पर भाजपा और कांग्रेस में ही मुकाबला है। बसपा तीसरी राष्ट्रीय पार्टी होने के बाद भी इन राज्यों में बेहद सीमित है। अन्य क्षेत्रीय दल बहुत ही छोटे हैं। आप का गेम प्लान यही है कि वह अभी इन चुनावों में अपना वोट बैंक और कुछ सीटें खड़ी करना चाहती है, ताकि उसकी कई राज्यों में मौजूदगी हो जाए। पार्टी के सूत्र कहते हैं कि वे अगले 5 साल बाद होने वाले चुनावों की तरफ देख रहे हैं जहां वो कांग्रेस को रिप्लेस करके या तो प्रदेश की दूसरी पार्टी या फिर जहां एंटी इनकंबेंसी फेक्टर चला तो आप के सपने सरकार बनाने के भी हैं। गुजरात में अच्छे वोट शेयर ने आप को अन्य राज्यों में उतरने की ताकत दे दी है। देश में इस समय भाजपा और कांग्रेस को छोड़कर सिर्फ आप के पास ही दो राज्यों में सरकारें और दिल्ली नगर निगम पर कब्जा है। राजनीतिक पर्यवेक्षक कहते हैं कि आप ने पंजाब से तो चौंकाया ही था लेकिन 15,000 करोड़ रु. के बजट वाले देश के दूसरे सबसे बड़े निगम, दिल्ली नगर निगम को भाजपा से छीना और कांग्रेस को वहां लगभग साफ कर दिया।

गुजरात में बंधक रहे एमपी के बेटे-बेटियों का दर्द

12-12 घंटे खड़े रहकर बिना छुट्टी काम कराया, रुपए मांगने पर मिलती थी मार

सुखतवा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। 'हमसे 12 घंटे खड़े-खड़े काम कराया जाता था। कड़ी मेहनत के बाद छुट्टी मांगते तो गालियां सुननी पड़ती थीं। तबीयत खराब होने पर भी मजदूरी करने भेज देते थे। इतना ही नहीं, वेतन भी समय पर नहीं देते। मजदूरी मांगने पर मार मिलती थी। कुछ लड़कियों को दूसरे के साथ अलग सोने के लिए कहा गया। हम 2 लड़कियों को कमरे में कैद कर पहरेदारी करते रहते थे। हमें **हैदराबाद** भेजने की तैयारी थी। इससे पहले मौका मिलने पर हम लोग वहां से भाग निकले।' ये दर्द है गुजरात के राजकोट से भागकर नर्मदापुरम लौटी 5 आदिवासी लड़कियों का। उनके साथ 3 लड़के भी इसी तरह की प्रताड़ना से तंग आकर लौट आए। राजकोट अमरेली में आदिवासी लड़के-लड़कियों के साथ बुरी तरह प्रताड़ना की गई। 'परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। हम काम ढूंढ रहे थे, ताकि कुछ कमाई हो जाए। घर-परिवार के हालत में सुधार ला सकें। गांव के रहने वाली महिला भागवती बारस्कर ने कहा कि भोपाल के पास पिज्जा पैंकिंग का काम है। 300 रुपए रोज मिलेंगे। यहां से 7 घंटे का रास्ता है।

ओवैसी बोले-लव में कभी जिहाद नहीं होता

यूनिफॉर्म सिविल कोड पर भाजपा कर रही गुमराह

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। एक कार्यक्रम में लव जिहाद के बारे में सवाल पूछने पर एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि लव में कभी जिहाद होता है और इसको कोई इसको परिभाषित नहीं कर सकता है। आगे कहा कि लोकसभा में हमने सवाल पूछा लेकिन इसको कोई परिभाषित नहीं कर पाया। लव जिहाद के मुद्दे पर कहा कि मुख्तार अब्बास नकवी और शहनवाज हुसैन ने क्या किया।

वहीं जब उनसे श्रद्धा मर्डर केस पर सवाल पूछा गया तो ओवैसी ने कहा कि किसी की हत्या पर आप कितना बोलेंगे लव जिहाद-लव जिहाद, एक दिन सबको समझ आ जाएगा। कट्टरता का मुकाबला कट्टरता से नहीं कर सकते। धर्म संसद में कट्टरता पर बोला जाता है तो उस पर सवाल क्यों नहीं उठता है। साथ ही औवैशी ने खुद को पॉलिटिकल अछूत कहा। उन्होंने कहा कि देश में बुनियादी मुद्दों पर चुनाव लड़ना चाहिए। यूनिफॉर्म सिविल कोड पर भाजपा लोगों को गुमराह कर रही है। सबसे ज्यादा तलाक किस धर्म में होते हैं आप आंकड़े देख लीजिए। साथ ही कहा कि क्या चरमपंथ एक ही समुदाय से होता है। पुलिस चाहती है तब दंगे होते है। मोदी से बड़ा हिंदू कौन है ये बनने की होड़ मची हुई है। साथ ही ओवैशी ने कहा कि भाजपा भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहती है। उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और कहा कि मुसलमानों को कांग्रेस से इश्क करना छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का वोट बैंक गिर गया है। मुस्लिम समाज को ये बात समझनी चाहिए। अब कांग्रेस भाजपा को नहीं हरा पाएंगी।

स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
रविवार, 11 दिसंबर, 2022 3

सुविचार: विश्व के हर काम में यश प्राप्त करने के लिए एकाग्र चित्त होना आवश्यक है।

पदयात्रा के लिए पुलिस अनुमति नहीं मिलने तक जारी रहेगा अनशन : शर्मिला

हैदराबाद स्थित आवास पर अनिश्चितकालीन अनशन पर वाईएसआरटीपी अध्यक्ष

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) की अध्यक्ष वाई.एस. शर्मिला ने पदयात्रा के लिए पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के विरोध में हैदराबाद में अपने आवास पर शनिवार को दूसरे दिन भी अनिश्चितकालीन अनशन जारी रखा। वह अपनी मां वाईएस विजयम्मा ने बंजारा हिल्स में अपने लोटस पॉन्ड आवास पर अनशन जारी रखा। उनके आवास के आसपास बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। शर्मिला ने आरोप लगाया है कि पुलिस द्वारा पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को उनके आवास पर जाने से रोका जा रहा है। वाईएसआरटीपी नेता ने स्पष्ट किया कि वह तब तक अपना अनशन जारी रखेंगी जब तक पुलिस पदयात्रा की अनुमति नहीं देती। शर्मिला को पुलिस ने शनिवार को शहर के बीचोबीच टैंक बांध स्थित डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा के सामने अनशन पर बैठने के बाद हिरासत में ले लिया था। उन्हें उनके आवास पर छोड़ा गया। उन्होंने अपने समर्थकों के साथ अपने आवास के पास एक सड़क पर अनशन शुरू किया। उसे फिर से हिरासत में लिया गया और घर में रहने के लिए मजबूर किया गया।

इसके बाद वाईएसआरटीपी नेता ने सदन में अपना अनशन शुरू किया। उसकी मां भी उसके साथ एकजुटता में शामिल हो गई। वाईएसआरटीपी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को शनिवार को गिरफ्तार कर पुलिस थानों में स्थानांतरित कर दिया गया। पार्टी प्रवक्ता ए. सोमन्ना बोल्लारम पुलिस थाने में बीमार हो गए। उसे थाने शिफ्ट कर दिया गया। इससे पहले शर्मिला ने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव उनके निरंकुश और भ्रष्ट शासन के खिलाफ उठने वाली आवाजों का गला घोंट रहे हैं। "यह देखना निंदनीय है कि एक मुख्यमंत्री की सीट पर बैठा व्यक्ति उचित और निष्पक्ष होने के बजाय इतना तानाशाह कैसे हो सकता है। हमारी पदयात्रा अत्याचारी शासन का पर्दाफाश करने का एक मिशन है और असहाय लोगों के लिए अपनी चिंताओं को व्यक्त करने के लिए एक मंच है और समस्याएं। पदयात्रा अपनी 3,500 किलोमीटर की यात्रा के दौरान, कानून और व्यवस्था का पालन करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर सौहार्द और शांति बनाए रखने में कभी विफल नहीं रही है। उन्होंने दावा किया कि केसीआर, मुख्यमंत्री के रूप में लोकप्रिय हैं, और उनकी पार्टी के लोगों ने महसूस किया कि पदयात्रा ने उनकी विफलताओं और बेईमानी के खेल को पूरी तरह से उजागर कर दिया है। "वाईएसआर तेलंगाना पार्टी आज केसीआर और उनके बीआरएस के लिए खतरा है और वाईएसआर तेलंगाना पार्टी द्वारा संचालित जनमत के इस बदलते पाठ्यक्रम को महसूस करते हुए वे हमारे खिलाफ हो गए हैं। यात्रा को रोकने और हमें हतोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं? यदि आप जनता के बदलते मिजाज और वाईएसआरटीपी की बढ़ती ताकत से नहीं डरते, फिर ये हमले क्यों?" बीआरएस कार्यकर्ताओं ने 28 नवंबर को वारंगल जिले के नरसमपेट में शर्मिला की पदयात्रा पर कथित तौर पर हमला किया था। स्थानीय टीआरएस विधायक के खिलाफ शर्मिला द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों का विरोध करते हुए प्रदर्शनकारियों ने उनकी बस में आग लगा दी थी और अन्य वाहनों पर पथराव किया था। बाद में पुलिस ने शर्मिला को गिरफ्तार कर लिया क्योंकि उन्होंने क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पदयात्रा को बंद करने से इनकार कर दिया था।

पुलिस ने शर्मिला को हैदराबाद शिफ्ट कर दिया था। अगले दिन, मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास की ओर एक विरोध मार्च का नेतृत्व करते हुए, उसे उच्च नाटक के बीच फिर से गिरफ्तार कर लिया गया।

जिले में माओवादी एक्शन टीम की तलाश जारी

भूपालपल्ली, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक (एसपी) जे. सुरेंद्र रेड्डी ने कहा कि प्रतिबंधित भाकपा माओवादी की चार सदस्यीय कार्रवाई टीम जिले में घूम रही है और लोगों से अपील की कि वे अपनी गतिविधियों के बारे में पुलिस को सूचित करें। उन्होंने शनिवार को यहां एक पोस्टर भी जारी किया है, जिसमें नाम, फोटो और उनके सिर पर इनाम जैसी जानकारियां हैं। जिले में सक्रिय माओवादी भद्रू, महेश, महिंदर और करुणाकर हैं।

अगर कोई माओवादियों के बारे में जानकारी देता है, तो उसे नकद इनाम दिया जाएगा और हम लोगों द्वारा मुहैया कराई गई जानकारी को भी गुप्त रखेंगे।

लोग एसपी भूपालपल्ली 8712658100, एडिशनल एसपी 8712658111, ओएसडी 8712658101, भूपालपल्ली डीएसपी 8712658103, कटाराम डीएसपी 8712658101, एडिशनल एसपी 8712658103, कटाराम डीएसपी 8712658101 से संपर्क कर सकते हैं, उन्होंने कहा कि लोग 100 डायल करके भी जानकारी दे सकते हैं।

हवाई अड्डे पर 1.37 करोड़ रुपये से अधिक का सोना जब्त

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने शनिवार को दुबई से आए एक यात्री के पास से 1.37 करोड़ रुपये से अधिक का सोना जब्त किया। सीमा शुल्क अधिकारियों ने शनिवार तड़के दुबई से उड़ान FZ461 से आए एक पुरुष यात्री को रोका। अधिकारियों ने यात्री के सामान की जांच की और 24 कैरेट सोने का वजन 1,547 ग्राम और 18 कैरेट के आभूषणों का वजन 1,414 ग्राम पाया। सीमा शुल्क के अनुसार, जब्त किए गए पदार्थ की कुल कीमत 1,37,92,968 रुपये है। आगे की जांच चल रही है।

इस महीने हैदराबाद एयरपोर्ट पर सोने की यह सबसे बड़ी बरामदगी है। सीमा शुल्क अधिकारियों ने 11 नवंबर को दुबई से आए दो यात्रियों के पास से 2.8 करोड़ रुपये मूल्य का सोना जब्त किया था। दोनों यात्रियों को उनके अंडरगारमेंट्स में कस्टम-डिज़ाइन किए गए पॉकेट्स में छुपाकर पेस्ट के रूप में विदेशी मूल का सोना ले जाते हुए पाया गया। 2.8 करोड़ रुपये मूल्य का 5,398 ग्राम सोना बरामद कर जब्त किया गया है।

पुलिस ने मी कोसम कार्यक्रम के तहत मुफ्त सिलाई मशीन व कंबल वितरण किया

आसिफाबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला एसपी के सुरेश कुमार ने शनिवार को तिरयानी मंडल के पागीडीमादारम ग्राम में ज़िला पुलिस व वसुधा धर्मार्थ संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सिलाई मशीन व कंबल निःशुल्क वितरण किए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वसुधा धर्मार्थ संस्था द्वारा स्थापित इस अच्छे अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रत्येक महिला को स्वरोजगार कर अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिए, रोजगार के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। कहा जाता है कि महिलाओं की बराबरी कोई नहीं कर सकता, महान सोचने की शक्ति ही संभव है। एसपी ने कहा कि जिले में वसुधा परोपकारी संस्था वसुदिका के परिवार के लिए काम कर रही है।

छात्रों ने लगन से पढ़ाई की और उच्च स्तर तक पहुंचने की आकांक्षा की। सामुदायिक पुलिसिंग ने लोगों में पुलिस के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाया है और वे हमेशा लोगों के लिए उपलब्ध हैं। युवाओं को बुरी आदतों और असामाजिक गतिविधियों से दूर रहना चाहिए। गांव के लोगों को बताया गया कि पुलिस लोगों की जान-माल की रक्षा का बीड़ा उठाएगी। उन्होंने कहा कि लोग हमेशा डायल 100 पर कॉल करें और कोई भी समस्या होने पर सूचना दें, अन्यथा थाने में संपर्क करें।

इस अवसर पर जिला अतिरिक्त एसपी अचेश्वर राव, अध्यक्ष राधाकृष्ण, सचिव सूर्या, समन्वयक उमा, किरण, आसिफाबाद डीएसपी श्रीनिवास, सी.आई नरेंद्र, एस.आई रमेश, ग्राम सरपंच जंगू, एम.पी.टी.सी. केशा राव, पुलिस विभाग के कर्मचारी व ग्रामीण मौजूद रहे।

जिला एसपी ने किया आदिवासी आश्रम विद्यालय का दौरा

आसिफाबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को तिरयानी का दौरा करने पहुंचे जिला एसपी ने पंगीड़ी मादारम सरकारी स्कूल के दसवीं कक्षा के छात्रों से बातचीत की। इस मौके पर एसपी ने विद्यार्थियों से कई सवाल किए। उन्होंने कहा कि अनुशासन के साथ अध्ययन करें और उच्चतर की ओर बनने की बात कही। अनुशासन, दृढ़ता और समय की पाबंदी सफलता के प्रमुख सिद्धांत हैं और छात्रों को प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि एक बार शिक्षक के रूप में काम किया था, उन्होंने कड़ी मेहनत की और पढ़ाई करना पसंद किया, अब वह एक एसपी के रूप में काम कर रहे हैं, उन्हें वे दिन याद आ गए जब उन्होंने एक शिक्षक के रूप में काम किया था।

ताड़ी के पेड़ उगाने के लिए मनरेगा का उपयोग करें ताड़ीताशक : विनोद कुमार

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी. विनोद कुमार ने आज राज्य के ताड़ी निकालने वालों और ताड़ी सहकारी समितियों से ताड़ी और ताड़ के पेड़ उगाने के लिए मनरेगा का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने समाजों से योजना को जोड़ने और उनके कल्याण और विकास के लिए इसके लाभों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने याद दिलाया कि जब वे करीमनगर के सांसद थे, तब उन्होंने ही आज के वृक्षारोपण और ताड़ के वृक्षारोपण क्षेत्रों में बोरवेल खोदने के लिए धन आवंटित किया था। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्हें अलग से शासनादेश भी मिला है। शहर के पीरज़ादिगुड़ा में ताड़ी निकालने वालों के दूसरे राज्य सम्मेलन में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने ये टिप्पणी की। सीपीआई नेता चाडा वेंकट रेड्डी और अन्य ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, विनोद कुमार ने ताड़ी टापर्स को उनकी समस्याओं पर अपने सम्मेलन में प्रस्ताव पारित करने और उन्हें एक रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा और कहा कि वह सीएम और राज्य के आबकारी मंत्री को रिपोर्ट सौंपेंगे और उनसे समस्याओं को हल करने का आग्रह करेंगे। जल्द से जल्द। उन्होंने कहा कि सम्मेलन विभिन्न समस्याओं पर गहन चर्चा करने और उनका समाधान खोजने में बहुत मदद करेगा। चाडा वेंकट रेड्डी ने कहा कि ताड़ी टपर समाज ने टापर्स की समस्याओं पर लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि टेपर्स के सामने आने वाली कई समस्याओं को हल करने में समाज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है

बीआरएस के गठन के साथ केसीआर का राज्य से रिश्ता खत्म : जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के गठन को लेकर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर टिप्पणी करते हुए जीवन रेड्डी ने कहा कि बीआरएस के गठन के बाद राज्य मुख्यमंत्री के चंगुल से मुक्त हो गया है। सीएम केसीआर और जदयू नेता एचडी कुमारस्वामी के कर्नाटक में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव संयुक्त रूप से लड़ने के फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने दोनों नेताओं के गठबंधन को स्वार्थी राजनीति का गठबंधन करार दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कांग्रेस ही थी जिसने जदयू नेता एचडी देवेगौड़ा को प्रधानमंत्री और एचडी कुमारस्वामी को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाया था। सीएम केसीआर के नारे 'अबकी बार किसान सरकार' का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि कोई भी केसीआर पर भरोसा नहीं करेगा, जिन्होंने कृषि क्षेत्र में मौजूदा सब्सिडी को हटाकर राज्य के किसानों को धोखा दिया। उन्होंने कहा कि वह सीएम केसीआर को पलाभिषेकम करने के लिए तैयार हैं, अगर बाद में साबित हो जाए कि उन्होंने तेलंगाना में कृषि क्षेत्र को 24 घंटे बिजली की आपूर्ति की है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री, जिन्होंने पिछले आठ वर्षों में राज्य को "लूटा" था, अब अपनी बीआरएस पार्टी के नाम पर देश को लूटने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने यह भी मांग की कि मुख्यमंत्री कृषि ऋण माफी योजना को लागू करने के अलावा अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य में मौजूद योजनाओं को जारी रखें। सीआरपीसी की धारा 160 के तहत सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी एमएलसी के. कविता को सीबीआई अधिकारियों द्वारा जारी नोटिस पर टिप्पणी करते हुए, जीवन रेड्डी ने मांग की कि सीबीआई सीआरपीसी की धारा 41 (ए) के तहत नोटिस जारी करे। उन्होंने आरोप लगाया कि सनसनीखेज शराब घोटाले में सीबीआई धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है।

गांजा बेचने के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने गांजा बेचने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से 25 लाख रुपये का गांजा बरामद किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में लोअर धूलपेट के मुख्य गांजा आपूर्तिकर्ता आकाश सिंह, सुचित्रा के ड्रग आपूर्ति रामजल नरसिम्हा, धूलपेट के गांजा तस्कर नीरज प्रसाद तिवारी और खम्मम के ड्रग ट्रांसपोर्टर शेख सुभानी शामिल हैं। एच-न्यू पुलिस ने कहा कि आकाश सिंह 2018 से विशाखापत्तनम और ओडिशा के डीलरों तथा शेख सुभानी से गांजा खरीद रहा है। उसने इसे ग्राहकों को उच्च दरों पर बेच रहा था। उन्हें पहले प्रिवेंटिव डिटेंशन एक्ट के तहत हिरासत में लिया गया था। वह हैदराबाद के विभिन्न पुलिस थानों में पांच मामलों में शामिल है और उसे 2021 में प्रिवेंटिव डिटेंशन एक्ट के तहत हिरासत में लिया गया था और जून 2022 में रिहा कर दिया गया था। हैदराबाद पुलिस ने कहा कि अब तक 23 ड्रग उपभोक्ताओं की पहचान की जा चुकी है और अन्य की पहचान के लिए जांच जारी है। पुलिस ने कहा कि ड्रग से जुड़ी जानकारी एच-न्यू 8712661601 पर शेयर की जा सकती है।

भूदाता मुकुंद ईनानी सेठ की जयंती मनायी

मदनूर, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी जिला मदनूर गांव के भू दाता गणमान्य व्यक्ति, बुजुर्ग और मशहूर हस्तियां, जिन्होंने गांव के विकास में बड़ा योगदान दिया है। सेठ रामसुख बाल मुकुंद इनानी सेठ की जयंती पर स्थानीय पशु वैद्यकीय अधिकारी डॉ. विजय बंडीवार नेतृत्व में सरपंच सुरेश तथा समस्त ग्रामवासियों की ओर से पुराना बस स्टैंड पर स्थित उनकी प्रतिमा का ग्राम वासियों द्वारा दुग्धाभिषेक किया गया। इस के साथ ही स्थानीय जनता ने सरकारी अस्पताल में मरीजों को फल वितरण करते हुए जनता को संबोधित करते हुए बताया कि रामसुख बाल मुकुंद ईनानी सेठ जी ने गरीब जनता के सेवा के लिय निस्वार्थ भावना से सरकारी दवाखाना, विद्यालय की स्थापना के लिये जमीन दान दी थी। जिस पर गरीब छात्र विद्यालय में शिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसके साथ साथ दवाखाना में गरीब जनता उपचार कर के अपना जीवन व्यापन कर रहे हैं। कार्यक्रम में स्थानीय सरपंच सुरेश, उपसरपंच विट्ठल, डॉक्टर विजय बंडीवार, रमेश तेमेवार, हनमनलु कांचीनवार, नागेश पाटील, मोगलाजी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

देश को केसीआर के नेतृत्व की जरूरत : मंत्री

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कहा कि भारत की प्रगति तभी हो सकती है जब भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) देश का नेतृत्व करे। देश के विकास के लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की नीतियों से प्रभावित होकर बलकोंडा विधानसभा क्षेत्र के मुफखाल मंडल के रेंजरला गांव के सैकड़ों लोग शनिवार को यहां मंत्री प्रशांत रेड्डी की उपस्थिति में भारत राष्ट्र समिति में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना ने राज्य के गठन के बाद से बहुत कम समय में जबरदस्त विकास हासिल किया है और यह विभिन्न क्षेत्रों में अन्य राज्यों के लिए एक रोल मॉडल है। प्रशांत रेड्डी ने कहा कि पूरा देश तेलंगाना राज्य की ओर देख रहा है और लोग देश का नेतृत्व करने के लिए केसीआर का नेतृत्व मांग रहे हैं।

टीएसआरटीसी पहियों पर कला को बढ़ावा देने वाला पहला परिवहन विभाग बना

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) ने इंडियन फोटो फेस्टिवल (आईपीएफ) के सहयोग से शहर में पहियों पर भारत की पहली फोटो प्रदर्शनी 'हैदराबाद ऑन व्हील्स' को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अनूठी पहल के साथ, टीएसआरटीसी पहियों पर कला को बढ़ावा देने वाला पहला राज्य परिवहन विभाग बन गया है। टीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आईपीएफ के साथ उनका जुड़ाव एक अनूठी पहल है। हमें यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि टीएसआरटीसी कला को लोगों तक ले जाने वाला देश का पहला राज्य परिवहन विभाग है।

फोटोग्राफी कहानियों को संप्रेषित करने और लोगों को प्रभावित करने का एक सम्मोहक माध्यम है। हम हैदराबाद में लोगों को पहियों पर अपनी तरह की इस अनूठी पहली फोटो प्रदर्शनी देखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बस फोटोग्राफरों के काम और छवियों को दिखाती है जिन्होंने एक महीने के लिए अपने लेंस के माध्यम से शहर पर कब्जा कर लिया है। पहियों पर यह फोटो गैलरी प्रतिदिन विभिन्न स्थानों पर रुकेगी, और लोग चलकर प्रदर्शनी देख सकते हैं। कोई प्रवेश शुल्क नहीं है। आईपीएफ के संस्थापक और निदेशक, एक्विन मैथ्यूज ने कहा, "आईपीएफ सज्जनार और टीएसआरटीसी का आभारी है कि उन्होंने न केवल 'हैदराबाद ऑन व्हील्स' के हमारे विचार को स्वीकार किया, बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए भी कि हैदराबाद को विश्व स्तरीय प्रदर्शनी का अनुभव मिले। उन्होंने कहा कि वे 'हैदराबाद ऑन व्हील्स' को उन सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में ले जाने की योजना बना रहे हैं जहां बच्चों को अन्य क्षेत्रों में ज्यादा जानकारी नहीं है।

CLASSIFIEDS

FLAT FOR SALE

Sale Commercial/Residential Independent Duplex 7BHK, Cover & open Parkings, 24hr power & water with *expanded Pillars to build more floors,* in DV Colony, Near to Ranigunj, Minister to PG Road, Centrally surrounded with all major markets, Station & various other facilities for Commercial / Residencial etc uses. Contact: 9320147729

WANTED

Chief, Regional & Divisional Managers (M/F) Required for Well Established Million Doller company at Hyderabad Branches. Preferable : Rtd. Employes, Insurance Sector, Real Estate etc... Marketing. Package /incentives/ month Ave 1 Lakh : 9300814797

PLOTS FOR SALE

बिकने के लिए फॉमहॉउस प्लॉट्स हैदराबाद बेंगुलुरु हाईवे से शादनगर 2वां बिट, मेन रोड पर कोंधुर विलेज में । संपर्क : महेन्द्रा कात्वानी, फोन : 9391035282, 9182477321

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

टी. आर्यन सिंह
माता : टी. महेश्वरी
पिता : टी. संदीप सिंह

विदेश मंत्री बोले: देश के 55 शहरों में होगा जी-20 सम्मेलन

सबसे बड़ा आयोजन काशी में

वाराणसी, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर दो दिवसीय दौरे पर शनिवार दोपहर वाराणसी पहुंचे। उन्होंने बीएचयू में आयोजित काशी-तमिल संगमम में भाग लिया। मीडिया से बातचीत में काशी-तमिल संगमम को अनूठी पहल बताया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि दिसंबर 2022 से नवंबर 2023 के बीच भारत की मेजबानी में जी-20 का शिखर सम्मेलन होगा।

इसका आयोजन देश के 55 शहरों में होगा। सबसे बड़ा आयोजन (डेवलपमेंट मिनिस्टर्स की बैठक) वाराणसी में होगा। जिसकी अध्यक्षता वो खुद करेंगे। इसकी योजना बनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि जी-20 सम्मेलन से संबंधित वाराणसी में प्रस्तावित आधा दर्जन बैठकों के स्थान और तैयारियों की समीक्षा के लिए वो यहां पहुंचे हैं। रविवार

को विदेश मंत्रालय की टीम छह अलग-अलग बैठकों के लिए जगह चयन के साथ ही अतिथियों के स्वागत के लिए शहर में होने वाले कामों पर चर्चा करेगी।

काशी-तमिल संगमम एक बेहतर पहल

बीएचयू के एमपीथियेटर मैदान में पत्रकारों से बातचीत में विदेशी मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि काशी-तमिल संगमम का आयोजन पीएम मोदी की सोच का नतीजा है। यह एक बेहतर पहल है। इससे काशी और तमिलनाडु के प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों का परिचय होगा।

सबके लिए यह नया अनुभव है। युवा पीढ़ी को सीखने को बहुत कुछ मिलेगा। उम्मीद है कि यह कार्यक्रम सफल होगा। देश के विभिन्न शहरों के बीच पुराने संबंध और बेहतर होंगे।

जी-20 में इन देशों की है भागीदारी

ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी 20) में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूके और यूएस और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं।

अखिलेश यादव बोले- मैनपुरी की जनता ने नेताजी को दी सच्ची श्रद्धांजलि

मैनपुरी, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में जीत से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव गदगद नजर आए। शनिवार को वे डिंपल यादव के साथ भोगांव में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में जिस जनता के साथ अन्याय हुआ उसी ने लोकसभा उप चुनाव में सपा को जिताने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भोगांव के मतदाताओं ने जो कमी विधानसभा चुनाव में रह गई थी, उसे भी पूरा कर दिया है। विधानसभा चुनाव में बहुत ही कम अंतर से सपा सीट हार गई थी, लेकिन इस बार लोकसभा उप चुनाव में भोगांव की जनता ने बड़ी जीत दिलाने का काम किया है। भाजपा पर हमलावर अखिलेश ने कहा कि सपा के कार्यकर्ताओं की सूची अर्द्धसैनिक बल नहीं बनाते हैं। ये सूची यहीं के भाजपा कार्यकर्ता बनाते हैं और प्रशासन को देने का काम करते हैं। इसके बाद सपा कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की जाती है। वहीं सांसद डिंपल यादव ने कहा कि मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र ने इतिहास रच दिया है। सभी जानते हैं कि मैनपुरी वह क्षेत्र है, जिसने नेताजी को हमेशा सम्मान दिया है।

इसके साथ ही अब मैनपुरी की जनता ने उन्हें सेवा का मौका दिया है। जनता के प्यार और आशीर्वाद के लिए उन्होंने जनता को धन्यवाद दिया। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष आलोक शाक्य, पूर्व सांसद तेजप्रताप यादव व अन्य नेता मौजूद रहे।

रामपुर में काम कर गई मुख़्तार अब्बास नकवी की खिचड़ी पंचायत!

रामपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रामपुर में हाल ही में हुए उपचुनाव में भाजपा ने अपनी पहली जीत हासिल की। रामपुर में बीजेपी के आकाश सक्सेना ने समाजवादी पार्टी के आसिम रजा को 34 हजार से अधिक वोटों से हरा दिया। वहीं बीजेपी की इस जीत के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख़्तार अब्बास नकवी की खिचड़ी पंचायत भी चर्चा का विषय बन गई है और लोग मानते हैं कि उनका ये कार्यक्रम काम कर गया।

मुख़्तार अब्बास नकवी की खिचड़ी पंचायत

बता दें कि रामपुर उपचुनाव में बीजेपी की ओर से चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी दिग्गज भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी को दी गई थी। लेकिन उन्होंने उग्र भाषणों और मेगा रैलियों के बजाय 'खिचड़ी पंचायतों' को चुना। मुख़्तार अब्बास नकवी ने ऐसी सभाओं का आयोजन किया, जहां

खिचड़ी परोसी जाएगी और वह प्रतिभागियों के साथ चर्चा करेंगे। लेकिन अब जीत के बाद ऐसा लगता है कि 'नकवी की खिचड़ी पंचायत' ने पार्टी को अच्छा स्वाद प्रदान किया है।

बता दें कि रामपुर में पहली खिचड़ी पंचायत 2,5000 मतदाताओं की संख्या वाले ककरहुआ गांव में आयोजित की गई थी। इस गांव में लगभग 50 फीसदी मतदाता मुस्लिम हैं।

सूत्रों ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया था कि मुस्लिम और सिख सहित विभिन्न जातियों और समुदायों के स्थानीय नेताओं और नेताओं को पंचायत में आमंत्रित किया गया था। दूसरी पंचायत नौगवां गांव में आयोजित की गई थी। भाजपा के एक नेता ने कहा था, "मुस्लिम मतदाताओं के एक साथ रहने और बहुजन समाज पार्टी की अनुपस्थिति में दलित वोटों के महत्व को देखते हुए हमारा ध्यान विशेष रूप से पंचायतों में मुस्लिम और दलित मतदाताओं पर केंद्रित होगा।" बता दें कि बसपा और कांग्रेस ने रामपुर उपचुनाव नहीं लड़ा। बता दें कि इस सीट से समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान ने 10 बार जीत हासिल की थी। आसिम रजा 34 हजार वोटों से चुनाव हारे हैं।

बता दें कि जून में हुए लोकसभा उपचुनाव में भी सपा ने आसिम रजा को टिकट दिया था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। वहीं उसके बाद आजम खान का करीबी होने का आसिम रजा को फायदा मिला और उन्हें फिर टिकट मिला, लेकिन वो चुनाव हार गए।

बिहार में ठंड और प्रदूषण का डबल अटैक!

12 जिलों के तापमान में गिरावट, गया का पारा गिरकर 7.4 डिग्री पहुंचा, बेगूसराय का एक्यूआई 425 पहुंचा

पटना, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में ठंड बढ़ने के साथ ही कोहरा भी घना होता जा रहा है। हवा के प्रभाव से बिहार में रात और दिन के तापमान में अंतर कम हो रहा है। साथ ही सर्द हवा से कनकनी बढ़ रही है। राज्य के 12 जिलों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। पटना के तापमान में 0.5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है।

वहीं शुक्रवार को गया बिहार का सबसे ठंडा शहर रहा। यहां का न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई। फिलहाल बिहार के 5 जिलों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे है।

बता दें कि मौसम विभाग के मुताबिक पहाड़ों पर हुई बर्फबारी का असर अब बिहार में भी देखने को मिल रहा है। पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवा बिहार में ठंड बढ़ा रही है। इसी कारण से बिहार में कई जिलों का पारा तेजी से गिर रहा है। इधर, बिहार में वायु प्रदूषण की स्थिति खतरनाक हो गई। प्रदूषण के मामले में बेगूसराय में 425, पूर्णिया में 416 और दरभंगा में 407 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

ट्रेन से पकड़ा गया ढाई करोड़ का सोना, तस्कर समेत 3 गिरफ्तार

गया, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के गया रेलवे स्टेशन से ढाई करोड़ का सोना बरामद किया गया है। डीआरआई पटना और आरपीएफ गया ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर ढाई करोड़ से अधिक मूल्य का सोना बरामद किया है। टीम ने सोने के साथ तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि डीआरआई पटना और आरपीएफ गया ने गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त रूप से चेकिंग की। इस दौरान गाड़ी संख्या 12379 अप सियालदह अमृतसर जालियांवाला बाग एक्सप्रेस और सियालदह नई दिल्ली हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस में से कुल 3 व्यक्तियों को विदेशी निर्मित गोल्ड बार (कुल वजन 4.5 किलोग्राम) अनुमानित कुल मूल्य 2,57,76,000 साथ गिरफ्तार किया। आगे की कार्रवाई के लिए डीआरआई, पटना की टीम अपने अपने साथ ले गई।

बताया जा रहा है कि चेकिंग अभियान को सफल बनाने में

आरपीएफ पोस्ट गया के निरीक्षक प्रभारी अजय प्रकाश के निर्देशन में उपनिरीक्षक जावेद एकबाल, सहायक उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार, आरक्षी नरेंद्र कुमार, आरक्षी विकास कुमार की भूमिका अहम रही। इन लोगों ने ट्रेनों के कम समय ठहराव अवधि के दौरान ही त्वरित कार्रवाई किर तस्करों को दबोच लिया। डीआरआई टीम पटना के द्वारा आरपीएफ गया किए गए अति महत्वपूर्ण सहयोग में तत्परता के लिए सराहना करते हुए धन्यवाद दिये।

गौरतलब है इससे पूर् भीव गया जंक्शन से भारी मात्रा में सोना बरामद किया गया था। दिनांक 4 जनवरी को 6 किलो सोना के साथ 2 व्यक्तियों, दिनांक 16 जनवरी को 1.5 किलो सोना के साथ एक व्यक्ति, दिनांक 23 फरवरी को 1.5 किलो सोना के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था।

इस प्रकार कुल 13 व्यक्तियों को कुल वजन 16.125 किलोग्राम कुल अनुमानित मूल्य 8,86,87,500 रुपये के विदेशी गोल्ड बार/ सोने के गहने के तस्करी के मामले में गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई है।

ईशान की दादी अगला मैच स्टेडियम में देखना चाहेंगी

पटना/नवादा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। वनडे क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाले बिहारी ईशान किशन के परिवार और करीबी लोग ही खुश नहीं हैं, बल्कि पूरे बिहार को इस उपलब्धि पर गर्व है। नवादा में किशन की दादी सावित्री शर्मा ने मोहल्ले में मिठाइयां बांटीं तो पटना में पिता प्रणव पांडेय के पास टीवी पर मैच देखने के लिए पड़ोसियों-रिश्तेदारों के साथ मीडियाकर्मियों का जमावड़ा लग गया। नवादा में किशन की दादी सावित्री शर्मा ने कहा कि ईशान किशन का अगला मैच वह स्टेडियम में जाकर देखेंगी। ईशान को दसवीं कक्षा में घर जाकर पढ़ाने वाले शिक्षक ओम प्रकाश मोबाइल पर ही मैच देखकर खुश हो रहे थे तो ईशान की तरह बनने के लिए ग्राउंड पर पसीना बहा रहे आशीष, राजेश, सुमित, सौरभ, विक्की समेत दर्जनों क्रिकेटरों को भी आगे बढ़ने का रास्ता नजर आने लगा।

एप्रोच में पॉजिटिविटी के कारण यह उपलब्धि

जब से ईशान ने इंटरनेशनल मैच खेलने शुरू किए, उनमें किस तरह का चेंज देख रहे? इस सवाल के जवाब में प्रणव पांडेय ने कहा कि घरेलू क्रिकेट में

अलग तरह का मनोविज्ञान काम करता है और इंटरनेशनल में अलग। आप जितना आगे बढ़ते जाते हैं, प्रेशर उतना ही बढ़ता जाता है। यह परिवर्तन ईशान में भी दिखा। अच्छी बात यह है कि एप्रोच में हमेशा पॉजिटिविटी रही। उन्होंने बीते हुए समय को याद करते हुए कहा कि ईशान की स्कूली पढ़ाई डीपीएस में हुई थी। पढ़ाई से ज्यादा खेल पर ध्यान रहता था। प्रैक्टिस के अलावा मैच खेलने में व्यस्त देखा और परफॉर्मेंस देखा तो आगे बढ़कर सहयोग किया। आज परिणाम सभी के सामने है।

एक समय लगता था कि बिहार में रहना मुश्किल है। ऐसा इसलिए क्योंकि बिहार की ओर से अंडर-16 खेलने के बाद आगे की संभावना नहीं दिख रही थी। बिहार में क्रिकेट संघ की मान्यता नहीं थी तो बिहार छोड़ कर झारखंड जाने का फैसला लेना पड़ा।

20 मजदूरों से भरा ऑटो नदी में पलटा

पांच मजदूरों की हालत गंभीर

गोपालगंज, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज में बड़ा हादसा होने की खबर सामने आ रही है, जहां 20 मजदूरों से भरा ऑटो सोना नदी में पलट गया है। ऑटो में 20 से अधिक मजदूर सवार थे। इसमें अधिकतर महिला मजदूर थीं। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गयी। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने सभी को किसी तरह बाहर निकाला। इनमें पांच मजदूरों की हालत गंभीर है। सभी घायल मजदूरों को फुलवरिया अस्पताल में भर्ती काराया गया है।

पांच मजदूरों की हालत गंभीर

यह घटना फुलवरिया थाने के बथुआ बाजार के पास की है। जानकारी के अनुसार सभी मजदूर श्रीपुर से अमठा कोल्ड स्टोर में जा रहे थे। ऑटो पर क्षमता से अधिक सवारी बैठे थे। जिसके कारण ऑटो अनियंत्रित हो कर नदी में पलट गया, घटना में 5 मजदूरों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद मौके पर चीखपुकार मच गई। शोरगुल सुनकर घटनास्थल पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने नदी में डूब रहे सभी लोगों को किसी तरह से बाहर निकला। जिसमे 5 मजदूरों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल मजदूरों को फुलवरिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि ऑटो पर क्षमता से अधिक सवारी होने के कारण ऑटो अनियंत्रित हो कर नदी में पलट गया। समस्तीपुर में भी एक यात्री की ट्रेने से कटकर मौत हो गयी है। यह घटना समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेलखंड स्थित गुमटी 57 पर शंभुपट्टी के पास की है। मुफस्सिल पुलिस ने शव को सदर अस्पताल भेज दिया है। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार मिश्रा ने बताया ट्रेन से कटकर एक यात्री की मौत की सूचना मिली थी। पहचान के लिए जनप्रतिनिधियों और आम लोगों से सहयोग लिया जा रहा है।

सड़क हादसे में 2 युवकों की मौत

शादी समारोह से घर लौट रहे थे दोनों

तेज रफ्तार ट्रक ने स्कॉर्पियो को मारी टक्कर

जमुई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। लखीसराय में भीषण सड़क हादसे में दो युवक की मौत हो गई। रविवार देर रात दोनों स्कॉर्पियो से शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। कबैया थाना क्षेत्र के पचना रोड बाइपास के पास तेज रफ्तार ट्रक स्कॉर्पियो को टक्कर मारती हुई पोल से टकरा गई। देखते ही देखते ट्रक में आग लग गई। हादसा इतना भीषण था कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

हाइसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने रोड पर से दोनों क्षतिग्रस्त गाड़ियों को जब्त कर लिया। मरने वालों की पहचान अमहरा ओपी के दीघा निवासी युगल किशोर मांझी 35 वर्ष और धीरज कुमार 25 वर्ष में हुई।

जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात दोनों युवक रिश्तेदार के घर से शादी समारोह में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। तभी लखीसराय बाइपास रोड के समीप जमुई के तरफ से आ रही एक अनियंत्रित बालू लदे ट्रक सामने से स्कार्पियो मे जबरदस्त टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कार्पियो सवार युगल किशोर मांझी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई वही धीरज कुमार की मौत सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हो गए। वही इस घटना में स्कॉर्पियो चालक बाल-बाल बच गया।

जीएसटी छापेमारी के विरोध में दुकानें बंद

सीतापुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सीतापुर में जीएसटी टीम की छापेमारी के बाद शहर के अधिकांश हिस्सों में व्यापारियों में दहशत है। शहर के पुराने सीतापुर में कपड़ा व्यवसायियों ने दुकानों को बंद कर अपना विरोध जता रहे हैं। 24 घंटे पहले डीएम से मुलाकात कर जीएसटी टीम पर शोषण का भी आरोप लगाया था। इसके साथ ही सिधौली कस्बे में आज व्यापारियों ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। काजियारे इलाके में अधिकांश कपड़ा व्यापारी दुकान बंद किये हुए हैं। जीएसटी टीम पिछले कई दिनों से लगातार छापेमारी कर रही थी और कपड़ा व्यवसायी सहित बर्तन व्यापारी,सर्राफा व्यापारी सहित अन्य व्यापारियों के यहां छापेमारी कर रही है।

'टर्न एंड ट्विस्ट' के दौर से गुजरने लगी बिहार की सियासत

कुढ़नी उपचुनाव में हार के बाद नीतीश पर तेजस्वी के लिए क्या है प्रेशर

पटना, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कुढ़नी उपचुनाव में जेडीयू की हार ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अपने डिप्टी और राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव को रास्ता देने की मांग की है। राजद के पूर्व विधायक अनिल सहनी ने यहां तक कह दिया कि कुढ़नी में जेडीयू पूरी तरह फेल हुई है। नीतीश कुमार को नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। अनिल सहनी ने यहां तक कह दिया कि नीतीश कुमार को अपनी कुर्सी तेजस्वी यादव को सौंपनी चाहिए। उधर, भाजपा के राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि नीतीश को चाहिए कुढ़नी में अपनी पार्टी की हार की जिम्मेदारी लें और तेजस्वी को सत्ता की सीट सौंपकर राजद नेता शिवानंद तिवारी के 'आश्रम' जाएं।

नीतीश कुमार की हार

साहनी ने कहा कि ये महागठबंधन की नहीं बल्कि नीतीश कुमार की हार है। कुढ़नी के लोगों ने उन्हें सबक सिखाया है। अगर नीतीश में कोई नैतिकता बची है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद सौंप देना चाहिए। सूमो ने कहा कि जेडीयू के दोनों नेताओं - मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह को कुढ़नी उपचुनाव में अपनी पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। सुशील कुमार मोदी ने यहां तक कहा कि नीतीश का जनाधार अब खत्म हो गया है. नीतीश को अब अपनी जेडीयू का राजद में विलय कर देना चाहिए। भाजपा ने कुढ़नी विधानसभा सीट पर जेडीयू को 3,649 मतों से हराया। बीजेपी के केदार प्रसाद गुप्ता ने 76,722 वोट हासिल कर उपचुनाव जीता, जबकि जेडीयू के मनोज कुशवाहा को 73,073 वोट मिले। कुढ़नी उपचुनाव परिणाम के बाद बिहार की सियासत 'टर्न एंड ट्विस्ट' के दौर से गुजर रही

है। कुढ़नी में हार के बाद अभी तक नीतीश कुमार की ओर से कोई बयान नहीं आया है। वहीं दूसरी ओर तेजस्वी यादव ने ये कहा है कि हम बहुत कम मार्जिन से हारे हैं, इसकी समीक्षा की जाएगी। वहीं दूसरी ओर जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा कि बीजेपी ने गलत तरीके से चुनाव जीता है। जबकि, उपेंद्र कुशवाहा ने कहा है कि पार्टी को जनता के हिसाब से अपना कदम उठाया होगा। जैसी जनता चाहती है, वैसी पार्टी चलेगी। महागठबंधन की हार से एक बात तो तय है कि जेडीयू और राजद नेताओं के बीच आपसी खटास खुलकर सामने आ गए हैं। सियासी जानकार मानते हैं कि इस चुनाव ने ये भी साबित कर दिया है कि सिर्फ दल मिले हैं, दिल नहीं मिले हैं। राजद का वोट कतई नहीं जेडीयू को ट्रांसफर हुआ है। राजद कार्यकर्ता आज भी जेडीयू कार्यकर्ताओं से तालमेल नहीं बिठा पाए हैं। जिसकी वजह से कुढ़नी जैसी हार का सामना करना पड़ा। जानकारों की मानें, तो हार के बाद उपेंद्र कुशवाहा के बयान पर ध्यान दीजिए। ये बयान पूरी तरह से नीतीश कुमार को ध्यान में रखकर दिया गया है। उपेंद्र कुशवाहा ने परिणाम के बाद लिखा कि क्या हार में, क्या जीत में, किंचित नहीं भयभीत मैं। कर्तव्य पथ पर जो मिला, यह भी सही वो भी सही। कुढ़नी के परिणाम से हमें बहुत कुछ सीखने की ज़रूरत है। पहली सीख- जनता हमारे हिसाब से नहीं बल्कि हमें जनता के हिसाब से चलना पड़ेगा। जानकार मानते हैं कि ये संदेश उपेंद्र कुशवाहा ने जेडीयू कार्यकर्ताओं और पार्टी नेतृत्व को दिया है। आपको बता दें कि कुढ़नी उपचुनाव में महागठबंधन की सात पार्टियां अकेले मैदान में उतरी भाजपा को शिकस्त नहीं दे पाई। नीतीश-तेजस्वी की धुंआधार सियासी बैटिंग भी काम नहीं आई। ललन सिंह का कुढ़नी में पूरी तरह फोकस करना भी काम नहीं आया। मनोज कुशवाहा की सार्वजनिक माफी भी काम नहीं आई। स्थिति ये है कि इस बार महागठबंधन हार का सारा दोष ओवैसी की पार्टी को भी नहीं दे सकता।

जंगल से निकल रिहायशी इलाके में पहुंचा अजगर

बगहा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। वाल्मीकि नगर के कोतरा बंगला के पास एक विशालकाय अजगर धूप से करा था। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर घने जंगल में छोड़ दिया। जाड़े के दिन में वीटीआर के पास रिहायशी क्षेत्रों में अक्सर अजगर दिख जाते हैं। वन विभाग के एक्सपर्ट का माने तो अजगर ठंड के दिनों में धूप सेकने के लिए बाहर निकलते हैं। इसी दौरान कई दफा भटक कर रिहायशी क्षेत्रों में चले जाते हैं।

फर्जी दरोगा बन रौब झाड़ने वाला अरेस्ट

मेरठ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। मेरठ में पुलिस की वर्दी पहनकर रोब गालिब करने वाला पुलिस के हत्थे चढ़ गया। मेरठ मेडिकल थाना पुलिस ने तक्षशिला कालोनी से एक युवक को पकड़ा। युवक पुलिस की वर्दी पहनकर खुद को दरोगा बताकर लोगों पर रुआब झाड़ता था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे पकड़ा। तो आरोपी मुजफ्फरनगर का शावेज निकला। पुलिस की वर्दी पहनकर उगाही करने वाले इस दरोगा ने राजेंद्र सिंह नाम की नेमप्लेट चेस्ट पर लगाई हुई थी। जब उससे पूछताछ हुई तो उसने अपना नाम पिंकी सैनी बताया। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में अपना नाम पिंकी सैनी निवासी मुजफ्फरनगर बताते हुए पुलिस को गुमराह करने का प्रयास भी किया।

रहबर फूड के डायरेक्टर कौकब कुरैशी समेत तीन पर 90 करोड़ के गबन की एफआईआर दर्ज

बरेली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली के कैंट थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव में स्थित रहबर फूड इंडस्ट्रीज के निदेशक (डायरेक्टर) कौकब कुरेशी समेत अन्य शेयर धारकों पर 90 करोड़ से अधिक के गबन किए जाने के मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) फिरोज अहमद शेख ने कराई है।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

मुंबई के अकोला के एलजे क्रस रोड नंबर- 2 कासा बपतिस्ता सीएचएस सीएचएस फ्लैट नंबर 402, चौथी मंजिल निवासी एमडी फिरोज़ अहमद शेख की ओर से डायरेक्टर कौकब कुरैशी एवं अन्य 2 शेयर धारकों पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसके बाद कैंट थाना पुलिस आरोपियों की

तलाश में जुटी है। इसके साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है।

रहबर फूड इंडस्ट्रीज के डायरेक्टर पर एफआईआर दर्ज

रहबर फूड इंडस्ट्रीज के एमडी फिरोज अहमद शेख ने एफआईआर में आरोप लगाया है कि डायरेक्टर कौक़ब कुरैशी ने 90 करोड़ से अधिक का गबन किया है। उनका कहना है 17 नवंबर 2018 को रहबर फूड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड (मीट फैक्ट्री) और एबी जेड एग्रो फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक एमओयू (अनुबंध) फैक्ट्री के शेयर होल्डर्स के बीच आपसी सहमति से हुआ था। रहबर फूड इंडस्ट्रीज के निदेशक एवं 10 फीसद के शेयर होल्डर महाराष्ट्र के नवी मुंबई के फ्लैट नंबर, 15 नूर सीएचएस बिल्डिंग नंबर- 2, प्लॉट नंबर 18 सेक्टर 9ए, एवं हाल निवासी बारादरी थाने के फाइक इंक्लेब के फेज- 2 निकट कब्रिस्तान निवासी डायरेक्टर 10 फीसद शेयर होल्डर कौकब कुरैशी को 1 नवंबर 2018 को फैक्ट्री के प्रोडक्शन एवं वित्तीय कार्य हेतु अधिकृत किया गया था। 29 नवंबर 2022 को कौकब कुरैशी ने एमडी एवं अन्य डायरेक्टरों को बिना सूचना दिए उसी दिन अचानक फैक्ट्री को बंद कर दिया। इसकी जानकारी फैक्ट्री के ऑफिस में बैठने के दौरान अगले दिन हुई। लेबर और कर्मचारियों का दो करोड़ बकाया भी नहीं दिया गया। इन लोगों ने भी आकर तमाम शिकायतें की। फैक्ट्री के सप्लायर्स भी करोड़ों रुपये बकाया होने के कारण खफा हैं।कंपनी पर करोड़ों रुपए का बकाया होने से मैं काफी टेंशन में आ गया। लंबे समय से बीमारी के चलते मुंबई से बरेली न आने के कारण कंपनी में कौकब कुरैशी के द्वारा किए गए कृत्यों की जानकारी नहीं हो सकी।

कंपनी के एमडी फिरोज अहमद शेख ने रहबर फूड इंडस्ट्रीज के अधिकृत हस्ताक्षर एवं डायरेक्टर मेराज इस्लाम एडवोकेट को गबन की जांच सौंपी थी। लेकिन डायरेक्टर को कौकब कुरैशी ने कोई कागज नहीं दिया। जांच में पाया गया कि फर्जी कागजात, फर्जी बिल पर हस्ताक्षर कर कर उत्पाद चमड़ा,टैलो, एमबीए तथा फ्रोजन मीट बेचने और मुख्य उत्पादन लाइव एनिमल के फर्जी बिल बनाएं गए हैं।

35 लाख रुपए की विदेशी शराब पर चला बुलडोजर

खाली बोतलों को गड्ढा खोद किया दफन

सीवान, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सीवान में उत्पाद विभाग ने विभिन्न थाना क्षेत्रों से कार्रवाई करने के बाद पकड़े गए विदेशी शराब को आज शनिवार की दोपहर 2:00 बजे शहर के पुलिस लाइन फील्ड मैदान में बुलडोजर चलाकर नष्ट कर दिया। पकड़े गए शराब की कीमत 35 लाख रुपए बताई जा रहे है। इस पूरी प्रक्रिया में दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त सीवान सदर अंचलाधिकारी ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव मौके पर मौजूद रहे। इस मामले में अंचलाधिकारी ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि जिले भर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस बल की सहयोग से जब्त जब विदेशी शराब को एक जगह पर एकत्रित करने के बाद नष्ट किया गया। जिलाधिकारी अमित कुमार पांडे के निर्देश पर एक विशेष अभियान के तहत सभी शराबों को पुलिस लाइन में लाकर बुलडोजर चलाया गया है। उन्होंने बताया कि सीवान में शराबबंदी कानून को पूरी तरह प्रभावित बनाने के लिए जिला प्रशासन वचनबद्ध है। शराब कारोबारियों और पीने के आरोपियों को तुरंत पकड़ने के बाद कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि सीवान जिले के 18 थानों से पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अक्टूबर और नवंबर माह में सबसे अधिक शराब को जब्त किया गया है।

महाराष्ट्र डेलिगेशन की शाह से मुलाकात के बाद

सीएम बोम्मई ने कहा कोई फर्क नहीं पड़ता

बेंगलुरू, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र-कर्नाटक के बीच सीमा विवाद मुद्दा गहराता जा रहा है। इस मसले पर शुक्रवार को महाविकास अघाड़ी के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गृहमंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की थी। इसके बाद अब कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि सीमा विवाद पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने वाले महाराष्ट्र प्रतिनिधिमंडल से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार इस मुद्दे पर कोई समझौता नहीं करने जा रही है।

कर्नाटक का प्रतिनिधिमंडल भी शाह से करेगा मुलाकात

सीएम बोम्मई ने कहा कि कर्नाटक के संसद सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल को सीमा विवाद मुद्दे पर सोमवार को शाह से मुलाकात करेगा और जमीनी हकीकत से रूबरू कराएगा। बोम्मई ने ट्वीट कर कहा, ₹महाराष्ट्र प्रतिनिधिमंडल के केंद्रीय गृह मंत्री से मिलने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। महाराष्ट्र ने पहले भी ऐसा करने की कोशिश की है। मामला सुप्रीम कोर्ट में है। सुप्रीम कोर्ट में हमारा मामला मजबूत है। हमारी सरकार इस मामले में कोई समझौता नहीं करेगी। राज्य के कानूनी रुख को लेकर वह भी जल्द ही केंद्रीय गृह मंत्री मुलाकात करेंगे।

बोम्मई ने शाह से की मुलाकात

इस बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से बात की। इस दौरान उन्होंने शाह को मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि जल्द ही राज्य सरकार सीमा विवाद के मुद्दे पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुला सकती है।

कभी भी भड़क सकती है हिंसा

बता दें, शुक्रवार को एमवीए के सांसदों ने सुप्रिया सुले के नेतृत्व में दोनों राज्यों के बीच गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने शाह को बताया कि महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद अब उस स्तर पर पहुंच गया है कि उससे हिंसा भड़क सकती है। उन्होंने जल्द ही इस मामले में गृहमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की थी।

गृहमंत्री ने बुलाई बैठक

एमवीए के सांसदों से मिलने के बाद गृहमंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र और कर्नाटक के मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई है। यह बैठक 14 दिसंबर को होने वाली है। इससे पहले कर्नाटक के सांसदों का प्रतिनिधिमंडल भी शाह से मुलाकात करेगा। बता दें, सीमा विवाद के मसले पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सीएम बसवराज बोम्मई के बीच भी बातचीत हो चुकी है।

मिस यूनिवर्स V/s उपासना सिंह कंट्रोवर्सी

चंडीगढ़ कोर्ट फरवरी में करेगा सुनवाई; हरनाज संधू व अन्य से 1 करोड़ हर्जाना मांगा

चंडीगढ़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। मिस यूनिवर्स हरनाज कौर संधू समेत 14 अन्यों के खिलाफ एक्ट्रेस उपासना सिंह द्वारा दायर कोर्ट केस फरवरी के लिए 'एडजर्न्ड' हो गया है।
मामले में पार्टी बनाई गई संधू समेत अन्यों के लिखित बयान दर्ज होने हैं। 4 अगस्त को चंडीगढ़ कोर्ट में 'बाई जी कुटणगें' नामक पंजाबी फिल्म से जुड़े विवाद को लेकर उपासना सिंह ने मॉडल के खिलाफ कोर्ट में केस दायर किया था। उपासना सिंह ने फिल्म को लेकर हुए नुकसान के रूप में 1 करोड़ रुपए भरपाई की मांग की है। हरनाज संधू के अलावा जिन अन्यों को पार्टी बनाया गया है, उनमें शैरी गिल, एमा सावल, द मिस यूनिवर्स आर्गनाइजेशन, सिटी ऑफ द हॉलीवुड फ्लोरिडा, टाइम्स ग्रुप सीआरएम आदि शामिल हैं।

डिप्टी सीएम फडणवीस बोले

हम मुंबई में ऐसी सड़कें बनवाएंगे जो 30 साल तक गड्ढा मुक्त रहेंगी

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि उनकी सरकार मुंबई में ऐसी सड़कों का निर्माण कराएगी, जो 30 साल तक गड्ढा मुक्त रहेंगी। उन्होंने कहा कि हम इस गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उपग्रह के जरिए इन सड़कों की मियाद पर नजर रखेंगे। साथ ही फडणवीस ने वादा किया कि न तो वह और न ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) को पैसे कमाने की मशीन बनने नहीं देंगे।
फडणवीस ने गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित मुंबई सौंदर्यीकरण परियोजना के कार्यों के उद्घाटन के मौके पर कहा कि करीब 6,000 करोड़ रुपये की लागत से मुंबई की सड़कों को पक्का करने का प्रस्ताव है। इससे नागरिकों को असुविधा होगी, लेकिन यह परेशानी कुछ समय के लिए है। उन्होंने कहा कि हम सुनिश्चित करेंगे कि इसके बाद 30 साल तक नई सड़कें बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और ये सड़कें गड्ढे मुक्त रहेंगी। फडणवीस ने कहा कि बार-बार एक ही ठेकेदार को ठेका देने, एक ही सड़क को पूरा करने और सार्वजनिक धन खर्च करने के दुष्चक्र को तोड़ने की जरूरत है।

मुंबई की सड़कों को आरसीसी करने की योजना

बता दें कि हाल ही में, बीएमसी ने मुंबई की 400 किलोमीटर की सड़कों को सीमेंट कंक्रीट में बदलने के लिए फिर से टेंडर जारी किया। इस साल जुलाई में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अगले दो सालों में मुंबई की सभी सड़कों को आरसीसी करने का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद इस योजना की शुरुआत की गई। शिंदे ने कहा था कि यह मुंबई की सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने की दिशा में प्रयास है।

400 फीट गहरे बोरवेल में फंसे बच्चे की मौत

रेस्क्यू टीम ने 84 घंटे बाद बाहर निकाला शव, 39 फीट की गहराई में फंसा था

बैतूल, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बैतूल में बोरवेल में फंसे 6 साल के बच्चे की मौत हो गई। 84 घंटे बाद बच्चे का शव बाहर निकाला गया।

पोस्टमॉर्टम के बाद बैतूल जिला अस्पताल से परिजन तन्मय के शव को लेकर गांव पहुंचे। घर से 15 मिनट बाद अंतिम यात्रा निकली, जिसमें पूरा गांव शरीक हुआ। ताप्ती घाट पर तन्मय को अंतिम विदाई दी। चाचा राजेश साहू ने मुखाग्नि दी।

रेस्क्यू टीम शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात 3 बजे बच्चे के करीब पहुंच गई थी। सुबह 5 बजे तक शव को बाहर निकाला जा सका। 7 बजे बैतूल के जिला अस्पताल में शव को लाया गया। बोर में पानी की वजह से शव गल गया था। 5 डॉक्टरों की टीम ने शव का पीएम किया।

एडीएम श्यामेंद जायसवाल ने बताया कि तन्मय के शरीर को जब निकाला गया, तो वो डीकम्पोज की स्थिति में था। पीएम रिपोर्ट में जो जानकारी मिली है, उसमें चेस्ट कंजेशन (सीने में जकड़न) और पसलियों में चोट सामने आई है। तहसीलदार गांव में परिजन के पास पहुंच चुके हैं। अंतयेष्टि के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी। कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस ने बताया कि बोर 400 फीट गहरा है। बच्चा करीब 39 फीट की गहराई में फंसा था। रेस्क्यू टीम ने बोर के समानांतर 44 फीट गहरा गड्ढा खोदा। इसके बाद 9 फीट की हॉरिजेंटल सुरंग खोदी गई थी। रेस्क्यू ऑपरेशन की निगरानी कर रहे होमगार्ड कमांडेंट एसआर आजमी ने बताया कि बोरवेल में तन्मय 39 फीट पर फंसा हुआ था। बच्चे की नॉर्मल हाइट तीन से चार फीट मानकर हमने 44 फीट तक गड्ढा खोदा है। टनल बनाने में एनडीआरएफ और डीएसआरएफ के 61 जवान लगे थे।

29 के हार्दिक-पायल सबसे युवा

100 करोड़ से ज्यादा संपत्ति वाले पांच विधायकों में चार भाजपा के

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। नई विधानसभा की औसत उम्र 54 साल 4 महीने से ज्यादा है। हार्दिक पटेल और नरोदा से भाजपा के टिकट पर जीतीं पायल कुकरानी नई विधानसभा के सबसे युवा चेहरे हैं। दोनों की उम्र 29 साल है। पायल पूर्व मंत्री माया कोडनानी की बेटी हैं। रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा नई विधानसभा की तीसरी सबसे युवा विधायक होंगी। रिवाबा की उम्र 32 साल है।

इन तीनों के अलावा डेडीआपाडा से आप के टिकट पर जीते 34 साल के चैतर वसावा और गांधीधाम से भाजपा के टिकट पर जीतीं 34 साल की मालती महेश्वरी पांच सबसे युवा विधायकों में शामिल होंगी। यही पांच नव निर्वाचित विधायक ऐसे हैं जिनकी उम्र 35 साल से कम है। 35 से 50 साल उम्र के कुल 44 उम्मीदवार चुनाव जीते हैं। 74 नव निर्वाचित विधायक ऐसे हैं जिनकी उम्र 50 से 60 साल के बीच है। 60 साल और उससे अधिक उम्र के 59 उम्मीदवार चुनाव जीते हैं। इनमें दो की उम्र 75 साल से ज्यादा है। दोनों भाजपा के टिकट पर निर्वाचित हुए हैं। 79 साल के गोविंद परमार सबसे उम्रदराज विधायक होंगे।

38 विधायकों पर चल रहे आपराधिक मामले

नई विधानभा के करीब 21 फीसदी विधायकों पर आपराधिक मामले चल रहे हैं। कुल 38 विधायकों पर मुकदमें चल रहे हैं। पिछली विधानसभा के मुकाबले नई विधानसभा में दागियों की संख्या घटी है। 2017 में जीते विधायकों में 26 फीसदी यानी 47 दागी थे।

पांच सबसे दागी विधायकों में हार्दिक, जिग्नेश और अल्पेश शामिल

दागी विधायकों में सबसे ज्यादा 22 मामले वीरमगाम से भाजपा के टिकट पर जीते हार्दिक पटेल पर चल रहे हैं। हार्दिक के बाद सबसे ज्यादा 10 मामले कांग्रेस के टिकट पर वडगाम से जीते जिग्नेश मेवाणी पर चल रहे हैं। कांग्रेस के टिकट पर पाटन सीट से जीते डॉ. किरीटकुमार पटेल (नौ मामले), आप के टिकट पर डेडिआपाडा से जीते चैतर वसावा (आठ मामले) और भाजपा के टिकट पर गांधीनगर दक्षिण से जीते अल्पेश ठाकोर (छह मामले) सबसे दागी पांच नवनिर्वाचित विधायकों में शामिल हैं।

टीपू सुल्तान द्वारा शुरू की गई 'सलाम आरती' का नाम बदलेगी कर्नाटक बीजेपी

बेंगलुरू, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्य में मैसूर के शासक टीपू सुल्तान द्वारा शुरू की गई रस्म 'सलाम आरती' का नाम बदलने का फैसला किया है। हिंदू धार्मिक संस्थानों और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के तहत आने वाले कर्नाटक धर्मिका परिषद द्वारा की गई सदियों पुरानी रस्म को बदलने की घोषणा से विवाद बढ़ने की संभावना है।
मैसूर के शासक टीपू सुल्तान के समय में 'सलाम आरती' की रस्म शुरू की गई थी। टीपू ने मैसूर राज्य के कल्याण के लिए अपनी ओर से पूजा कराई थी। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में उनकी मृत्यु के बाद भी, राज्य भर के विभिन्न हिंदू मंदिरों में अनुष्ठान जारी है। परिषद के सदस्य काशेकोडी सूर्यनारायण भट ने कहा कि पहले राज्य प्रशासन के कल्याण के लिए अनुष्ठान किया जाता था, अब यह लोगों के कल्याण के लिए होगा। अब, अनुष्ठान को 'नमस्कार' नाम दिया जाएगा। तत्कालीन मैसूर साम्राज्य के पुत्तूर, सुब्रमण्य, कोल्लूर, मेलकोट और अन्य के प्रसिद्ध मंदिरों में अनुष्ठान आयोजित किया गया था।

हिंदू संगठनों के अनुसार, 'सलाम आरती' गुलामी का प्रतीक है। उन्होंने अनुष्ठान को समाप्त करने की मांग की। हालांकि, बुद्धिजीवियों का दावा है कि परंपरा हिंदुओं और मुसलमानों के बीच बंधन और सद्भाव को दर्शाती है और इसे महान परंपरा के रूप में जारी रखा जाना चाहिए।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए काटे जाएंगे 22,000 मैंग्रोव पेड़

बॉम्बे हाई कोर्ट ने इजाजत दी, पांच गुना पेड़ लगाने भी होंगे

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन की एक अड़चन शुक्रवार को दूर हो गई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 21,997 मैंग्रोव पेड़ों को शर्त के साथ काटने की अनुमति दी है। कोर्ट ने कहा कि पर्यावरण में इस नुकसान की भरपाई के लिए पांच गुना पेड़ लगाने होंगे। कोर्ट ने जिन पेड़ों को काटने की अनुमति दी है, वे ठाणे और पालघर जिले में हैं। बुलेट ट्रेन का ट्रैक बना रही नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने इन पेड़ों को काटने के लिए हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की थी। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस अभय आहूजा की बेंच कर रही थी।

कोर्ट ने कहा था-कटने वाले पेड़ों की संख्या कम करिए

कोर्ट ने कहा कि कंपनी को मैंग्रोव पेड़ों की कटाई करते समय केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ महाराष्ट्र तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण की शर्तों का पालन करना होगा। इससे पहले कोर्ट ने एनएचएसआरसीएल को काटे जाने वाले मैंग्रोव पेड़ों की संख्या कम करने का आदेश दिया था। इस पर एनएचएसआरसीएल की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि पहले 53 हजार से ज्यादा पेड़ काटे जाने थे, अब उनकी संख्या कम करके 21,997 कर दी गई है।
बॉम्बे एन्वायर्नमेंटल एक्शन ग्रुप नाम के एक एनजीओ ने एनएचएसआरसीएल की याचिका का विरोध किया था। उसने कोर्ट में कहा कि जो पेड़ लगाए जाएंगे उसने कितने जीवित रहेंगे इसको लेकर कोर्ट स्टडी नहीं हुई है। वहीं, मैंग्रोव पेड़ों की कटाई से पर्यावरण पर असर की आकलन रिपोर्ट भी कोर्ट में नहीं दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने मैंग्रोव पेड़ काटने पर बैन लगाया

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2018 के एक आदेश में महाराष्ट्र में मैंग्रोव पेड़ों की कटाई पर रोक लगा दी थी। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा था कि अगर ये पेड़ जनहित में काटे जाते हैं तो कोर्ट से अनुमति लेनी होगी। इसके बाद 2020 में एनएचएसआरसीएल ने बॉम्बे हाई कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर इन पेड़ों को काटने की अनुमति मांगी थी। उसने यह भी कहा कि जितने पेड़ काटे जाएंगे उससे पांच गुना पेड़ लगाए जाएंगे।

बुलेट ट्रेन प्रॉजेक्ट के बारे में जान लीजिए

मुंबई और अहमदाबाद के बीच देश का यह पहला बुलेट ट्रेन प्रॉजेक्ट 508.17 किमी लंबा होगा। इसमें 21 किलोमीटर अंडरग्राउंड लाइन होगी। बुलेट ट्रेन का ट्रैक महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे और पालघर से होते हुए गुजरात में वलसाड, नवसारी, सूरत, भरूच, वड़ोदरा, आनंद, खेड़ा और अहमदाबाद होकर गुजरेगा। इस पर चलने वाली बुलेट ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से दौड़ेगी। बुलेट ट्रेन आने से मुंबई-अहमदाबाद का सफर 6:30 घंटे से घटकर 2:30 घंटे हो जाएगा।

अजन्मे बच्चे को गोद लेना कानून के लिए अज्ञात, कर्नाटक हाईकोर्ट ने की अहम टिप्पणी

बेंगलुरु, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एक मामले में सुनवाई करते हुए टिप्पणी करते हुए कहा कि अजन्मे बच्चे को गोद लेने का समझौता कानून के लिए अज्ञात है। न्यायमूर्ति बी वीरप्पा और न्यायमूर्ति के एस हेमलेखा की खंडपीठ ने यह टिप्पणी करते हुए दो साल, नौ महीने की एक बच्ची के माता-पिता की ओर से संयुक्त रूप से दायर याचिका खारिज कर दिया।

मिली जानकारी के मुताबिक, बच्ची के जैविक माता-पिता हिंदू हैं वहीं, उसके दत्तक माता-पिता मुस्लिम हैं। दरअसल, बच्ची के जैविक माता-पिता और दत्तक माता-पिता ने उडुपी जिला अदालत के समक्ष एक याचिका दायर की थी जिससे कि मुस्लिम दंपति को उस बच्ची का दत्तक माता-पिता और अभिभावक घोषित किया जा सके। जिसे उन्होंने गोद लिया था। निचली अदालत ने बच्ची के जैविक माता-पिता और दत्तक माता-पिता की अर्जी को खारिज कर दिया था। इसके बाद वे हाईकोर्ट पहुंचे। इस मामले में हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति बी वीरप्पा और न्यायमूर्ति के एस हेमलेखा की खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि समझौते की तारीख के अनुसार, बच्ची अपीलकर्ता संख्या 4 के गर्भ में था और बच्चे का जन्म 26-3-2020 को हुआ था, यानी पार्टियों के बीच समझौते के पांच दिनों के बाद। इस तरह, दोनों पक्षों ने एक अजन्मे बच्चे के संबंध में समझौता किया। ऐसा समझौता कानून के लिए अज्ञात है। जबकि जैविक माता-पिता हिंदू हैं, बच्ची के दत्तक माता-पिता मुस्लिम हैं। अदालत ने इस मामले को खारिज कर दिया। मिली जानकारी के मुताबिक, बच्ची के जैविक माता-पिता गरीबी के कारण बच्चे की देखभाल करने में असमर्थ थे और उसके दत्तक माता-पिता मुस्लिम दंपति निःसंतान थे इसलिए उन्होंने समझौता किया था। समझौते में यह भी कहा गया है कि दोनों पक्षों के बीच गोद लेने के लिए पैसे का आदान-प्रदान नहीं किया गया था। ट्रायल कोर्ट में सुनवाई के दौरान अदालत ने उनकी याचिका को इस आधार पर खारिज कर दिया था कि इस समझौते से कही से भी यह साफ नहीं होता कि बच्चे का कल्याण होगा।

रोड एक्सीडेंट में बच्चे समेत 2 की मौत

हिसार, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार जिले में 2 अलग अलग सड़क हादसों में रिटायर्ड कर्मचारी और 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। पहला मामला हिसार के नजदीक गांव मिर्जापुर का हैं, जहां बच्चा अपने ताऊ के साथ शादी मे जा रहा था। दूसरा एक्सीडेंट बरवाला के गांव खरक पूनिया के पास हुआ, जहां बोलेरो गाड़ी ने बाइक सवार सिंचाई विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी को टक्कर मार दी। पुलिस ने परिजनों के बयान पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

दिल्ली में उठा भोपाल गैस त्रासदी के कचरे का मुद्दा

एनएचआरसी अध्यक्ष बोले-खतरनाक कचरा अभी भी पड़ा; ये लोगों के अधिकार का 'सीधा दुरुपयोग'

भोपाल, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री की जमीन में दफन कई टन जहरीले कचरे का मुद्दा एक बार फिर दिल्ली में उठा है। शनिवार को दिल्ली में हुए मानवाधिकार दिवस कार्यक्रम में इस मुद्दे पर बात की गई। एनएचआरसी (राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अरुण कुमार मिश्रा ने कहा कि भोपाल गैस त्रासदी के स्थल पर कई टन खतरनाक और जहरीला कचरा पड़ा हुआ है। इसके खात्मे में हो रही देरी से भूजल और मिट्टी दूषित होती है, जो स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के अधिकार का 'सीधा दुरुपयोग' है। भोपाल गैस त्रासदी ठीक 37 साल पहले हुई थी। 2-3 दिसंबर 1984 की वो रात, जब यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री के एक टैंक से मिथाइल आइसोसाइनेट गैस रिस गई। चारों ओर भगदड़ मच गई। फैक्ट्री के आसपास के इलाके में लाशें बिछ गईं। चारों ओर लाशें ही लाशें थीं, जिन्हें ढोने के लिए गाड़ियां कम पड़ गईं। चीखें इतनी कि लोगों को आपस में बातें करना मुश्किल हो रहा था। हजारों मौतें हुईं और अब भी लोग कई बीमारियों से पीड़ित हैं। मुआवजे के मुद्दे पर भोपाल से लेकर दिल्ली तक प्रदर्शन हो रहा है। उधर, फैक्टरी में दफन कई टन जहरीले कचरे के खात्मे को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। इसे लेकर मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष ने सवाल उठाए हैं।

जिम्मेदारियां तय की जाना चाहिए

कार्यक्रम में अध्यक्ष मिश्रा ने कहा कि वैश्वीकरण का एक परिणाम बहुराष्ट्रीय कंपनियों और कुछ देशों में धन का संकेंद्रण है। एनएचआरसी प्रमुख ने जोर देकर कहा कि औद्योगिक आपदाओं के कारण होने वाली आपदाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय उद्यमों की जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से परिभाषित किया जाना चाहिए। उन्होंने भोपाल गैस त्रासदी का हवाला दिया, जो 1984 में भोपाल में एक वैश्विक कंपनी के संयंत्र में हुई थी। जिसे दुनिया की सबसे खराब औद्योगिक आपदाओं में से एक माना जाता है। त्रासदी के बाद बहुराष्ट्रीय कंपनी यूनियन कार्बाइड को वैश्विक आलोचना का सामना करना पड़ा था। अध्यक्ष मिश्रा ने कहा कि लगभग 336 टन खतरनाक कचरा अभी भी परिसर में पड़ा हुआ है। एक बहुराष्ट्रीय कंपनी द्वारा इस तरह के खतरनाक कचरे के निपटान में देरी से भूजल और मिट्टी दूषित होती है। यह बचे लोगों और क्षेत्र के निवासियों के स्वास्थ्य के अधिकार का सीधा दुरुपयोग है।

बच्चों के खिलाफ अपराधों पर स्मृति ईरानी ने जताई चिंता

तेजी से समाधान के लिए जजों से मांगे सुझाव

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट पहले ही बच्चों के खिलाफ होने वाले यौन अपराधों पर चिंता जाहिर कर चुका है। वहीं अब महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) मामले को निपटाने में औसत समय 509 दिनों का लगता है। साथ ही उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ होने वाले अपराधों में लेकर समाधान के लिए न्यायाधीशों से सुझाव मांगे गए हैं ताकि मामलों को तेजी से निपटाने के लिए से एक ढांचा तैयार हो। शनिवार को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण पर राष्ट्रीय हितधारक परामर्श के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, स्मृति ईरानी ने कहा कि हर सजा के लिए, तीन निर्दोष हैं और सभी पॉक्सो मामलों में से 56 प्रतिशत यौन उत्पीड़न के अपराधों से संबंधित हैं। पॉक्सो अधिनियम 2012 का उद्देश्य बच्चों को यौन उत्पीड़न, यौन उत्पीड़न और अश्लील साहित्य के अपराधों से बचाना है और ऐसे अपराधों के परीक्षण के लिए विशेष अदालतों की स्थापना का प्रावधान है। मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि पॉक्सो मामले के निस्तारण में औसतन 509 दिन लगते हैं। साथ ही कहा कि माननीय न्यायाधीशों से मेरा अनुरोध है कि क्या आप हमें ढांचागत रूप से बता सकते हैं कि मंत्रालय द्वारा और क्या किया जा सकता है।

रोग औषधियों की वैज्ञानिक : डॉ. असीमा चटर्जी

अतुल कुमार

आज हम विज्ञान पर आश्रित हैं । आये दिन हो रहे वैज्ञानिक आविष्कारों ने साइंस को मज़बूत बना लोकोपयोगी बनाया । कलम से ले लैपटाप तक पूरा जीवन विज्ञानमय होता गया । पीछे मुड देखें तो पाते हैं कि साइंस ने कितनी तेज़ी से प्रगति की । हमारे लिये मशीनरी बहुत कुछ करती है इतने आधुनिक हम कैसे हो गये ? सब विज्ञान की प्रगति के कारण संभव हुआ । ज़िंदगी की रफ्तार ने दुनिया को ग्लोबल विलेज में बदला इससे पूरी सोसायटी का रूप स्वरूप बहुरूप में बदला । एक दौर वह भी था जब लोग साइकल पर यात्रा करते लेकिन मोटर साइकल ,मेट्रो ,कार और वायुयान आदि ने लाइफ को स्पीड दे उसे चेंज किया। अतः वर्तमान युग को विज्ञान का युग कहते हैं कई चमत्कारिक आविष्कार हुए जिसकी कल्पना नहीं की गयी कहा भी गया कि "विज्ञान सरलता से अपनी श्रेष्ठता का परिचय देता है " वैसा हो रहा है कोरोना महामारी में बचाव के लिये जिस बेसब्री से टीके का इंतज़ार हुआ वह विकसित विज्ञान का अच्छा उदाहरण है ।टीके ने बडी राहत दी जो विज्ञान के जय की श्रेष्ठ मिसाल है ।इस समूचे परिदृश्य का एक परेशान करने वाला पहलू है यह है कि हम वैज्ञानिकों को वह सम्मान नहीं देते जिसके वह हकदार हैं !

किसी भी आविष्कार के पीछे वैज्ञानिक होते हैं जो हालातों से जूझ उस पर विजय पाते हैं जिससे जनमानस लाभांवित होता है । लाभ लेने के बाद क्या कभी कोई यह पता भी करने की कोशिश करता है कि इसे किसने ईजाद किया । कभी नहीं ।ऐसा क्यों ? विज्ञान दिवस तो मनता है लेकिन वैज्ञानिक अपरिचित रहते हैं । अन्य क्षेत्रों की तरह यह भी मेल डामिनेटेड रहा। सारी चुनौतियों को जान इस ट्रेंड को प्रसिद्ध साइंटिस्ट डा असीमा चटर्जी ने तोडा ।वह सफल आर्गेनिक केमिस्ट होने के साथ देश की पहली महिला साइंटिस्ट थीं जिन्होंने डाक्टरेट आफ साइंस की उपाधि पायी और कई सफलताओं को अपने नाम लिखा ।

डा असीमा ने वेनेका अलकोडिश को शोध के लिये चुना और कई गंभीर बीमारियों में इसके इस्तेमाल को साबित किया यह शरीर की नसों में फैल कैंसर जैसे भयानक रोग के फैलने की गति पर अंकुश लगाता है ।वह भारतीय जैविक रसायन शास्त्री थीं जिन्होंने कार्बनिक रसायन और फाइटो मेडिसन के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किये उनके योगदान को इसी से समझा जा सकता है कि मिरगी और मलेरिया जैसे रोगों की रोकथाम की दवाओं का आविष्कार कर बहुत बडा कार्य किया ।जानकारों के अनुसार कीमोथेरेपी में भी उनकी ईजाद की गयी दवाइयों का उपयोग होता है । कई रोगों की रासायनिक जांच की शुरुआत भी उन्होंने की चिकित्सा में रूढी वादी सोच को तोड उसका रिश्ता विज्ञान और वैज्ञानिक तौर तरीको से जोडा । जटिल रोगों के उन्मूलन के लिये उस समय लडा करतीं जब विज्ञान की परिस्थिति यांत्रिक रूप से आज की तरह नहीं थी ।रिसर्च , एक्स्पेरिमेंट और इंवेंशन के बूते सिंथेटिक मार्गों को तैयार किया औषधीय पौधों पर बहुत बारीकी से काम किया। चालीस वर्षों तक भिन्न भिन्न क्षारीय यौगिकों पर शोध किया ।औषधीय पौधों की खोज में दूर दूर भटक उसके औषधीय तत्वों से दवाइयों को खोज निकाला ।400 से अधिक शोध से संबंधित आलेख लिखे जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए । केमेस्ट्री में अपने कार्यों के लिये काफी प्रसिद्ध रहीं उनकी खोजों से वनस्पतियों की महत्ता बडी। मिरगी और मलेरिया के ट्रीट्मेंट में आज भी उनके ईजाद किये नुस्खों को दवा कंपनियां बेच रही हैं ।जो इनसे पीडीत मरीज़ों को राहत दे रहे है ।इस महिला वैज्ञानिक ने सभी बेडियों को तोड दुनिया को दिखाया कि मेहनत और लगन रास्ते की हर बाधा को दूर करते है ।साइंटिस्ट असीमा चटर्जी ने अपने आविष्कारों से यह सिद्ध किया । प्रसिद्ध उक्ति है " आप पुरुष को शिक्षित करते हैं तो आप पुरुष को ही शिक्षित करते हैं ।आप महिला को शिक्षित करते हैं तो आप एक पीढी को शिक्षित करते हैं " महान वैज्ञानिक असीमा चटर्जी के ऐतिहासिक योगदानों से यह उक्ति साकार होती है । 23

सितंबर 1917 को बंगाल में जन्मी इस मेधावी छात्रा ने कोलकाता से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी कर कोलकाता विश्वविद्यालय से केमेस्ट्री में ग्रैजुएशन किया आरंभ से ही रसायन शास्त्र में रुचि रख उसे जन उपयोगी बनाने का संक्ल्प ले इस सब्जेक्ट में नयी नयी खोजों को माध्यम बनाया और कडी मेहनत करने लगीं ।मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मी इस साइंटिस्ट ने कहा भी कि विज्ञान में जीवन संरक्षक होने के अनेक गुण विद्यमान हैं । जिन दिनों स्कूल में पढा करतीं तब लोगों के लिये वह हैरत की बात थी क्यों कि उस समय लडकियों को घर की दहलीज़ के बाहर पैर निकालने की मनाही होती । विज़नरी अप्रोच को लक्ष्य बना विज्ञान जगत में अनूठा योगदान दिया ।उनके प्रशिक्षकों में महान रसानज्ञ प्रफुल्ल चंद्र राय और वैज्ञानिक सत्येंद्र नाथ बोस थे ।विज्ञान के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार से सन 1961 में अपनी ऐतिहासिक उपलब्धियों से सम्मानित होने वाली पहली महिला वैज्ञानिक बनीं । कालेज में केमेस्ट्री में ग्रैजुएशन और पोस्ट ग्रैजुएशन करने वाली एक मात्र छात्रा थीं ।कई वर्षों तक अध्यापन से जुड विद्यार्थियों को रसायन शास्त्र पढाया ।उनकी धारणानुसार रसायन विज्ञान से मनुष्य का जितना फायदा हो सकता है वह नहीं लिया गया ।इस दिशा में जन जागृति को बढाया । सदैव रिसर्च के माध्यम से रोगों के इलाज के वास्ते औषधियों को खोजने को जीवन का उद्देश्य बनाया ।जोडों में होने वाली ऐंठन की दवा खोजने का श्रेय भी उन्हीं को है । विज्ञान की खोजों को नये आयाम और उंचाइयां दे युवा वर्ग को वैज्ञानिक अनुसंधानों से जुडने के लिये प्रेरित किया । शास्त्रीय गायन से जुडी थीं इसे गाने का प्रशिक्षण भी लिया ।भारतीय संगीत को सबसे बडी शक्ति मानतीं ।बंगाल म्यूसिक कंपीटीशन में पुरस्कार जीता। पहली बार जब मिरग़ी की दवा खोजने में सफल हुईं तो खुश हो दौड कर अपने माता पिता के चरण स्पर्श किये। दुनिया में उनकी यह उपलब्धि किसी भी बडी उपलब्धि से बडी है क्यों कि इससे वह मानव जाति का भला कर गयीं ।मलेरिया को आज भले ही कामन रोगों में माना जाता हो क्योंकि इसकी औषधि उपलब्ध है जिसका क्रेडिट उन्हीं की अनुसंधानीय मेधा को है । भारत सरकार द्वारा उन्हें सन 1975 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया ।22 नवंबर 2006 को इस महान वैज्ञानिक ने इस संसार को अलविदा कहा ।

अपने ऐतिहासिक अनुसंधानों के माध्यम से औषधीय पौधों के प्रति दुनिया की आंखें भी खोलीं ।अतः उनको " रोग औषधियों की वैज्ञानिक" कहना उचित होगा ।

मोरबी : एक श्रद्धांजलि

श्रवण गर्ग

नहीं जाना चाहते बच्चे अब पुल पर
किसी भी पुल पर नहीं
झूलने वाले पर तो बिलकुल नहीं
अच्छा लगता था
बच्चों को झूलना पुल पर
डरते हैं बच्चे खड़े
होने से भी अब पुल पर
नहीं सह सकता पुल भार उनका
माँ की गोद,
पिता के कंधों की तरह
प्रतीक्षा करना चाहते हैं बच्चे अब
अपने बड़े होने तक की
बनाने के लिए अपने ही पुल
पार पाने के लिए अपनी लंकाएँ
लांघने के लिए नदियाँ, समुद्र !
जान गए हैं बच्चे !
टूट सकते हैं पुल कभी भी
छुट्टी के दिन भी !
था ज़रूरी पुल का बने रहना
कम से कम उस छुट्टी के दौरान
पर ऐसा होता नहीं
ज़ोर नहीं चलता बच्चों का
'ईश्वर की मर्जी पर
फ़र्क़ नहीं करता पुल
'ईश्वर की मर्ज़ी'
और अपने टूटने में!
शोर नहीं मचाते
बच्चे चीखते भी नहीं
गिरता है पुल जब
टूटकर नदी में
पहाड़ों को लांघने वाले बच्चे
पलक झपकते बन जाते हैं नदी
टूट जाते हैं कंधे पिताओं के
भार से बच्चों के !
नहीं होतीं छुट्टी अब स्कूल में
छुट्टी के दिन भी नहीं
हटाया जाता है पुल सबसे पहले
अपनी जगह से
बच्चों के वहाँ पहुँचने से पहले
पर तब सूख जाती है नदी
बच्चों की आहट सुन कर
बच्चे झूलते हैं अब भी पुल पर,
सिर्फ़ बुरे सपनों में
डर जाते हैं खुलते ही आँख
सो नहीं पाते फिर पूरी रात
जाने तक स्कूल सुबह !
डरने लगे हैं बच्चे
अब नदी से भी !
छोड़ दिया है कहना बच्चों ने
'प' से पुल और 'न' से नदी !
रटते रहते हैं बस दिन-रात
'प' पिता और 'म' से माँ!

काव्य कुंज

चिंतन

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

सब अकेले आते हैं
अकेले ही चले जाते हैं
अपनी ही दुनिया में बड़े होते हैं
मिलते हैं प्यार बढ़ाते हैं
विचारों के द्वंद में भी इकट्ठे रहते हैं
अपने अपने अहंकार पालते हैं
फिर जुदा हो जाते हैं सब अकेले आते हैं
यहां दौड़ ही दौड़ है
आगे बढ़ जाने की होड़ है
आगे वाले को धक्का देते हैं
आप आगे बढ़ जाते हैं यहां सब अकेले आते हैं
या रिश्ते नाते प्यार बढ़ाते हैं
फिर भाई भतीजावाद उलझ जाते हैं
अपनी मित्रता अपना बचपन
वह प्यार सब पीछे छोड़ आते हैं
अब प्यार लेन-देन हो गया है
यहां सब अकेले आते हैं
बड़ा घर बड़ी नौकरी बड़ा काम
दूसरों की नजर में बड़ा मका म
हम वह ना भी हो दिखाने का ढोंग करते हैं
बड़ी-बड़ी डिंग बड़े बड़े बोल बोलते हैं
वास्तविकता से दूर अपना अपना रंग बदलते हैं
यहां सब अकेले आते हैं
आजीवन कितना सत्य पर आधारित है
कहना बहुत मुश्किल है यहां ढोंग क्यों करते हैं
सब कुछ यहीं रह जाता है लोग धन वैभव यश अहंकार
सब जानते हैं जो यहां रह जाता है
यहां सब अकेले आते हैं जो सत्य सनातन है
जो साथ जाएगा शरीर में बैठी आत्मा
जिससे हम जीवित हैं हम उसे भूल जाते हैं
हम सब अकेले आते है हम सब अकेले आते हैं

इंसानियत

डॉ. डी. डी. देसाई

अनगीनात लाशें चलती हैं सड़कों पर
लहूलुहान जिंदगीयाँ करवाटें बदल रही हैं।
लशों के ढेर हटाकर देख रहा हुँ,
कहीं इंसानियत दम तोड़ रही हैं.।
कोई जिए या मरे किसीको नहीं पड़ी हैं।
सब को बसअपनी ही पड़ी हैं।
किसी का घर जला, कहीं खलिहान राख़ हुए हैं।
गरीबों के सपने, अमीरों के वादे खाक हुए हैं।
फिर भी पाखंडियों कि रफ़्तार तेज हैं और
फुटपाथ पर सच्चाई नसीब चमका रही हैं।
मुनाफाखोरों की चिमनीयां सोना उगल रही हैं
तो कहीं लहूलुहान इंसानियत दम तोड़ रही हैं।
वृद्धाश्रम भरे हैं... और घरौंदे खाली पड़े हैं।
हादसों की शिकार शर्मसार हो रही बहने सड़कों पर,
और भाईयों की कलाईयाँ सुनी पड़ी हैं।
जाग जा रे इंसान.. सुधर जा.. संभल जा जरा..
पैसों के ठेले पर इंसानियत गिरवी पड़ी हैं।

आओ दोस्ती का जश्न मनाएं

संजीव ठाकुर, रायपुर

थोड़ा तुम मुस्कुराओ
थोड़ा हम मुस्कुराए,
आओ मिल जाओ कहीं
सड़कों पर, चौराहों पर फिर
मिलकर सब खिल खिलाएं,
मीठे खट्टे पुराने अनुभवों
को लेकर रंग बिरंगे फूलों
से इस जीवन के उपवन
को फिर से सजाएं, कुछ तुम अपनी सुनाओ
कुछ हम अपनी सुनाए, पीठ में कुछ धौल जमाओ,
तुम्हारे कानों के नीचे हम चपत लगाएं,
बचपन की मीठी गालियां तुम सुनाओ
कुछ कुछ हम सुनाएं, चलो फिर साइकिल से
लंबी लंबी रेस लगाएं, कंचे और गुल्ली डंडे
का फिर वही खेल सजाएं, मैं तुम्हारी मास्टर जी से
तुम मेरे पिताजी से चुगलियों और शिकायतों का
दौर चलाएं,थोड़ा तुम मुस्कुराओ
थोड़ा हम मुस्कुराए आओ सब हम मिलकर
जोर-जोर से खेल खिलाएं,
इस तरह दोस्ती मैं मौज मनाएं।
कितने बरस हो गए हैं दोस्त
तुमसे मिले, गले लगे,अब तो तरस गई है आंखें
एक दूसरे को देखने और
गल बहियाँ डालने, आ जाओ मेरे दोस्त,
थोड़ा तुम मुस्कुराओ थोड़ा हम मुस्कुराए
खुलकर हंसकर खिलखिला कर
दोस्ती का जश्न मनाए।

क्या खोया

रेणुका अग्रवाल

क्या क्या पूछो न यार खोया है ।
हमने बस बे शुमार खोया है ।
बात सच्ची भी उसकी है झूठी
जिसने भी एतबार खोया है।
तब कहीं इश्क़ की हुई मेराज
जब सुकूनो क़रार खोया है।
हमने हाँ एक शख्स को पाकर
देखिये उसे ही बार बार खोया है।
उसको क्या कहिये आप ही कहिये
जिसने अपना वक़ार खोया है।
ज़रूरतें है जो सम्भाली नहीं जाती
हासिल करने चैन ओ क़रार खोया है।
किसे दोष देंगे ख़्वाहिशें अपनी है
दिल का सुकून हरबार खोया है।
तमन्नाओं को ज़ब्त करने की कोशिश में
अरमानों का अम्बार खोया है।
फ़ितरतें कभी बदलती नहीं किसी की
अपना ही अपनों में शुमार खोया है।
खुदका घर बसाने की ख़ातिर बेटे ने
रेणू पुरखों का गाँव औ मयार खोया है।

मूक मैं...

मनिका पंडा

मूक मैं,
देख रही गलते लोहे से मूर्तिमान आकार
धकेल दिया पीछे से उस अस्तित्व को
जो बिखर पड़ा था अंधेरी गर्त में
हैरान होता देख, उस रूप को
भयाक्रांत, निर्निमेष, नीरवता की बौछार..
कौंधती है बार-बार..।
मूक मैं..,
ख्यालों की कश्ती ढूंढ रही किनारा
द्वविधा में पड़ा कराह ले रहा बेचेरा
घूम रही है इर्द गिर्द कंही
करती कारण का इंतेज़ार
निरुपाय हो कर गिनती साँसे
समय से इसका गहरा प्यार
भयाक्रांत, निर्निमेष, नीरवता की बौछार..
कौंधती है बार-बार..।
मूक मैं..,
थर-थर कांप कर थम गया बदन
दर-दर भटक कर ढूंढे वो घर
कभी दुःख हरता, कभी दुखराई
कभी आनंद कभी अत्याचार
कभी आसमा में फ़ैली बूंदे,कभी जलते उछलते अंगार
भयाक्रांत, निर्निमेष, नीरवता की बौछार
कौंधती है बार-बार
मौत से है जीवन का मूल,
मौत से चलती संसार
कौंधती है बार-बार..।

सर्दी तुम क्यों आई ?

कुमुद बाला, हैदराबाद

ना ही है सोने को बिस्तर - चादर,
ओढ़ने को भी नहीं रजाई
आखिर क्या सोचा तुमने
तूफानी सर्दी ,मेरे घर क्यों आई?
मैं धरती पुत्र , हल जोतता और एक गरीब किसान हूँ
मिटटी ही मेरा सर्वस्व और मैं मिट्टी की पहचान हूँ
खेत में अन्न उगाता , मेहनत करता, एक गृहस्थ इंसान हूँ
बच्चों के भविष्य के स्वप्न देखता ,मैं उनका नया बिहान हूँ
समय कहाँ जो पूछें हाल क्या घर में मेरे जो मिलने हो आई
आखिर क्या सोचा तुमने तूफानी सर्दी , मेरे घर क्यों आई?
बोरसी में अलाव जलाकर , सारी रात मैं दुबका रहता हूँ
भोर हुई तो सुन चिड़िया का संगीत , खेत निकल पड़ता हूँ
सपने बहुत,मेहनत बहुत,सबकोशिक्षा का महत्व समझाता हूँ
मैं कहलाता अनपढ़ सही पर , गणित सरल बतलाता हूँ
घर मेरे आदर सत्कार को,दाल-रोटी छोड़ कुछ नहीं है माई
आखिर क्या सोचा तुमने तूफानी सर्दी , मेरे घर क्यों आई?
अंधकार में लड़ तूफानों से नन्हाँ , आशा का दीप जलाता हूँ
पिता हूँ अपनी फसलों का उनपर , जान न्यौछावर करता हूँ
छोटी सी है मेरी दुनिया और छोटा ही भविष्य का सूरज है
जो भरपेट मिल जाये जितना बस संतोष पथिक कर चलता हूँ
जीवन संगिनी का सम्मान है दिल में और चाहूँ मैं कुछ न भाई
आखिर क्या सोचा तुमने तूफानी सर्दी , मेरे घर क्यों आई ?
मेरे बच्चे भी हाथों में सूरज ले कर , आगे बढ़ना चाहते हैं
भ्रष्टाचार की भूलभुलैया से निकल , आगे बढ़ना चाहते हैं
डॉक्टर-इंजीनियर का स्वप्न लिए, गरीबी को जीतना चाहते हैं
विश्वास का पक्का दामन थाम , इस दुनिया में जीना चाहते हैं
हो पैसों की मारामारी जिस घर में , क्यों उस घर आस जगाई
आखिर क्या सोचा तुमने तूफानी सर्दी, मेरे घर क्यों आई ?

देर गई कल रात

रमेश गायकवाड
रागा, हैदराबाद

देर गई कल रात दोस्त !
आप अपना सुनाए,
मैं अपना सुनाया
किये याद बीते दिनों के कुछ ऐसे भी
किस्से सामने आए आंखें नाम हो गई
फिर आंसू भर भाष्प में
परिवर्तित हो गई
देर गई कल रात दोस्त !
आप अपना सुनाए मैं अपना सुनाया
बहुत खूब यादें बसी हैं मस्तिष्क के पटल में
आज भी सुरक्षित है बचपन से आज तक
जीवन के टेढ़े-मेढ़े रास्तों में चलकर
कुछ सीखने को मिला बहुत लंबा सफर
कितने ही मिल के पत्थर जीवन के अनुभव में
देर गई कल रात दोस्त !
आप अपना सुनाए मैं अपना सुनाया
यादों के कगार पर बहुत कुछ सीने में उतारे
घूंट घूंट में दर्द था तड़प थी
दिल पसीज पसीज कर रोने भी लगा
आज भी विकल्प पीछा नहीं छोड़ रहा
देर गई कल रातदोस्त !
आप अपना सुनाएमैं अपना सुनाया
भूत से वर्तमान और
वर्तमान से भविष्य की
बदलती समय की राह में
कैसे-कैसे कदम उठाती है जिंदगी
चंद सपनों को मुट्ठी में लिए
खुशियों की चार बूंद बरसाने
कैसे-कैसे संघर्ष करना है
कैसे-कैसे रिश्तो को बचाना है
अपने लिए, अपनों के लिए
कैसे जीना है, कैसे गुजरना है
फिर नयी उमंग नयी आशाओं के साथ
देर गई कल रात
दोस्त ! आप अपना सुनाए मैं अपना सुनाया ।।

गलत

डॉ टी महादेव राव

आवाज़ उठाने की हिम्मत
सच बोलने का माद्दा
आसमान को उठते हाथ
उसकी जुबान चिल्लाई
सब गलत
चापलूसों ने काट डाले हाथ
उसका हौसला टूटा नहीं
सीने के अंदर से गूंजी गर्जना
सब गलत
उसकी प्रतिध्वनि
पास की पहाड़ियों से गूंज कर लौटी
कई आवाज़ें बनकर
अन्यायियों ने उसकी फोड़ दी आंखें
वह रुका नहीं फिर चिल्लाया गलत
और वादियों से गूंज के साथ
लौटी कई जुबानें वही आवाज लिए
सिपहसालारों ने काट डाली
उसकी जुबान देखा लोगों ने पीछे
बड़ी भीड़ गलत कहते कहते
उमड़ पड़ी और लोगों ने देखा कटे हाथों
फोड़ी गई आंखों और कटी जुबान से
कई हजारों जुबानें
उग आईं और चिल्लाने लगीं
गलत गलत गलत ।

मुस्कुराहट

सविता राज,
मुजफ्फरपुर बिहार

मुस्कुराहट चेहरे की, खोने न पाए।
दर्द हो कोई भी, नयन रोने न पाए।।
रब की नेमत है,
मुस्कुराहट लबों की।
यूं ही खुश रहो,
जरूरत क्या है वजहों की।।
तुम चाभी भरा खिलौना नहीं, कि जो चाहे रुला दे।
मुस्कुराते रहो हमेशा,गमों को भुला दे।।
रब का दामन थाम के रखो, हर परिस्थिति में।
फिर वो मुस्कुराना सिखला ही देगा, हर स्थिति में।।
जिंदगी खूबसूरत है,मुस्कुरा कर जियो हमेशा।
परे करो वजहें दर्द की,मुस्कुराहट लबों पर रखो हमेशा।।

सभ्य वैचारिकता...

दर्शन सिंह
हैदराबाद

हार्दिक इच्छा,
हर चेहरे पर मुस्कान बरकरार रहे
तूफ़ानों का झंझावत,
दीप्त विहान बरकरार रहे
चार दिन की चांदनी
फ़िर अंधेरी रात मान्यवर
ले हाथ में हाथ,हसें हसाएं, मधुमास बरकरार रहे
जो आया सो चलसी सब कोई आई वारियो
सर्वे भवंतु सुखिनः,सुनहरी प्रभात बरकरार रहे
कोई सुलह करा दे जिंदगी की उलझनों से
बड़ी तलब मुस्कराने की,भिनसार बरकरार रहे
जहां में कुछ सवाल जिंदगी ने ऐसे छोड़े हैं
जवाब तो खामोशी, लेकिन उजास बरकरार रहे
कभी फुर्सत से अपनी कमियों पर गौर करना
आइना की ख्वाहिशें.., मृदहास बरकरार रहे
जग रचना सब झूठ है जान लियो रे मीत
आत्मवत सर्व भूतेषु, हर्षोल्लास बरकरार रहे
अल्लाह ईश्वर नूर उपाया कुदरत के सब बंदे
परहित सरस धर्म नहीं.., मृदभाव बरकरार रहे
उन्नति पूरी है तबहीं जब घर उन्नति होय
चिंतन मनन,उल्लासित इतिहास बरकरार रहे
अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम
सभ्य वैचारिकता,आह्लादित बयार बरकरार रहे।।

बाबुल

टी तारासिंह
हैदराबाद

इस घर में तेरा बचपन गुजरा
उस घर में प्यार ममता बसी है
लिडर बनके खेलती थी
भाई बहना के साथ
तेरे इतरा के नाचने
से सब खुश होते
सावन बिता
बचपन बिता आई जवानी
तुने मेहंदी सजाई हाथों पे घर में शहनाई बजे
दुल्हन बनी प्यारी प्यारी सांवरिया की
शादी की हरी चुड़ियाँ लाल जोडा पहन कर
घर की दहलीज पार कर डोली में बैठी
तब से बाबुल के नयना बरस रहे
तू गई ससुराल साजन के साथ
तेरे भाई बहना रोज करते याद
पुछते रहते हमसे तेरा हालचाल
निहारते रहते तेरी सब तस्वीरों को
तेरे बिन घर आंगन सूना सूना रहता
आंगन के फुल कलियाँ मुस्कुराना भूल गए
तेरे राह में फुल ही फुल बरसाते थे
कभी हमको सपनों में बुला लेना
तेरा हसता मुखड़ा देखने तरस गये
इन पेड़ों की आंचल की छाया में
तेरा अल्हड़ बचपन बिता
खेलते थी गाती थी कहानियाँ सुनाती थी
तू सबको हस हस कर चिडाती थी
तुझको नजर ना लगे इस जमाने की
तू गई खुशियाँ संजोने सपने पूरे करने
तेरा परिवार आबाद रहे जन्नत की खुशियाँ मिले।।

अनेकता में एकता

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

हम दुनिया में सबसे
अलग यही हमारी शान है ।
अनेक में एक हिन्दू हैं हम ,
भारत देश महान है।।
मुख्यतः भारत में 21 भाषाएं
हर दिशाओं में बहती हैं,
हर क्षेत्र की अपनी भाषाएं
नया इतिहास रचती हैं,
मुंह बोली अलग-अलग पर दिल की भाषा एक है
विभिन्न मातृ भाषाएं भारत के हृदय में नया रंग भरती हैं।
भाषाएं अलग अलग पर हम एक दूजे की जान है।
अनेक में एक हिन्दू हैं हम ,भारत देश महान है।।
अनेक जातियां, रीति रिवाज सबसे हमें प्यार है,
सब त्योहारों में शामिल होना भरता नया संचार है,
हर क्षेत्र की अनेक परंपराएं खुशी से हम निभाते हैं
एक दूजे से गले मिलकर खुशियां मनाना स्वीकार है।
हर जाति का मान रखकर करते आदर सम्मान है।
अनेक में एक हिन्दू हैं हम ,भारत देश महान है।।
अनेक धर्म हैं, मुख्यतः हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई,
धर्म भाव गौण रखकर मिलजुलकर आजादी पाई,
संविधान में सर्व धर्म मान्य सबको मिले समान अधिकार,
अपनी अपनी इबादत करनी एक दूजे की चाही भलाई।
संविधान हमारा अनेकता में एकता की मिसाल है ।
अनेक में एक हिन्दू हैं हम ,भारत देश महान है।।
कश्मीर से कन्याकुमारी तक अलग अलग पहनावे हैं,
रंग बिरंगे एक दूसरे के पहनावे सभी हमको भावे हैं,
कभी सर्दी,गर्मी, बरसात,
प्रकृति दिखाये विभिन्न रूप,
विभिन्नताओं के बीच रहकर
हम एक दूजे में समावे हैं।
अनेकता में एकता की बहती धारा बनाती बलवान है!
अनेक में एक हिन्दू हैं हम, भारत देश महान है!

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

राजस्थान में लागू होगा गुजरात जीत का फार्मूला

गुजरात में मिली ऐतिहासिक जीत का फॉर्मूला बीजेपी राजस्थान में भी लागू करेगी। इस फॉर्मूले ने नेताओं की अभी से धड़कनें बढ़ा दी हैं। मौजूदा 71 में से 40 विधायकों के टिकट कटेंगे। साथ ही 200 में से 100 सीटों पर नए चेहरों को मौका मिलेगा। माना जा रहा है कि गुजरात में पूर्व सीएम और डिप्टी सीएम का टिकट काट दिया गया था। ऐसे में यहां भी कुछ बड़े चेहरों के टिकट कटेंगे। अब से ठीक एक साल बाद दिसंबर 2023 में राजस्थान में विधानसभा चुनाव होंगे। इस चुनाव के परिणाम 2024 के लोकसभा चुनाव पर बड़ा असर डालेंगे। इस स्थिति में एक ही सवाल है, क्या राजस्थान में भाजपा गुजरात की जीत को भुना पाएगी? भाजपा के नेता-कार्यकर्ता गुजरात मॉडल को राजस्थान में उतारने की बात करते हैं। पार्टी गुजरात मॉडल को सत्ता में लौटने की सीढ़ी मानती है। आखिर क्या है भाजपा का गुजरात मॉडल और इसको राजस्थान में लागू करने में भाजपा को क्या चुनौतियां आएगी?

राजस्थान में गुजरात मॉडल लागू करने के लिए भाजपा को न सिर्फ कड़ी मेहनत करनी होगी, बल्कि मौजूदा रस्साकशी से पार पाकर सबको एक साथ लेकर ऐसी प्रभावशाली कार्य योजना बनानी होगी जो उसे सत्ता में ला सके।

भाजपा का गुजरात मॉडल

गुजरात में भाजपा 27 साल से सत्ता में है। इस बार सातवीं बार उसने सत्ता पर कब्जा बरकरार रखा है। अपने विकास के मॉडल और संगठन की मजबूती के दम पर पार्टी लगातार जीतती आ रही है। गुजरात में संगठन की मजबूती ही भाजपा का पहला फोकस है।

2004 के लोकसभा चुनाव के बाद से गुजरात भाजपा में संगठन स्तर पर पन्ना (पेज) प्रमुख बनाने की शुरुआत की गई। हर बूथ पर वोटर लिस्ट के प्रत्येक पन्ने का एक प्रमुख होता है। जो उस पन्ने में शामिल वोटर्स की सार-संभाल करने और उनसे लगातार जुड़े रहकर चुनाव में पार्टी के पक्ष में वोट डलवाने का काम करते हैं। गुजरात के मॉडल में पेज (पन्ना) प्रमुख ही वो कड़ी है जो पार्टी की लगातार सफलता का मॉडल बना हुआ है। संगठन का स्ट्रक्चर ऐसा है कि गुजरात में पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के जिम्मे कोई न कोई ऐसा काम होता है, जो पार्टी को मजबूत करने की कड़ी में अपनी भूमिका निभाता है। गुजरात में संगठन की रचना इस तरह है कि इसके कारण वहां नेता गौण है। स्थानीय नेता सब बराबर है, इसलिए नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा नहीं है। लोगों में नरेंद्र मोदी के प्रति विश्वसनीयता है। 27 साल में गुजरात में हुए विकास के कारण लोगों में यह विश्वास है कि जो मोदी कह रहे हैं वो पूरा करेंगे। यही गुजरात मॉडल है जिसकी वजह से भाजपा लगातार सत्ता में बनी हुई है और इस बार के चुनाव में उसने अब तक की सबसे ज्यादा 182 में से 156 सीटें जीतीं।

राजस्थान में 40 विधायकों का टिकट कटेगा : 100 नए चेहरों को मिलेगा मौका

भाजपा नेताओं में पद की होड़ को लेकर कभी खींचतान सामने नहीं आई। इसलिए गुजरात भाजपा में दूसरे राज्यों की तरह गुटबाजी हावी नहीं हो पाई। लगातार भाजपा की सरकार होने के कारण गुजरात का तेज विकास हुआ। बड़ी परियोजनाएं धरातल पर आई। इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, रेल-रोड-एयरपोर्ट से लेकर मल्टीनेशनल कंपनियों की बड़ी इकाइयां गुजरात के शहरों में आई। नरेंद्र मोदी की लीडरशिप और लोगों के बीच उनकी डिलीवरी पर पूर्ण विश्वसनीयता इस रूप में पैठ जमा पाई कि मोदी ने जो कहा, वो किया। सुरक्षा का वातावरण, जिसके कारण महिलाओं का वोटिंग प्रतिशत 70 तक रहता है। गुजरात में 2002 के गोधरा कांड के बाद कभी दंगे नहीं हुए। इस बात को भाजपा लगातार चुनावों में भुनाती आई है। मोदी-शाह की विरोधियों को भी गले लगाने की रणनीति। चुनाव से पहले हार्दिक पटेल, अल्पेश ठाकुर जैसे जितने भी विरोधी थे, उनको अपना बना लिया। इसकी वजह से वोटों का बंटवारा नहीं हुआ। इस बार के चुनाव में 182 में से 103 नए चेहरों को टिकट दिया गया। पिछले चुनाव में जीते 99 में से पांच मंत्रियों और कई दिग्गजों समेत 38 सिटिंग एमएलए के टिकट काट दिए गए। पुराने चेहरों की जगह ज्यादातर नए चेहरों को चुनाव में उतार कर भी कहीं कोई असंतोष या बगावत नहीं पनपने दी।

राजस्थान में भाजपा के सामने क्या चुनौतियां आएगी?

सक्रिय पन्ना प्रमुख की रचना बड़ी चुनौती : गुजरात में प्रत्येक वोटर से कनेक्ट रखने के लिए पन्ना प्रमुख सक्रिय है। इनकी नियुक्ति वोटर लिस्ट के प्रत्येक पन्ने के हिसाब से होती है। पन्ना प्रमुख का काम-भाजपा के कामों की प्रत्येक वोटर तक जानकारी पहुंचाने से लेकर वोटिंग वाले दिन उनको घर से वोटिंग बूथ पहुंचाना और वोट डलवाने का होता है। अगर कोई वोटर बाहर चला गया है तो यह ध्यान रखना कि कहीं कोई दूसरा व्यक्ति फर्जी वोट तो नहीं दे गया। राजस्थान में संगठन को मजबूत करने और चुनाव में वोटर को घर से निकालकर बूथ तक पहुंचाने के लिए गुजरात की तर्ज पर सक्रिय पन्ना प्रमुख बनाने का बड़ा काम पूरा करना है। राजस्थान में 52 हजार बूथ हैं, जिनमें से लगभग 47 हजार बूथों पर बूथ कमेटियां बन चुकी हैं। पन्ना प्रमुख बनाने का काम अभी चल रहा है। पार्टी के लिए पन्ना प्रमुख की बड़ी भूमिका रहती है। जिस तरह से कांग्रेस में नेतृत्व की होड़ खुले आम है, भाजपा में आंतरिक लड़ाई छिड़ी हुई है। इस पर तत्काल कंट्रोल करके जनता में विश्वास पैदा करना होगा कि सब साथ हैं। चुनाव से पहले लोगों में यह विश्वास पैदा करना होगा कि नेताओं की गुटबाजी समाप्त हो गई और सब मिलकर काम कर रहे हैं। एकजुट होकर काम करने की यह सबसे बड़ी चुनौती है। राजस्थान में संगठित अपराध, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, किसानों के ऋण माफी जैसे बड़े मुद्दे हैं। सत्ता के खिलाफ एंटीइंकमबेंसी को भुनाने की बड़ी चुनौती भाजपा के सामने है। हालांकि भाजपा ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में आक्रोश रैलियां निकालकर पब्लिक में माहौल बनाने की कोशिश शुरू कर दी है। जयपुर में एक दिसंबर से इसकी शुरुआत की गई जो 14 दिसंबर तक चलेगी। चुनाव में बचे हुए एक साल में उसे कार्ययोजना बनाकर टीम तैयार करनी होगी जो मुद्दों को भुना सके।

गिले-शिकवे भुलाकर गले लगाने की चुनौती : भाजपा के लिए यह सबसे बड़ी चुनौती है कि पहले तो पार्टी के नेताओं के बीच गिले-शिकवे दूर करके एकजुटता दिखाए। कांग्रेस विरोधी प्रभावशाली नेताओं को साथ में लेने की चुनौती। उदाहरण के लिए पिछले लोकसभा चुनाव में आरएलपी से जो गठबंधन हुआ था, वो जारी रहता तो सरदारशहर का उपचुनाव भाजपा 26,000 से हारने के बजाय 16000 वोटों से जीतती।

क्योंकि जो आरएलपी के खाते में 46753 वोट गए, उनमें से ज्यादातर कांग्रेस विरोधी वोट था जो भाजपा के खाते में आता। सत्ताधारी कांग्रेस के विरोधी वोटों का बंटवारा न हो इसकी कार्ययोजना बनाने की चुनौती। नए चेहरों को उतारने की चुनौतीः गुजरात में जिन नेताओं की लोगों के बीच लोकप्रियता कम हो गई, उनके भाजपा ने टिकट काटकर नए चेहरे मैदान में उतारे। गुजरात मॉडल लागू करने की स्थिति में भाजपा को राजस्थान में ऐसे चेहरे उतारने की चुनौती होगी, जो जिताऊ हो। चुनौती यह है कि पिछले चुनाव में लोगों की ओर से नकार दिए गए नेता और गुटबाजी में लिप्त प्रभावशाली लोगों को किनारे कर नए चेहरों को मैदान में उतारा जाए।

बगावत रोकने की बड़ी चुनौती : गुटबाजी और नए उम्मीदवारों को लाने पर उपजे असंतोष को संभालना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती होगी। संगठन में ऐसे कद्दावर नेता इस काम के लिए अपने आपको समर्पित करें तो ही यह संभव होगा।

क्या भाजपा सीएम का चेहरा घोषित करेगी?

जहां पार्टी सत्ता में होती है, वहां सीटिंग सीएम ही अगले सीएम का दावेदार होता है। उसी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाता है। जहां पार्टी सत्ता में नहीं होती वहां संगठन के सामूहिक नेतृत्व में ही चुनाव होता है। राजस्थान में भाजपा सत्ता में नहीं है। इसलिए मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करना रस्साकशी को बढ़ावा देना होगा। इसलिए लगता नहीं कि राजस्थान में भाजपा सीएम का कोई चेहरा घोषित करेगी।

गुजरात में नेतृत्व की कोई होड़ नहीं है। पार्टी में केवल एक गुट है और वो एकजुट है। 40 प्रतिशत से भी अधिक विधायकों के टिकट काटने के बावजूद वहां पर कोई बहुत बड़ा असंतोष नहीं हुआ। यह गुजरात का मॉडल जहां कोई गुटबाजी नहीं है। वहां जो आंदोलन हुए, उनकी अगुवाई करने वालों को भाजपा ने बड़ा मन रखकर साथ में लिया और उनको चुनाव में जिताया।

जिन राज्यों में गुजरात मॉडल लागू होगा, तेज गति से विकास होगा। राजस्थान में गुजरात मॉडल लागू करने में चुनौतियां तो हैं, लेकिन ऐसी नहीं है कि उनको दूर नहीं किया जा सकता। मैं समझता हूं कि गुजरात मॉडल लागू करने में जो चुनौतियां हैं, उनके लिए कार्ययोजना बनाएंगे। समय रहते अगर इन चुनौतियों से पार पा लेंगे तो गुजरात मॉडल राजस्थान में भी लागू हो सकता है।

कुपोषण की चुनौती और मोटा अनाज

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि देश में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए और सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान लोगों तक जिस तरह मुफ्त अनाज पहुंचाया, वह व्यवस्था जारी रहनी चाहिए।

ऐसे में निश्चित रूप से मोटे अनाज का उत्पादन और वितरण बढ़ा कर देश में भूख और कुपोषण की चुनौती का सामना और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि देश का कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोएगा। इस समय जब देश में भूख और कुपोषण की चुनौतियां उभर रही हैं, तो अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर) 2023 के व्यापक प्रचार-प्रसार से मोटे अनाज के अधिक उत्पादन और वितरण से इस चुनौती से पार पाने की संभावनाएं भी दिखाई दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रकाशित 'द स्टेट आफ फूड सिक्योरिटी ऐंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड रिपोर्ट-2022' के अनुसार 2021 में भारत की 22.4 करोड़ आबादी कुपोषण और भूख का सामना कर रही थी, तो दुनिया में कुपोषण की चुनौती का सामना करने वाले लोगों की कुल संख्या 76.8 करोड़ थी। विभिन्न वैश्विक रिपोर्टों के मुताबिक, इस कुपोषित आबादी की थालियों में मोटे अनाज बढ़ा कर कुपोषण कम करने की डगर पर आगे बढ़ा जा सकता है।

गौरतलब है कि मोटे अनाजों को पोषण का शक्ति केंद्र कहा जाता है। पोषक अनाजों की श्रेणी में ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी, चीना, कोदो, सावां, कुटकी, कुट्टू और चौलाई प्रमुख हैं। मोटे अनाज किसान हितैषी फसलें हैं। इनके उत्पादन में पानी की कम खपत और कम कार्बन उत्सर्जन होता है। ये सूखे वाली स्थिति में भी उगाई जा सकती हैं। मोटा अनाज सूक्ष्म पोषक तत्त्वों, विटामिन और खनिजों का भंडार है। छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं के पोषण में विशेष लाभप्रद हैं।

शाकाहारी खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के दौर में मोटा अनाज वैकल्पिक खाद्य प्रणाली प्रदान करता है। इनकी खेती सस्ती और कम जोखिम वाली होती है। मोटे अनाजों का भंडारण आसान है और ये लंबे समय तक संग्रह योग्य बने रहते हैं। देश में कुछ दशक पहले तक सभी लोगों की थाली का एक प्रमुख भाग मोटे अनाज हुआ करते थे। फिर हरित क्रांति और गेहूं-चावल पर हुए व्यापक शोध के बाद गेहूं-चावल का हर तरफ अधिकतम उपयोग होने लगा। मोटे अनाजों पर ध्यान कम हो गया। हालांकि तकनीक और अन्य सुविधाओं के दम पर पांच दशक पहले की तुलना में प्रति हेक्टेयर मोटे अनाजों की उत्पादकता बढ़ गई है, लेकिन इनका रकबा तेजी से घटा और इनकी पैदावार कम हो गई है। इनका उपभोग लगातार कम होता गया है। स्थिति यह है कि कभी हमारे खाद्यान्न उत्पादन में करीब चालीस प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले मोटे अनाज की हिस्सेदारी इस समय दस प्रतिशत से भी कम हो गई है।

ऐसे में देश में करोड़ों लोगों के लिए पोषण युक्त आहार की व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत देश की लगभग दो तिहाई आबादी सबसिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने की हकदार है। सभी पात्र परिवारों को तीन रुपए किलो चावल, दो रुपए किलो गेहूं और एक रुपए किलो की दर से मोटे अनाज का वितरण आवश्यक है।

इसके अलावा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लिए भी अनाज का एक बड़ा भाग उपभोग में आ रहा है। चूंकि गेहूं और चावल की तुलना में मोटे अनाज में पोषक तत्त्व अधिक हैं और ये किसान हितैषी फसलें हैं, इसलिए इनका अधिक उत्पादन और वितरण किया जाना कुपोषण

को दूर करने में काफी मददगार साबित होगा।

भारत के अधिकांश राज्य एक या अधिक मिलेट (मोटा अनाज) उगाते हैं। खासकर अप्रैल 2018 से सरकार देश में मोटे अनाज का उत्पादन बढ़ाने के लिए 'मिशन मोड' में काम कर रही है। मोटे अनाज के न्यूनतम समर्थन मूल्य में राहतकारी वृद्धि की गई है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत मोटे अनाज घटक चौदह राज्यों के दो सौ बारह जिलों में क्रियान्वित किया जा रहा।

इन्हें उगाने के लिए किसानों को अनेक सहायता दी जाती है। देश में मिलेट मूल्यवर्धित श्रृंखला में पांच सौ से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। मोटे अनाज के वैश्विक उत्पादन में भारत का हिस्सा करीब चालीस फीसद है। इनके उत्पादन और निर्यात में पूरी दुनिया में भारत पहले स्थान पर है। देश में मोटा अनाज उत्पादन के शीर्ष राज्य राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात और मध्यप्रदेश में इनके उत्पादन के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

निश्चित रूप से अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के तहत सरकार की यह रणनीति होनी चाहिए कि जिस तरह पिछले चार-पांच दशक में अन्य नकदी फसलों को बढ़ावा देने के कदम उठाए गए हैं, वैसे ही कदम मोटे अनाजों के संदर्भ में भी उठाए जाएं। जब किसानों को भरोसा होगा कि उन्हें मोटे अनाजों की उपज का सही दाम मिल सकता है, तो निस्संदेह वे मोटे अनाज की खेती के लिए भी प्रोत्साहित होंगे हैं।

अब सरकारी खरीद में मोटे अनाज की हिस्सेदारी और न्यूनतम समर्थन मूल्य भी बढ़ाना होगा। देश के कृषि अनुसंधान संस्थानों द्वारा मोटे अनाजों पर लगातार शोध बढ़ाना और अधिक उपज के लिए बायो फर्टिलाइज तकनीक का अधिक उपयोग करना होगा। मोटे अनाजों को लोकप्रिय बनाने के लिए इनसे नूडल्स, कुरकुरे आदि बनाने की दिशा में भी अधिक काम करना होगा, जिससे मोटे अनाजों के बाजार का विस्तार होगा। किसान इनकी खेती के लिए अधिक प्रोत्साहित होंगे।

खासकर देश और दुनिया में कुपोषण की चुनौती को दूर करने के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और खाद्यान्न की कीमतों के नियंत्रण में मोटे अनाज की महत्त्वपूर्ण भूमिका बनानी होगी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आम आदमी तक गेहूं और चावल की तुलना में मोटे अनाज की अधिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए मोटे अनाजों की सरकारी खरीद बढ़ानी और इनके निर्यात को बढ़ाने की नई रणनीति बनानी होगी।

निस्संदेह बढ़ते वैश्विक कुपोषण और भूख संकट के दौर में भारत में भूख और कुपोषण की चुनौती को कम करने में मोटे अनाजों की अधिक आपूर्ति के साथ कई और बातों को भी ध्यान में रखा जाना होगा। देश में गरीबों के सशक्तिकरण की कल्याणकारी योजनाओं के अधिक विस्तार, कृषि क्षेत्र में सुधार तथा खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के नए कदम जरूरी होंगे।

अब केंद्र सरकार द्वारा गरीबों, किसानों और कमजोर वर्ग के करोड़ों लोगों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से अधिक नकद धन हस्तांतरित किया जाना लाभप्रद होगा। सरकारी योजनाओं के और अधिक लाभ डीबीटी से लाभार्थियों तक पहुंचने से गरीबों का सशक्तिकरण होगा और कुपोषण की चुनौती कम होगी। सरकार द्वारा सामुदायिक रसोई की व्यवस्था को मजबूत बना कर उन जरूरतमंदों के लिए भोजन की कारगर व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी, जिन्हें सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

साथ ही देश में बहुआयामी गरीबी, भूख और कुपोषण खत्म करने के लिए पोषण अभियान-2 को पूरी तरह कारगर और सफल बनाना होगा। उम्मीद है कि भारत जी-20 की अध्यक्षता करते हुए अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 के उद्देश्यों और लक्ष्यों के मद्देनजर देश और दुनिया में मोटे अनाजों के लिए जागरूकता पैदा करने में सफल होगा और इससे मोटे अनाज का वैश्विक उत्पादन और वैश्विक उपभोग बढ़ेगा। इससे एक बार फिर मोटे अनाज को देश और दुनिया के अधिकांश लोगों की थाली में अधिक जगह मिलने लगेगी तथा देश और दुनिया के करोड़ों लोगों को भूख और कुपोषण की चुनौतियों से बाहर लाने में सफलता मिल सकेगी।

जहरीली हवा से जूझते बच्चे

भारत ही नहीं, दुनिया भर में विकास की रफ्तार के आगे जीवन रक्षा से जुड़े मानकों की अनदेखी जीवन पर भारी पड़ रही है। यह सच है कि विकास को गति देने के लिए संचार, परिवहन और उद्योग सभी आवश्यक हैं, मगर देश के नागरिकों के स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए वायु और संपूर्ण पर्यावरण को शुद्ध रखना भी उतना ही जरूरी है।

दुनिया में पहली बार किए गए अपनी तरह के एक शोध में मानव जीवन के लिए खतरा बने प्रदूषण से जुड़ी डरावनी स्थितियां सामने आई हैं। भारत सहित दुनिया के एक सौ सैंतीस देशों में मां के गर्भ में ही जान गंवाने वाले पैंतालीस हजार शिशुओं पर हुए अध्ययन में यह सामने आया कि उनमें चालीस फीसद बच्चों की मौत का कारण हवा में मौजूद पीएम 2.5 कण था। शोध में शामिल देशों में वर्ष 2010 में 23.1 लाख, 2019 में 19.3 लाख और 2015 के दौरान 20.9 लाख शिशु जन्म से पहले ही मर गए थे।

दुनिया में आने से पहले ही जान गंवा देने वाले शिशुओं में से साढ़े नौ लाख बच्चों की मौत की बड़ी वजह हवा में मौजूद दूषित कण पीएम 2.5 था। 'नेचर कम्युनिकेशन' पत्रिका में छपे इस शोध के मुताबिक गर्भवती महिला जब दूषित हवा में सांस लेती है, तो गर्भनाल के जरिए हवा में मौजूद कण नवजात तक पहुंचते हैं। इससे भ्रूण का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। इतना ही नहीं, दमघोंटू हवा के संपर्क में रहने वाली मां के शरीर में पल रहे भ्रूण या शिशु को पर्याप्त मात्रा में आक्सीजन भी नहीं मिल पाती है। ऐसे गर्भ के भीतर शिशु का विकास तो प्रभावित होता ही है, कई बार दम भी घुट जाता है। यह स्थिति वाकई चिंतनीय है। हाल के बरसों में दुनिया के हर हिस्से में वायु प्रदूषण बढ़ा है। हवा में घुलता जहर इंसान ही नहीं, धरती पर मौजूद हर प्राणी के लिए खतरा बन गया है। भारत के महानगरों में तो नवजात और बड़े होते बच्चे भी दमघोंटू हवा के घेरे में अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का शिकार बन रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वर्ष 2021 में किए गए एक शोध के अनुसार दुनिया भर में हर साल 8.30 लाख नवजात बच्चों की अकाल मौत का कारण दूषित वायु है।

दरअसल, बढ़ता वायु प्रदूषण जीवन से जुड़े हर हिस्से को प्रभावित कर रहा है। प्रदूषित हवा का हृदय रोग, सांस संबंधी बीमारियों और कैंसर के साथ गहरा नाता है। हवा में घुलता जहर हर आयु वर्ग के लोगों के स्वास्थ्य के लिए घातक सिद्ध हो रहा है। बच्चों में बढ़ रहे कैंसर के मामलों की सबसे बड़ी वजह हवा में मौजूद हानिकारक तत्त्व ही हैं। हवा में मौजूद प्रदूषित कणों के बढ़ने से बच्चों का सहज विकास भी प्रभावित होता है, जिसके चलते जन्म के समय से ही बच्चों में शारीरिक-मानसिक विकृति पैदा हो सकती हैं। इतना ही नहीं, हवा में घुलते जहर के चलते महिलाओं में गर्भपात के आंकड़े भी बढ़े हैं।

उल्लेखनीय है कि हवा की गुणवत्ता और गर्भस्थ तथा नवजात शिशुओं का स्वास्थ्य परस्पर गहराई से जुड़े हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन आफ इंडिया, इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ मेट्रिक्स ऐंड इवैल्युशन द्वारा कुछ साल पहले किए गए साझा अध्ययन 'ग्लोबल बर्डेन डिजीज' अध्ययन के आंकड़े साफ बताते हैं कि पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में वायु प्रदूषण फेफड़े के संक्रमण का अहम कारण बन रहा है। गौरतलब है कि भारत में आज भी श्वसन रोग और निमोनिया बच्चों की मौत की सबसे बड़ी वजह है। बच्चों के अति संवेदनशील अंग हद से ज्यादा बढ़े प्रदूषण की मार झेलने में असमर्थ होते हैं। इसलिए वे जल्दी ही कई व्याधियों का शिकार बन जाते हैं।

आज की बदलती जीवन-शैली में प्रदूषण बाहर ही नहीं, घर के भीतर भी कम नहीं है। दोनों ही जगह वायु प्रदूषण गर्भस्थ और नवजात बच्चों के लिए घातक साबित हो रहा है। ठंड के मौसम में स्थितियां और खराब हो जाती हैं। हर वर्ष राजधानी दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के चलते बच्चों के स्कूल बंद करने और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं अचानक बढ़ जाने की खबरें आती हैं।

विचारणीय यह भी है कि बदलती सामाजिक-पारिवारिक स्थिति भी गर्भ में पलते बच्चों और प्रदूषण के हालात से जुड़ी है। हाल के वर्षों में देर से शादी करने और बड़ी उम्र में मां बनने का चलन बढ़ा है। नतीजतन, गर्भ में पल रहे बच्चे के स्वास्थ्य से जुड़े जोखिम भी बढ़े हैं। नेचर कम्युनिकेशन में छपे शोध में भी वैज्ञानिकों ने कहा है कि दूषित हवा अधिक उम्र की महिला के गर्भ में पल रहे शिशु के लिए ज्यादा खतरनाक साबित हो रही है।

नई पीढ़ी को दी जाने वाली थाती में हवा-पानी की स्वच्छता हमारी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर होनी चाहिए थी, पर दुखद है कि दमघोटू हवा उनका जीवन जोखिम में डाल रही है। भारत ही नहीं, दुनिया भर में विकास की रफ्तार के आगे जीवन रक्षा से जुड़े मानकों की अनदेखी जीवन पर भारी पड़ रही है। यह सच है कि विकास को गति देने के लिए संचार, परिवहन और उद्योग सभी आवश्यक हैं, मगर देश के नागरिकों के स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए वायु और संपूर्ण पर्यावरण को शुद्ध रखना भी उतना ही जरूरी है।

वनों की अंधाधुंध कटाई से लेकर सड़क पर बढ़ते वाहनों की संख्या और सुविधा संपन्न जीवन-शैली के चलते विकासशील देशों की घनी आबादी वाले शहरों में हालात बेहद खराब हो चले हैं। हर आयुवर्ग में सेहत संबंधी परेशानियां बढ़ रही हैं। गौरतलब है कि भारत में वायु प्रदूषण से हर साल लाखों लोग अपनी जान गंवा देते हैं। हवा में घुले विषाक्त तत्त्वों के चलते आज एक बड़ी आबादी दमा, हृदय रोग, कैंसर, चर्म रोग आदि से ग्रस्त है।

अगर हमारा देश हवा के गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए अपने लक्ष्यों को सुधार लेता है, तो 66 करोड़ लोगों की उम्र 3.2 साल और बढ़ जाएगी। ऐसे में उम्र की गिनती शुरू होने के पहले ही मासूमों का जीवन छिन जाना तो भयावह होते हालात की ओर इशारा करता है। अफसोस की बात है कि दूषित हवा के कारण भावी पीढ़ी या तो गर्भ में जान गंवा रही है या बीमारियों के साथ संसार में आ रही है।

गौरतलब है कि बच्चों पर केंद्रित पिछले वर्ष आई यूनिसेफ की 'द क्लाइमेंट क्राइसिस इज ए चाइल्ड राइट्स क्राइसिस- इंट्रोड्यूसिंग द चिल्ड्रेन्स क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स' रिपोर्ट में भी ऐसे कई खतरों को लेकर चेताया गया था। इस रिपोर्ट के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के कारण नई पीढ़ी के स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा को गंभीर खतरा है। बचपन से जुड़े जोखिमों के मोर्चे पर भारत भी दक्षिण एशिया के उन चार देशों में शामिल है, जो अत्यधिक खतरे में हैं। इतना ही नहीं, प्रदूषण की वजह से बच्चों की बौद्धिक क्षमता भी प्रभावित हो रही है।

स्पष्ट है कि सेहत से जुड़ी परेशानियों का बढ़ना, स्कूल बंद होना और प्रदूषित हवा में सांस लेने के चलते बीमारियों से घिर जाना गंभीर खतरों की ही बानगी बन रहा है। ऐसे में उद्योगों और बढ़ते वाहनों से लेकर घरेलू कामकाज से उत्सर्जित होने वाली विषाक्त गैसों में कमी लाने को लेकर कोई ठोस और व्यावहारिक हल खोजना आवश्यक है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी कहना है कि भारत में क्षमता है कि वह बढ़ते वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए कम लागत में प्रभावी तरीकों से परिवर्तन लाए। जरूरी है कि आमजन भी अपनी जीवन-शैली में बदलाव कर सहूलियतें जुटाने के बजाय बच्चों को स्वच्छ परिवेश देने के बारे में सोचें। साथ ही प्रशासनिक मोर्चे पर भी दोषारोपण के बजाय दमघोंटू हवा से निजात दिलाने की राह ढूंढी जाए। यह समझना बेहद आवश्यक है कि किसी भी तरह के विकास के मायने मानवीय जीवन से बढ़ कर नहीं हैं।

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी 11 दिसंबर दिन रविवार को है।

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी पर तीन शुभ योग

ब्रह्म, रवि पुष्य और सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहे हैं। अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन भद्रा भी है।

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी का व्रत करने से सभी संकट दूर होते हैं और गणेश जी के आशीर्वाद से जीवन में सुख, शांति और सफलता मिलती है। अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के पूजा मुहूर्त, योग

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी 2022 मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, पौष माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि का प्रारंभ 11 दिसंबर को शाम 04 बजकर 14 मिनट पर हो रहा है और इस तिथि का समापन अगले दिन 12 दिसंबर को शाम 06 बजकर 48 मिनट पर होगा। चतुर्थी व्रत के पूजा में च्रदोदय का महत्व है, इसलिए चतुर्थी तिथि में चंद्रोदय 11 दिसंबर को प्राप्त हो रहा है, इस वजह से अखुरथ संकष्टी चतुर्थी का व्रत 11 दिसंबर को रखा जाएगा।

और चंद्रोदय समय के बारे में।
तीन शुभ योगों में अखुरथ संकष्टी चतुर्थी
अखुरथ संकष्टी चतुर्थी पर तीन शुभ योग ब्रह्म, रवि पुष्य और सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहे हैं।
इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग रात 08 बजकर 36 मिनट से अगले दिन सुबह 07 बजकर 04 मिनट तक है, वहीं रवि पुष्य योग

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी 2022 चंद्रोदय समय

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन चंद्रोदय रात में होता है क्योंकि कृष्ण पक्ष में चंद्रमा देर से उदित होता है।
इस दिन चंद्रमा रात 08 बजकर 01 मिनट पर उदित होगा। व्रत रखने वाले इस समय चंद्रमा को अर्घ्य देंगे और पारण करके व्रत को पूरा करेंगे।

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी पर भद्रा का साया
अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन भद्रा भी है।

हालांकि 11 दिसंबर को जब चतुर्थी तिथि प्रारंभ होगी, तब तक भद्रा खत्म हो जाएगी।

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी के दिन भद्रा सुबह 07 बजकर 04 मिनट से शाम 04 बजकर 14 मिनट तक है।

ऐसे में जो भी लोग अखुरथ संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखेंगे,

वे भद्रा के प्रारंभ से पूर्व गणेश जी की पूजा कर लें

या फिर शाम के समय में भद्रा समाप्ति पर पूजन करें।

समय में है। ब्रह्म योग सुबह से लेकर अगले दिन प्रात: 05 बजकर 15 मिनट तक है।

ये तीनों ही योग शुभ और सफलता प्रदान करने वाले हैं।

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी व्रत का महत्व

अखुरथ संकष्टी चतुर्थी का व्रत और गणेश जी की पूजा करने से सुख और समृद्धि बढ़ती है। संकट दूर होते हैं।

बल, बुद्धि और विद्या में भी बढ़ोत्तरी होती है। गणेश जी की कृपा होने से अमंगल दूर होता है, अटके हुए काम पूर होते हैं।

सफलता प्राप्त होती है।

सूर्यास्त के बाद न करें ये काम वरना रूठ जाएंगी माता लक्ष्मी

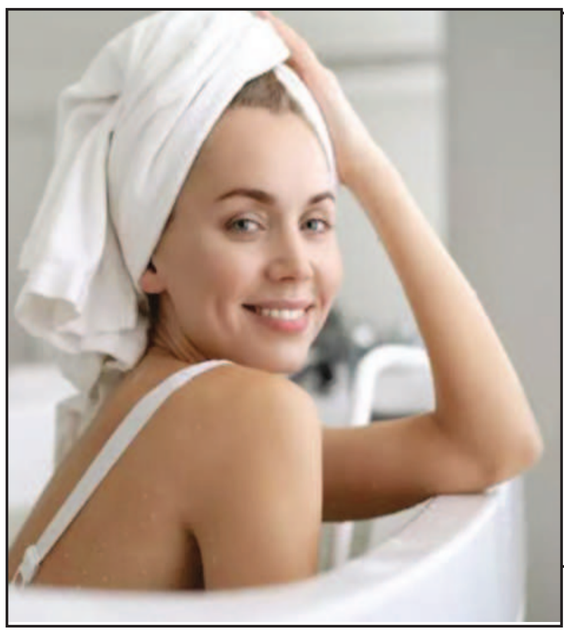

सूर्यास्त के बाद न करें स्नान
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार किसी भी व्यक्ति को सूर्यास्त के बाद नहीं नहाना चाहिए।

मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से माता लक्ष्मी रुष्ठ जाती हैं।

इसके अलावा यदि आप शाम के बाद नहाते भी हैं तो तिलक लगाना निषेध माना गया है।

वैज्ञानिक कारणों से देखा जाए तो रात में नहाने से शरीर में शीत का प्रकोप बढ़ सकता है।

किसी भी व्यक्ति को सूर्यास्त के बाद नहीं नहाना चाहिए। किसी भी व्यक्ति को सूर्यास्त के बाद नहीं नहाना चाहिए।
हिंदू धर्म में कई सारी ऐसी बातें हैं, जिन्हें एक निर्धारित समय के बाद करना वर्जित माना गया है। हिंदू धर्म शास्त्रों में ऐसे बहुत से काम हैं, जिन्हें सूर्यास्त के बाद करने की मनाही है। माना जाता है कि इन कामों को सूर्यास्त के बाद करने से नकारात्मक आती है। पौराणिक कथाओं और हिंदू धर्म शास्त्रों के मुताबिक रात में नहीं करना चाहिए।

सूर्यास्त के बाद न करें शेविंग

ज्योतिष शास्त्र और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रात में बाल कटवाना या शेविंग करवाना किसी भी व्यक्ति के लिए शुभ नहीं होता। मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से व्यक्ति पर नकारात्मक ऊर्जा हावी हो सकती है और माता लक्ष्मी आप से रूठ सकती हैं।

रात में न धोएं कपड़े
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार रात में कपड़े नहीं धोने चाहिए।

ऐसा माना जाता है कि रात में कपड़े धोने और खुले आसमान के नीचे फैलाने से कपड़ों में रात की नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती हैं।

फिर हम इन्हीं कपड़ों को पहनते हैं, जिससे हमारे मन पर इसका बुरा असर पड़ता है।

यदि शाम तक आपके कपड़े नहीं सूख पाते हैं तो इन्हें रात में खुले आसमान के नीचे फैलाने की जगह घर के अंदर छत के नीचे फैलाएं।

ज्योतिष शास्त्र में ऐसी बहुत सी बातों का जिक्र है, जिन्हें लोग प्राचीन समय से मानते चले आ रहे हैं। ज्योतिष शास्त्र की इन बातों को ना मानने वाले या फिर रात में इन वर्जित कामों को करने वाले लोगों से माता लक्ष्मी रूठ सकती हैं। आज हमें भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा कुछ ऐसे ही नियमों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें

भोजन खुला न रखें

हिंदू धार्मिक मान्यताओं में बताया गया है कि खाना सूर्यास्त से पहले ही खा लेना चाहिए। इसके बाद बचे हुए भोजन को खुला नहीं रखना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि भोजन को खुला छोड़ने से इसके अंदर नकारात्मकता के गुण बढ़ जाते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो खुले हुए खाने में कई तरह के रोगजनक कीटाणु पनपने की संभावना बढ़ जाती है।

हिंदू कैलेंडर का नया माह पौष का प्रारंभ

पौष माह कब से कब तक?

पंचांग के अनुसार,
पौष माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि का प्रारंभ कल 08 दिसंबर को सुबह 09 बजकर 37 मिनट से हुआ था

और इसका समापन आज सुबह 11 बजकर 34 मिनट तक है।

उदयातिथि के आधार पर पौष कृष्ण प्रतिपदा तिथि आज है।

ऐसे में पौष माह का प्रारंभ आज से हुआ है।

पौष पूर्णिमा के दिन पौष माह का समापन होगा। पौष पूर्णिमा 07 जनवरी, 2023

दिन शुक्रवार को है। इस तरह से पौष माह 09 दिसंबर 2022 से लेकर 07 जनवरी 2023 तक है।

पौष माह के पहले दिन शुभ योग बना है। यह सुबह से लेकर कल प्रात: 03 बजकर 44 मिनट तक है।

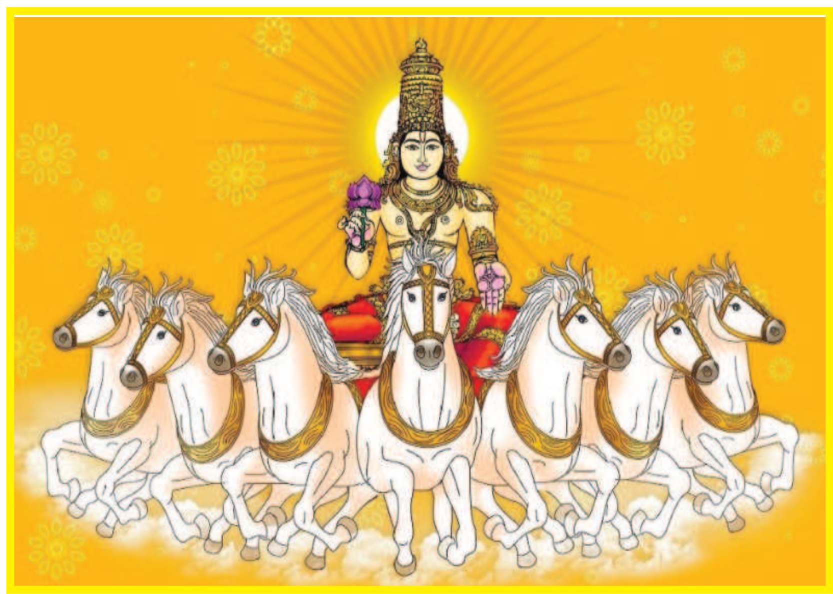

हिंदू कैलेंडर का नया माह पौष का प्रारंभ हो गया है। पौष माह हिंदी वर्ष का 10 माह है। यह भगवान सूर्य देव से संबंधित है। पौष माह में सूर्य देव की पूजा करने का बड़ा महत्व है। इस माह में पिंडदान और श्राद्ध कर्म करना भी पितरों के लिए अच्छा माना जाता है। पौष माह में सूर्य देव की गति धीमी होती है, इसलिए खरमास लगता है। पौष माह में खरमास का प्रारंभ 16 दिसंबर से होगा। काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट से जानते हैं पौष माह के महत्व और उपायों के बारे में।

पौष माह में किए जाने वाले उपाय

1 पौष माह में प्रत्येक दिन सूर्य देव की आराधना करनी चाहिए। स्नान के बाद सूर्य देव को जल में लाल फूल, लाल चंदन और अक्षत डालकर अर्पित करना चाहिए। इस दौरान किसी भी सूर्य मंत्र का जाप करना चाहिए। ऐसा करने से कार्य, पद, प्रतिष्ठा आदि में सफलता एवं वृद्धि होती है।

2. पौष माह में प्रत्येक रविवार का व्रत रखें और सूर्य देव की पूजा करें। इस व्रत में नमक का उपयोग न करें। मीठा भोजन करना चाहिए। इससे आप पर सूर्य देव प्रसन्न रहेंगे और कुंडली में उनका प्रभाव बढ़ेगा। जो आपके भाग्य में वृद्धि करने वाला होगा।

3. पौष माह में सर्दी बढ़ती है, ऐसे में आपको गरम कपड़ों, कंबल, गुड़ आदि का दान जरूर करना चाहिए। इस दान पुण्य से आपके सुख और शांति में वृद्धि होगी।

4. इस माह में सूर्य देव को तिल और चावल की खिचड़ी का भोग लगाएं। स्वयं लाल और पीले वस्त्र पहनें। यह रंग सूर्य का प्रिय रंग माना जाता है। इसे भाग्य प्रबल होता है।

5. इस माह में नया कार्य खरमास से पूर्व कर लें या फिर उसे अगले माह के लिए टाल दें। खरमास के समय में कोई भी मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है।

16 दिसंबर को होगा सूर्य का गोचर

ज्योतिष शास्त्र में राशि परिवर्तन का बड़ा महत्व होता है। हर माह सूर्य देव एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करते हैं। जिसका शुभ व अशुभ प्रभाव सभी राशियों पर पड़ता है। जब सूर्य धनु राशि में प्रवेश करते हैं तो उसे धनु संक्रांति कहते हैं। इस बार धनु संक्रांति 16 दिसंबर 2022 को है। ऐसे में धनु संक्रांति का प्रभाव भी अन्य राशियों पर पड़ने वाला है। पंडित इंद्रमणि घनस्याल से जानते हैं मिथुन, कन्या व धनु राशि पर धनु संक्रांति का क्या प्रभाव पड़ेगा।

कन्या राशि

सूर्य देव के धनु राशि में गोचर करने पर कन्या राशि के जातकों पर शुभ प्रभाव पड़ेगा। सूर्य देव कन्या राशि के चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे। ज्योतिषियों के अनुसार, चतुर्थ भाव भौतिक सुख व माता का भाव माना जाता है, इसलिए आपके भौतिक सुख-सुविधाओं में इजाफा होगा। आपकी राशि में नया प्लाट व मकान लेने के योग बन रहे हैं। अगर आप रियल स्टेट कारोबार से जुड़े हैं तो यह आपके लिए शुभ समय है।

इन राशियों की चमकेगी किस्मत, बढ़ेगा धन

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों के लिए धनु संक्रांति का प्रभाव अनुकूल रहेगा। मिथुन राशि में सातवें भाव में सूर्य देव गोचर करेंगे, जो कि वैवाहिक व दांपत्य सुख का कारक माना जाता है। ऐसे में आपके दांपत्य जीवन में प्रेम व स्नेह बढ़ेगा और जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। आपको धन लाभ होने की भी संभावना है। आपके अटके हुए पैसे आपको मिल सकते हैं।

धनु राशि

ज्योतिषियों के अनुसार, धनु राशि के तीसरे भाव में सूर्य का गोचर हो रहा है। तीसरा भाव साहस, पराक्रम वाला माना जाता है। सूर्य के गोचर से आपका आत्मविश्वास और मजबूत होगा। आप शत्रु पर विजय प्राप्त करेंगे। आपको व्यवसाय में भी लाभ मिलने की संभावना है। अगर आप शेयर मार्केट में निवेश करते हैं तो यह आपके लिए अच्छा व शुभ समय रहेगा।

अगर भोला हिट हुई तो बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार बन जाएंगे अजय देवगन : केआरके

फिल्म क्रिटिक केआरके का कहना है कि अगर अजय देवगन की अगली फिल्म भोला हिट हो गई तो वो बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार बन जाएंगे। केआरके ने अपने सोशल मीडिया के जरिए लिखा है कि पिछले कुछ समय से साउथ की रीमेक फिल्में चल नहीं रहीं हैं, लेकिन दृश्यम 2 हिट हो गई है इसलिए अब उनकी अगली साउथ की रीमेक फिल्म भोला हिट होती है तो वो बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार बन जाएंगे। हालांकि केआरके का मानना है कि भोला बहुत बड़ी फ्लॉप फिल्म साबित होगी।

फिल्म क्रिटिक कमाल राशिद खान उर्फ केआरके अपने बयानों और कॉन्ट्रोवर्शियल सोशल मीडिया पोस्ट के लिए जाने जाते हैं। वो आए दिन कुछ न कुछ ऐसी बातें कर देते हैं जिसकी वजह से वो विवादों के घेरे में आ जाते हैं। अब हाल ही में उन्होंने अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म भोला के बारे में भविष्यवाणी की है।

केआरके ने कहा- 'हर कोई जानता है कि साउथ की रीमेक फिल्में पिछले तीन सालों से कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रही हैं लेकिन सौभाग्य से दृश्यम 2 हिट हो गई है। अब अजय देवगन एक और साउथ की रीमेक फिल्म भोला कर रहे हैं। अब अगर भोला भी हिट साबित हुई तो अजय बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार बन जाएंगे लेकिन मुझे लगता है कि भोला डिजास्टर होगी।'

दृश्यम 2 साउथ के सुपरस्टार मोहनलाल की ब्लॉकबस्टर मलयालम फिल्म दृश्यम 2 का हिंदी रीमेक है। दृश्यम का पहला पार्ट भी मोहनलाल की इसी नाम से आई फिल्म की हिंदी रीमेक थी। मलयालम में फिल्म बनने के बाद इसे कई भाषाओं में फिर से रिक्रिएट किया गया है।

केआरके का कहना सही है कि हाल फिलहाल में सिर्फ दृश्यम 2 ही वो फिल्म है जो साउथ की रीमेक होने के बावजूद हिट साबित हुई है। डोमेस्टिक बॉक्स ऑफिस पर फिल्म रिलीज के 22 दिन बाद करीब 196 करोड़ कमा चुकी है और जल्द ही 200 करोड़ के क्लब में शामिल हो जाएगी।

इसके अलावा इसने वर्ल्डवाइड 284 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। दृश्यम 2 अजय देवगन के करियर की तीसरी सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्म बन गई है।

साउथ की सुपरहिट फिल्म कैथी की रीमेक है भोला

बात भोला की करें तो हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज किया गया। रिलीज के बाद से ही टीजर काफी ज्यादा सुर्खियों में है। एक मिनट 27 सेकंड के टीजर में अजय देवगन को कैदी के रूप में दिखाया गया है, जो अपनी बेटी को देखने के लिए इंतजार कर रहा है। ये फिल्म साउथ की सुपरहिट फिल्म कैथी की रीमेक है।

इस फिल्म को खुद अजय देवगन डायरेक्ट कर रहे हैं। इससे पहले वो यू मी और हम, शिवाय और रनवे 34 जैसी फिल्मों को डायरेक्ट कर चुके हैं। भोला में अजय देवगन के अलावा तब्बू, अमला पॉल, संजय मिश्रा, मकरंद देशपांडे और दीपक डोबरियाल भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म 30 मार्च 2023 को 3D में रिलीज होगी

गर्व है कि मैं राज कपूर का पोता हूं

रणबीर कपूर ने माना-कपूर फैमिली से होने की वजह से आसानी से मिल गया काम

रणबीर कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपने प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बारे में खुलकर बातचीत की है। उनका कहना है कि वो अपने दादा राज कपूर के एक्टिंग के नहीं बल्कि उनके डायरेक्शन के फैन हैं साथ ही उनका कहना है वो अपने दादा जी की 'श्री 420', 'आवारा', 'जिस देश में गंगा बहती है' और 'प्रेम रोग' जैसी फिल्में देखना काफी ज्यादा पसंद करते हैं। रणबीर ने कहा है कि उन्हें राज कपूर का पोता होने पर काफी ज्यादा गर्व है। रणबीर का ये भी कहना है कि कपूर खानदान से होने की वजह से उन्हें फिल्मों में आसानी से ब्रेक मिल गया जबकि दूसरों को थोड़ी मुश्किल जरूर होती है।

राज कपूर का पोता होने पर गर्व है

रणबीर कपूर ने कहा - 'मुझे गर्व है कि मैं राज कपूर का पोता हूं पर कपूर खानदान से होने को एक जिम्मेदारी के तौर पर लेता हूं, बोझ या दबाव के रूप में नहीं। इस बात को मैं ' टेकेन फार ग्रांटेड ' नहीं लेता। राज कपूर ने हमारे परिवार के लिए जो किया और उनके कारण दुनिया में हमें जो महत्व मिला, इसके लिए मैं हमेशा उनका आभारी रहूंगा। मैं यह नहीं चाहता हूं कि कल कोई ये कहे कि मैं इसलिए फिल्म इंडस्ट्री में हूं क्योंकि मैं राज कपूर का पोता हूं। हां ये बात है मुझे कपूर खानदान से होने का फायदा मिला है। 'मैं जब छह साल का था तो दादा जी का निधन हो गया, इसलिए मेरे पास उनके साथ की बहुत सी यादें नहीं है सिवाय इसके कि जो कुछ

उनके बारे में मैंने अपने माता पिता से सुना और उनकी फिल्मों को देखकर उन्हें जाना। मैंने उनकी फिल्में देखकर जीवन और सिनेमा के बारे में बहुत कुछ सीखा है।'

कलाकार के लिए कोई बाउंड्री नहीं होती

एक पाकिस्तानी फिल्म मेकर ने रणबीर से पूछा कि आज कोई पाकिस्तानी भारत में और कोई हिंदुस्तानी पाकिस्तान में न तो फिल्म बना सकता है न फिल्म में काम कर सकता है तो क्या इन दोनों देशों के बाहर खासकर सऊदी अरब में वो उनकी (पाकिस्तानी फिल्म मेकर) फिल्म में काम करना पसंद करेंगे तो इसके जवाब में रणबीर ने कहा - ' क्यों नहीं, एक कलाकार के लिए कोई बाउंड्री नहीं होती। मैं पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री को बधाई देता हूं कि उन्होंने मौला जट्ट जैसी सुपरहिट फिल्म बनाई।'

हिंदी फिल्मों में ओरिजिनल कंटेंट की कमी है:करण जौहर ने कहा- हम दूसरी फिल्म इंडस्ट्री की तुलना में पीछे रह गए हैं

करण जौहर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बॉलीवुड फिल्मों के गिरते स्तर पर बातचीत की है। करण का कहना है कि एक समय था जब बॉलीवुड ओरिजिनल फिल्में बनाता था लेकिन अब जरूरत से ज्यादा रीमेक्स की वजह से ऑडियंस हिंदी फिल्मों से दूर भागता दिख रहा है। करण ने कहा है कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों में विश्वास की कमी है। करण ने कहा है कि उनके साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री के अधिकतर फिल्म मेकर नई चीजें ट्राई करने से डरते हैं और अक्सर ट्रेंड्स के चक्कर में फंस कर रह जाते हैं।

ओरिजिनल कंटेंट की हो गई है कमी

करण ने इंटरव्यू में बात करते हुए कहा - 'हम हमेशा फ्लो के साथ चलते हैं। 70 के दशक में हमारी फिल्म इंडस्ट्री में ओरिजिनल कंटेंट बनता था लेकिन 80 के दशक तक आते-आते रीमेक्स की भरमार हो गई। आज भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। हमने अब तमिल और तेलुगु की हर फेमस फिल्मों का रीमेक बनाना शुरू कर दिया है। यहीं से नुकसान की शुरुआत हुई। हम अब तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की तुलना में पीछे रह गए हैं। आज हमारे अंदर दृढ़ विश्वास की कमी है। हम अब ओरिजिनल कंटेंट बनाने से डरते हैं।'

मेरे जैसे फिल्ममेकर ट्रेंड्स का हिस्सा बनकर रह गए हैं

करण ने कहा- 'मेरे सहित कई फिल्ममेकर अक्सर ट्रेंड्स का हिस्सा बनकर रह जाते हैं। साल दर साल कुछ ऐसी फिल्में आती हैं जिसको देखकर अन्य फिल्ममेकर भी वैसे ही फिल्में बनाते लगते हैं। 90 के दशक में हम आपके कौन है फिल्म आई तो हमने उसी जॉनर की कई सारी फिल्में बनाई। इन्हीं फिल्मों से शाहरुख खान फेमस हुए। 2001 में 'लगान' को ऑस्कर के लिए

नॉमिनेट किया गया तो हर कोई उस तरह की फिल्में बनाने लगा। 2010 में दबंग की सफलता के बाद हमने कमर्शियल फिल्मों पर काम करना शुरू कर दिया।'

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के साथ डायरेक्शन में लौटेंगे

करण जौहर बॉलीवुड के बड़े फिल्ममेकर्स से एक हैं। उन्होंने 'कुछ कुछ होता है', कभी खुशी कभी गम और ए दिल है मुश्किल जैसी फिल्मों का डायरेक्शन किया है। करण जौहर एक जमाने में फेमस फिल्ममेकर रहे यश जौहर के बेटे हैं। करण जौहर की गिनती हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के पावरफुल लोगों में होती है। करण 2023 में रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के साथ डायरेक्टर की भूमिका में वापस लौट रहे हैं। इस फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट लीड रोल में दिखाई देंगे। करण की धर्मा प्रोडक्शन ने हाल फिलहाल में कई बड़ी-बड़ी फिल्मों का प्रोडक्शन किया है।

बप्पी लहरी के 12 वर्षीय पोते ने रिलीज किया अपना नया एल्बम सॉन्ग, सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

बॉलीवुड के दिग्गज दिवंगत सिंगर बप्पी लहरी अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा गाए गाने हमेशा बप्पी लहरी को उनके फैंस के दिलों में जिंदा रखेंगे. बप्पी लहरी का एक दौर था जो अब गुजर गया, अब नए युवाओं का दौर आ गया है. इस रेस में बप्पी लहरी के पोते और सिंगल स्वस्तिक बंसल भी जुट चुके हैं. स्वस्तिक बंसल, जिन्हें पेशेवर रूप से 'रेगो बी' के नाम से जाना जाता है, भारत के डिस्को किंग स्वर्गीय बप्पी लहरी के पोते हैं.

रेगो ने 'सुपरस्टिटियस एक्स रेगो' शीर्षक से एल्बम में पहला गाना लॉन्च किया, जो गानों का एक कलेक्शन है. उन्होंने लाइव बैंड के साथ एल्बम शूट किया है. उसी के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, "जस्टिन बीबर, फ्रेडी मर्करी, एडेल, स्टीवी वंडर, चार्ली पुथ, ब्रूनो मार्स और ब्रायन एडम्स से भरा एल्बम कभी किसी ने जारी नहीं किया है, इसमें कई गीत हैं." उन्होंने आगे कहा, "मैं इसे करके बहुत खुश हूं. मुझे विश्वास है कि मेरे दादाजी मुझे देख रहे हैं और मुझे आशीर्वाद दे रहे हैं कि आज मैं अच्छा काम कर रहा हूं."

बारह वर्ष के रेगो ने अपनी एकल 'बच्चा पार्टी' के साथ भारतीय संगीत परिदृश्य में प्रवेश किया, जिसने 5 मिलियन व्यूज पार किए और अपने दादा के साथ सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले टेलीविजन शो 'बिग बॉस' और 'सा रे गा मा पा' में भी दिखाई दिए थे. संगीत की विरासत को आगे बढ़ाते हुए, रेगो लहरी परिवार में संगीतकारों की चौथी पीढ़ी से संबंधित हैं, उनके परदादा बंसारी लहरी- पहली महिला संगीतकार, बप्पी लहरी, रेमा (बप्पी लहरी की बेटी) और बप्पा लहरी (उनके पिता) हैं.

रति अग्निहोत्री को कम उम्र में मिली कामयाबी और बड़ी उम्र में विवाद

अमिताभ बच्चन के साथ कूली में नजर आईं रति अग्निहोत्री आज पूरे 62 साल की हो चुकी हैं। इन्होंने तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी भाषा की करीब 110 फिल्मों में काम किया। वहीं हिंदी फिल्म कूली और एक दूजे के लिए इनकी सबसे यादगार फिल्में रहीं। बरेली, उत्तर प्रदेश में जन्मीं रति ने महज 10 साल की नाजुक उम्र में ही मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया था, वहीं इन्हें 16 की उम्र में फेम मिला था। सालों तक इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं रति को शादी के बाद ससुर की मौत के कारण पति के दबाव में फिल्म इंडस्ट्री छोड़नी पड़ी। रति ने शादीशुदा जिंदगी के लिए ये त्याग तो किया, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं मिला। शादी के 29 साल बाद रति ने पति के खिलाफ जान से मारने की कोशिश करने और हिंसा के आरोप लगाए।

रति की पर्सनल लाइफ भले ही विवादों के नाम रही, लेकिन एक समय ऐसा भी रहा कि इनकी फिल्म एक दुजे के लिए देखकर युवा जोड़े ऐसे प्रभावित हुए कि फिल्म की तरह वो भी आत्महत्या करने लगे। जब इस तरह के मामले बढ़ने तो मेकर्स को क्लाइमैक्स बदलकर फिल्म दोबारा रिलीज करनी पड़ी।

10 साल की उम्र में शुरू किया मॉडलिंग करियर

10 दिसंबर 1960 को रति अग्निहोत्री का जन्म बरेली, उत्तर प्रदेश की एक पंजाबी कंजर्वेटिव फैमिली में हुआ था। स्कूल के दिनों में रति की रुचि थिएटर में बढ़ी और उन्होंने थिएटर के साथ मॉडलिंग भी शुरू कर दी। उस समय रति महज 10 साल की थीं। एक दिन रति का प्ले देखकर तमिल फिल्ममेकर भारती राजा इतने इंप्रेस हुए कि उन्होंने अपनी फिल्म पुदिया वरपुकल ऑफर कर दी। महज 14 साल की रति 1979 की फिल्म पुदिया वरपुकल से तमिल फिल्मों का हिस्सा बनीं। पहली ही फिल्म हिट रही और रति को कई बड़ी फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। इनमें तमिल, कन्नड़ भाषा की फिल्में थीं।

1981 में रखा हिंदी सिनेमा में कदम

डायरेक्टर के बालाचंदर 1978 की तमिल फिल्म म्हारो चरित्र की हिंदी रीमेक बनाना चाहते थे। उन्होंने फिल्म में रति अग्निहोत्री को उस समय के हिट एक्टर कमल हासन के साथ लीड रोल में कास्ट किया।

फिल्म के लिए पी थी केमिकल वाली चाय

फिल्म में सपना बनीं रति अग्निहोत्री को बागी लड़की दिखाया गया था, जो प्यार के लिए परिवार के खिलाफ खड़ी रहती है। फिल्म में एक सीन है जहां सपना की मां वासु यानी कमल हासन की फोटो जला देती है। गुस्से में सपना उस जली फोटो की राख को चाय में मिलाकर पीती है। इस सीन को फिल्माना काफी मुश्किल था, क्योंकि उस केमिकल से बनी फोटो की राख रति को असल में पीनी थी। रति ने परफेक्ट शॉट देने के लिए ऐसा किया भी, लेकिन अफसोस की एक बार में परफेक्ट शॉट नहीं मिल सका। रति को वो केमिकल वाली चाय कई बार पीनी पड़ी। सेट पर मौजूद लोगों को डर था कि ऐसा करने से रति की तबीयत बिगड़ सकती है, लेकिन खुशकिस्मती से ऐसा कुछ नहीं हुआ।

पहली हिंदी फिल्म से रातों-रात स्टार बन गई थीं रति

1981 में रिलीज हुई इस फिल्म से रति रातों-रात स्टार बन गईं। वहीं इस फिल्म के लिए उन्हें पहला बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड का नॉमिनेशन भी मिला। ये फिल्म कमल हासन की भी पहली हिंदी फिल्म थी।

रति की फिल्म देखकर प्रेमी जोडे.करने लगे थे आत्महत्या

5 जून 1981 को रिलीज हुई फिल्म एक दुजे के लिए में रति और कमल ने सपना और वासु नाम के प्रेमियों की भूमिका निभाई। जाति भेद के कारण समाज और परिवार उनके रिश्ते के खिलाफ हो जाता है और दोनों को अलग करने की पूरी कोशिश करता है। दोनों अलग तो हो जाते हैं, लेकिन जब कोई रास्ता नहीं बचता तो दोनों एक साथ पहाड़ से कूदकर आत्महत्या कर लेते हैं।

रति को नहीं था मीटिंग में जाने की इजाजत

जैसे ही फिल्म रिलीज हुई तो इसका प्रेमी जोड़ों पर ऐसा असर पड़ा कि लगातार देशभर से ऐसे ही मामले सामने आने लगे। ऐसे मामलों को रोकने के लिए सरकारी संस्थाओं ने मेकर्स से बात कर क्लाइमैक्स बदलने को कहा। कई मीटिंग हुईं जहां सरकारी ऑफिसर, मेकर्स और कास्ट भी मौजूद होती थी, लेकिन रति को इन मीटिंग में जाने की इजाजत नहीं थी। कारण ये था कि रति उस समय महज 16 साल की थीं। रति की जगह उनके पिता मीटिंग में रहते थे।

पति के कहने पर बना ली फिल्मों से दूरी

1985 में रति अग्निहोत्री ने आर्किटेक्ट अनिल विरवानी से शादी की थी। शादी तक रति ने फिल्मों की शूटिंग की, जो 1888 तक रिलीज हुईं। शादी के कुछ समय बाद ही रति के पिता की मौत हो गई और वो बुरी तरह टूट गईं। इसके बाद उन्होंने पति के कहने पर फिल्मी दुनिया छोड़ दी। 1986 में रति ने बेटे तनुज विरवानी को जन्म दिया। तनुज कई हिंदी टेलीविजन शोज और वेब सीरीज में बतौर एक्टर नजर आए हैं।

2001 में साइड रोल से किया कमबैक

2001 में आई काजोल की फिल्म कुछ खट्टी कुछ मीठी से रति ने फिल्मों में वापसी की। रति के हिस्से में कमबैक के बाद सिर्फ साइड रोल ही आए। 2006 में रति सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा में भी हिस्सा ले चुकी हैं।

29 साल बाद पति पर लगाए थे संगीन आरोप

साल 2015 में रति ने पति के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने बताया कि उनके पति अनिल ने उन्हें चाकू से मारने की कोशिश की। केस होने के बाद रति ने शादी के 29 सालों बाद पति से तलाक ले लिया।

साल 2023 होगा भूमि पेडनेकर के नाम! बैक टू बैक 7 फिल्में हो रही हैं रिलीज

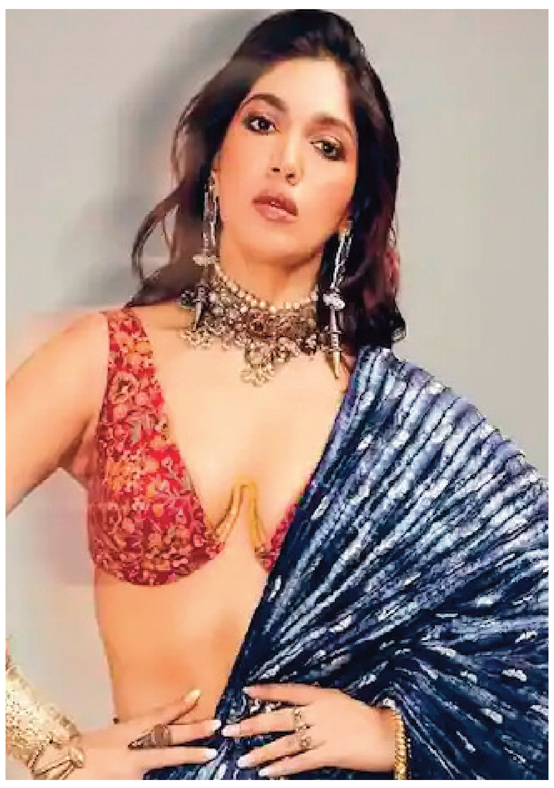

हाल के वर्षों में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कुछ सबसे शानदार परफॉर्मेंस के साथ यंग बॉलीवुड स्टार भूमि पेडनेकर ने बॉलीवुड में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है. इस कैलेंडर इयर में बैक टू बैक 7 फिल्मों की रिलीज के साथ वह अब इंडस्ट्री की सबसे व्यस्त एक्ट्रेसेस में से एक हैं. ऐसा कमाल जो किसी भी लीडिंग बॉलीवुड एक्ट्रेस ने कभी नहीं किया है. भूमि कहती हैं, "हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे सफल एक्टर्स में से एक होना हतप्रद करने वाला लगता है. मुझे गर्व है कि मैं अपनी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प की बदौलत यहां तक पहुंच पाई हूं."

इस बात का कोई पछतावा नहीं

उन्होंने आगे कहा, "बॉलीवुड में एक कंप्लीट आउटसाइडर के तौर पर, आज मैं जहां हूं, वहां तक पहुंचने की यात्रा में थोड़ा समय जरूर लगा है लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मुझे इसका कोई पछतावा नहीं है. मेरी जर्नी मुझे कलाकार बनाती है जो मैं आज हूं और मेरे लिए इससे खुशी की बात कोई और नहीं हो सकती कि आज, मेरे देश के टॉप फिल्ममेकर्स अपने विजन को पूरा करने के लिए मुझ पर भरोसा कर सकते हैं. एक साल में मेरी 7 फिल्में रिलीज हो रही हैं और मुझे पता है कि मैं 7 अलग तरह के, विविध और बेहतरीन परफॉर्मेंस देने जा रही हूं. मुझे उम्मीद है दर्शक इन्हें पसंद करेंगे."

7 बैक टू बैक रिलीज

भूमि, 7 बैक टू बैक रिलीज होने वाली फिल्मों के दबाव का आनंद ले रही हैं! वह कहती हैं, "जब से मैंने दम लगा के हईशा के साथ अपना डेब्यू किया है, तभी से मैंने उन महिला किरदारों को निभाने की चुनौती को एंजॉय किया है, जिनमें महत्वाकांक्षाएं, इच्छाएं और स्ट्रेंथ है. मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि अगले एक साल में मेरे पास सात फिल्में हैं जिनमें मैं महिलाओं के विभिन्न शेड्स वाली भूमिकाओं में दिखूंगी. भीड़, अफवाह, द लेडी किलर, भक्षक, मुदस्सर अजीज की अगली फिल्म, गोविंदा नाम मेरा और एक अन्य घोषित अनटाइटल्ड मूवी जैसी फिल्में इस बात को दिखाएंगी कि मैं उन किरदारों को निभाने में सक्षम हूं."

'शूटिंग करने में बहुत मजा आया'

भूमि का कहना है कि ये 7 फिल्में उन्हें सिनेमा में 7 सशक्त महिलाओं को पेश करने का मौका देंगी! वह कहती है, "एक्टर बनने की इस सचेत च्वाइस, जो पूरी तरह से स्वतंत्र महिलाओं के विभिन्न पक्षों को प्रदर्शित करती है, ने मुझे अपने पसंदीदा फिल्ममेकर्स और को-स्टार्स के साथ काम करने का मौका भी दिया है. मुझे इन फिल्मों की शूटिंग करने में बहुत मजा आया है. मेरी आने वाली फिल्मों के चयन और उनमें निभाए जाने वाले किरदार, मेरे बिलीफ सिस्टम और एक कलाकार के रूप में पर्दे पर महिलाओं को अच्छी तरह से प्रस्तुत करने के लक्ष्य का प्रतिबिंब हैं. मुझे ऐसी स्क्रिप्ट चुनने में मज़ा आता है जो मुझे कंटेंट लैंडस्केप में हलचल मचाने का मौका देती है. मैं निकट भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखूंगी." भूमि की पहली रिलीज 'गोविंदा नाम मेरा', 16 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है.

विक्की डोनर 2 में काम करना चाहते हैं आयुष्मान खुराना

हाल ही में एक्टर आयुष्मान खुराना ने अपनी डेब्यू फिल्म के विक्की डोनर के बारे में बात की। इस दौरान उन्होंने फिल्म का सीक्वल बनाने की इच्छा जाहिर की। विक्की डोनर 2 के बारे में आयुष्मान ने कहा- 'मैं चाहता हूं कि विक्की डोनर 2 लगभग 10 साल बाद बनाई जाए। उस समय तक विक्की के बच्चे बड़े हो जाने चाहिए और विक्की उनसे मिल सकता है।'

रियल लाइफ में स्पर्म डोनेट कर चुके हैं आयुष्मान खुराना

दरअसल आयुष्मान खुराना एक इवेंट में पहुंचे थे। अपनी डेब्यू फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने खुलासा किया कि वो रियल लाइफ में भी स्पर्म डोनेट कर चुके हैं। आयुष्मान ने कहा- उन दिनों इलाहाबाद में रोडीज 2 के दौरान एक टास्क के लिए मैंने स्पर्म डोनेट किया था। मैं इस बात पर हैरान रह गया था कि इंडस्ट्री में इस मुद्दे पर फिल्म बनाई जा रही है। स्पर्म डोनेट करते वक्त मुझे इस बात का कोई भी अंदाजा नहीं थी। शुजित सरकार इस बात से हैरान थे कि मैंने उनसे स्पर्म डोनेशन से जुड़ा कोई सवाल भला क्यों नहीं पूछा।

हॉलीवुड फिल्मों में काम करने पर दिया जवाब

जब आयुष्मान ने उनके हॉलीवुड डेब्यू पर सवाल किया गया तो इस पर उन्होंने जवाब दिया कि अगर फिल्म में उनके किरदार का रिप्रजेंटेशन अच्छा होता है, तो मैं हॉलीवुड फिल्मों में जरूर काम करना चाहूंगा।'

आयुष्मान खुराना के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

वर्कफ्रंट की बात करें तो आयुष्मान जल्द ही ड्रीम गर्ल 2, गुगली, छोटी सी बात और बधाई हो 2 में नजर आएंगे। हाल ही में उनकी फिल्म एन एक्शन हीरो रिलीज हुई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है, ऐसे में आने वाली फिल्मों से फैंस को काफी उम्मीदें हैं।

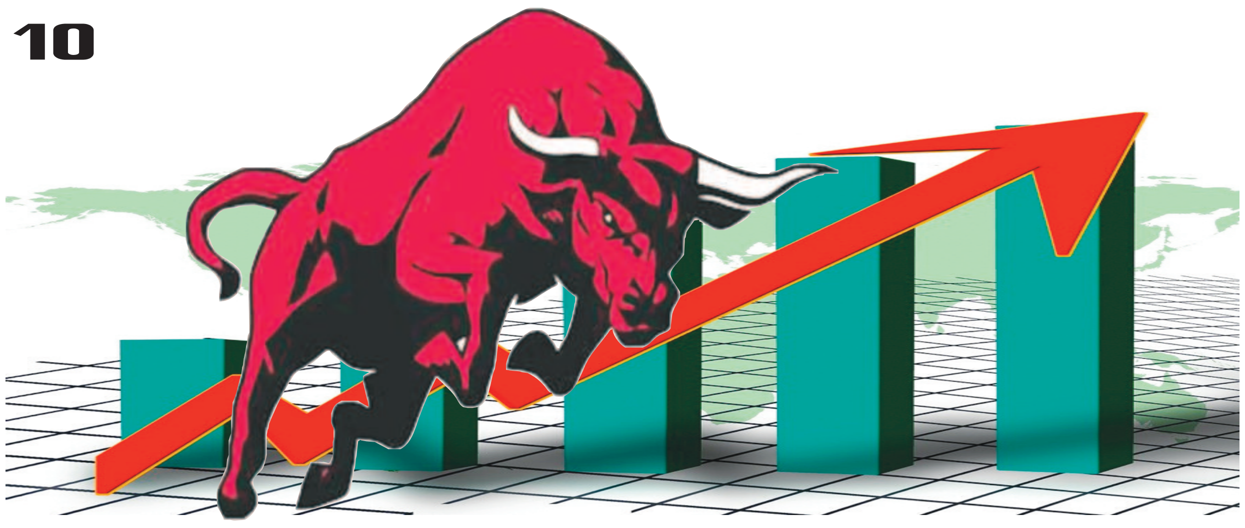

अब जल्द मिलेगी फ्लैट की चाबी! अटके हुए हाउसिंग प्रोजेक्ट्स में फंसे 1.72 लाख घर खरीदारों को मिली राहत

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में संकटग्रस्त आवास परियोजनाओं में फंसे 1.72 लाख घर खरीदारों को मोदी सरकार ने बड़ी राहत दी है। सरकार द्वारा 30 नवंबर 2022 तक स्वामी स्कीम के तहत 28,393 करोड़ रुपये के कुल 286 सौदों को मंजूरी दी है और इससे लगभग 1,72,467 होमबॉयर्स को फायदा होगा। ये सौदे 28,393 करोड़ रुपये के हैं। 8 दिसंबर को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि रुकी हुई परियोजनाओं के घर खरीदारों को राहत देने के लिए और इन्हें पूरा करने के लिए एक विशेष विंडो अफोर्डेबल एंड मिड-इनकम हाउसिंग (स्वामी इन्वेस्टमेंट फंड) बनाया गया है।

इसमें वे सभी प्रोजेक्ट्स शामिल हैं जो रेरा के तहत पंजीकृत हैं।

76,535 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स होंगे अनलॉक

राज्य मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि इसमें वे हाउसिंग परियोजनाएं शामिल हैं जिन्हें गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) के रूप में घोषित किया गया है या इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के तहत राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण के समक्ष कार्यवाही लंबित है। किशोर ने कहा, "30 नवंबर, 2022 तक स्वामी के तहत 28,393 करोड़ रुपये के कुल 286 सौदों को मंजूरी दी गई है और इससे लगभग 1,72,467 होमबॉयर्स को फायदा होगा और 76,535 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को अनलॉक किया जाएगा।

सिलेंडर से होने वाली दुर्घटना में आपको क्या करना चाहिए?

देखें कैसे मिलता है बीमा मुआवजा

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अगर आपके पास रसोई गैस कनेक्शन है, तो आपको ये खबर जरूर पढ़नी चाहिए। आप अपने घर में गैस सिलेंडर का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में आपको इसके उपयोग में बहुत ही सावधानी बरतने की जरूरत है। अगर जाने-अनजाने में आपकी जानकारी में कोई भी गैस सिलेंडर हादसे का शिकार हो जाता है, तो ऐसे समय में क्या करना चाहिए? कैसे हादसे में घायलों को बीमा मुआवजा मिल सकता है? क्या आप ऑयल कंपनी से नुकसान की भरपाई ले सकते हैं? इस तरह के सवाल आपको घेर लेते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि रसोई गैस कनेक्शन लेते समय आपका बीमा हो जाता है। इसे एलपीजी इंश्योरेंस कवर पॉलिसी के नाम से जाना जाता है। आपकी एक छोटी सी गलती बड़ी दुर्घटना को अंजाम दे सकती है। ऐसे में अगर दुर्घटना हो भी जाती है, तो इसको कवर करते हुए सरकार से सिलेंडर पर 40 लाख रुपये का दुर्घटना कवर मिलता है। इस खबर में हम आपको इस बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। रसोई गैस कनेक्शन लेने पर पेट्रोलियम कंपनियां ग्राहक को पर्सनल एक्सीडेंट कवर देती हैं। एलपीजी सिलेंडर से गैस लीकेज या ब्लास्ट के हादसे होने की स्थिति में आर्थिक मदद की जाती है। इस बीमा के लिए पेट्रोलियम कंपनियों की बीमा कंपनियों के साथ साझेदारी रहती है। एलपीजी बीमा कवर में 50 लाख रुपये तक का बीमा कराया जाता है। गैस सिलेंडर की वजह से होने वाली किसी भी दुर्घटना में जान-माल का नुकसान भी जाता है। गैस कनेक्शन के साथ ही आपको 40 लाख रुपये का एक्सीडेंटल बीमा मिलता है। इसमें सिलेंडर फटने से किसी इंसान की मृत्यु होने पर 50 लाख रुपये तक का क्लेम कर सकते हैं। इस हादसे में ग्राहक की प्रॉपर्टी/घर को नुकसान पहुंचता है, तो प्रति एक्सीडेंट 2 लाख रुपये तक का इंश्योरेंस क्लेम मिलता है। इसमें शर्त है कि सिलेंडर जिसके नाम पर है सिर्फ उसी को इंश्योरेंस की राशि मिलती है। इसमें नॉमिनी बनाने का कोई प्रावधान नहीं है।जब आप गैस सिलेंडर लेने जाते हैं, तो आपको कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए। आपका बीमा कवर हुआ है या नहीं, गैस सिलेंडर पर एक्सपायरी डेट जरूर चेक करें। आपको हमेशा एक्सपायरी डेट देखकर ही सिलेंडर लेना चाहिए, क्योंकि ये इंश्योरेंस सिलेंडर की एक्सपायरी डेट से लिंक होता है। क्लेम का फायदा उन्हीं लोगों को मिलता है, जिनके सिलेंडर का पाइप, गैस चूल्हा और रेगुलेटर आईएसआई मार्क का होता है।

स्थान	22 कैरेट गोल्ड (10ग्रा)	24 कैरेट गोल्ड (10ग्रा)	सील्वर (1केजी)
हैदराबाद	49,500 रुपये	54,000 रुपये	71,300 रुपये
बैंगलोर	49,500 रुपये	54,000 रुपये	71,300 रुपये
केरल	49,500 रुपये	54,000 रुपये	71,300 रुपये
विशाखापत्तनम	49,500 रुपये	54,000 रुपये	71,300 रुपये

स्थान	पेट्रोल पर लीटर	डीजल पर लीटर
हैदराबाद	109.67 रुपये	97.82 रुपये
दिल्ली	96.72 रुपये	89.62 रुपये
चेन्नई	102.63 रुपये	94.24 रुपये
मुंबई	106.31 रुपये	97.28 रुपये
बेंगलुरू	101.94 रुपये	87.89 रुपये

ई-नीलामी के जरिए बिकेगी अनिल अंबानी की कंपनी

जानिए कब से शुरू होगा यह प्रोसेस

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल लिमिटेड कर्ज में फंसी है। अब इस कंपनी को लेकर एक बड़ा अपडेट आया है। कंपनी की नीलामी की जाने की प्रक्रिया की शुरुआत हो गई है। इसके लिए बोली लगाने वाले लोगों के लिए ई-नीमाली की प्रक्रिया को लगभग अंतिम रूप दे दिया गया है। आरसीएल की संपत्ति की नीलामी 19 दिसंबर से की जाएगी। ऐसे में इस काम के लिए लगभग तैयारियां पूरी कर ली गई है। यह एक ई-नीमाली होगा। कंपनी को खरीदने के लिए कोस्मिया-पीरामल ने 5,300 करोड़ रुपये की पेशकश की है। ऐसे में इस ई-नीमाली में इस अमाउंट को बेस प्राइस रखा गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि 19 दिसंबर से यह बोली शुरू होकर 21 दिसंबर 2022 तक खत्म हो जाएगी।पहले राउंड की बोली खत्म होने के बाद दूसरे राउंड के लिए पहली बोली के बेस्ट बोली प्राइस से 750 करोड़ रुपये ज्यादा रखा जाएगा। वहीं तीसरे राउंड में अंतिम बेस्ट बोली से 500 करोड़ रुपये अधिक रखने की प्लानिंग है। इसके साथ ही इस नीमाली में मिनिमम बोली 250 करोड़ रुपये की होनी चाहिए।

कंपनी ने बैंक के 2,400 करोड़ किए डिफॉल्ट

ध्यान देने वाली बात ये है कि रिलायंस कैपिटल ने पिछले साल बैंक के 2,400 करोड़ रुपये के लोन को डिफॉल्ट किया है। यह पहला मौका है जब इतनी बड़ी डिफॉल्ट करने वाली कंपनी की ई-नीलामी की प्रक्रिया शुरू की गई है।

इन सभी प्रक्रिया को दिवालियापन कोड, 2016 के अनुसार कंडक्ट किया जा रहा है।

कंपनी को अच्छी बोली मिले इसके लिए भारतीय जीवन बीमा निगम और ईपीएफओ ने कंपनियों को ज्यादा से ज्यादा बोली लगाने को कहा है।

हेलीकॉप्टर खरीद घोटाले में सरकार की कार्रवाई

जिम्मेदार कंपनी के साथ सौदों को किया निलंबित

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय ने सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय की ओर से जांच की जा रही अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर घोटाले के संबंध में डेफसिस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ व्यापारिक सौदे निलंबित कर दिए हैं। रक्षा मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि सीबीआई जांच के आलोक में उक्त कंपनी के खिलाफ अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर खरीद केस में जांच चल रही है। इसे ध्यान में रखते हुए मंत्रालय ने उक्त कंपनी के साथ अपने सभी व्यापारिक संबंधों को स्थगित करने का फैसला लिया है। रक्षा मंत्रालय की ओर से विभाग में प्रतिबंधित और जिन कंपनियों के साथ व्यापारिक संबंध स्थगित किया गया है उनकी सूची भी जारी की गई है। मंत्रालय के अनुसार उसके सभी विंग और सर्विस हेडक्वाटर्स ताजा निर्देशों का सख्ती से पालन करें। रक्षा मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी की गई निषिद्ध या निलंबित फर्मों की ताजा सूची में सुशेन गुप्ता की ओर से संचालित डेफिस सॉल्यूशंस शामिल हैं। सुशेन गुप्ता को ईडी ने मार्च 2019 में 12 वीवीआईपी हेलीकॉप्टर्स की आपूर्ति के लिए 2010 में किए गए 3,546 करोड़ रुपये के सौदे में कथित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी। बता दें कि सितंबर 2016 में 36 राफेल लड़ाकू विमानों के लिए 7.8 बिलियन यूरो (59,000 करोड़ रुपये) के अनुबंध में 50% ऑफसेट के निर्वहन के लिए डसॉल्ट एविएशन के कई उप-ठेकेदारों में से एक के रूप में डेफसिस सॉल्यूशंस का नाम भी सामने आया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृश्चिक	में	वृश्चिक.	04-48 बजे
चंद्र-	मिथुन	में	धनु---	07-02 बजे
मंगल	वृष	में	मकर-	09-06 बजे
बुध-	धनु	में	कुंभ -	11-07 बजे
गुरु-	मीन	में	मीन...	12-35 बजे
शुक्र-	धनु	में	मेष--	14-10 बजे
शनि-	मकर	में	वृष--	15-56 बजे
राहु-	मेष	में	मिथुन..	17-57 बजे
केतु-	तुला	में	कर्क...	20-08 बजे
			सिंह...	22-21 बजे
			कन्या..	23-31 बजे
			तुला	02-37 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549**, हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल-पश्चिम -पान खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया - **16 -14** तक उपरान्त चतुर्थी
मास - पौष कृष्ण पक्ष, रविवार **Dec 11**
नक्षत्र - पुनर्वसु-**20 - 35** - तक उपरान्त पुष्य
योग - ब्रह्म - **05 - 14** - तक उप- ऐन्द्र
करण- विष्टि - **16 - 14** - तक उप- बव
विशेष:- पौषी चतुर्थी व्रत
व्रत -त्योहार - रवि पुष्य योग रात-**8 -35** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:18 से 17:42 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	06:39 - 08:00	अशुभ	शुभ	17:38 - 19:19	शुभ
चंचल	08:00 - 09:23	शुभ	अमृत	19:19 - 20:56	शुभ
लाभ	09:23 - 10:46	शुभ	चंचल	20:56 - 22:33	शुभ
अमृत	10:46 - 12:09	शुभ	रोग	22:33 - 00:10	अशुभ
काल	12:09 - 13:32	अशुभ	काल.	00:10 - 01:47	अशुभ
शुभ	13:32 - 14:55	शुभ	लाभ	01:47 - 03:24	शुभ
रोग	14:55 - 16:18	अशुभ	उत्पात	03:24 - 05:01	अशुभ
उत्पात	16:18 - 17:38	अशुभ	शुभ	05:01 - 06:39	शुभ

सर्दियों के सीजन में भी अंडे का दाम स्थिर

जानिए दिल्ली में कितने में मिल रहा अंडा

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। दिसंबर का महीना चल रहा है, ऐसे में देश के उत्तरी राज्यों में जबरदस्त ठंड पड़ रही है। सर्दियों का सीजन शुरू होते ही अंडे की खपत बढ़ जाती है। लोग ठंड से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा अंड का सेवन करते हैं क्योंकि यह शरीर में गरमाहट लाता है। अगर आप भी डेली अंडा खरीदते हैं तो जान ले कि आज देश के अलग-अलग हिस्सों में अंडा का प्राइस क्या है। सबसे पहले बात करते हैं देश की राजधानी दिल्ली की तो यहां 10 दिसंबर 2022 के दिन शनिवार को 100 अंडा 576 रुपये में बिक रहा है। वहीं एक अंडे का प्राइस 5.76 रुपये है। वहीं एक दर्जन अंडा राजधानी दिल्ली में 69.12 रुपये में बिक रहा है। वहीं दिल्ली में अगर आप थोक या मंडी से अंडा खरीदते हैं तो आपको प्रति अंडे 5.76 रुपये प्रति अंडा देना होगा। वहीं रिटेल प्राइस में प्रति अंडा 6.09 रुपये प्रति अंडे के हिसाब से बिकता है। वहीं अगर आप सुपर मार्केट में अंडा खरीदते हैं तो आपको प्रति अंडे के लिए 6.27 रुपये देना होगा। आपको बता दें कि आने वाले समय में ठंड बढ़ने के साथ ही अंडे की डिमांड में भी इजाफा होने की उम्मीद है। ऐसे में लोगों को दिसंबर के आखिरी महीने तक और जनवरी में अंडा के लिए ज्यादा पैसे चुकाने पड़ेंगे। गौरतलब है कि 20 नवंबर 2022 को अंडे प्राइस दिल्ली में 5.43 रुपये प्रति अंडा था।

क्रेडिट कार्ड का बकाया पेमेंट करने से चूक गए तो न हों परेशान

जुर्माना नहीं लगेगा, जानिए नियम

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। डिजिटल भुगतान से बिल पेमेंट करना आसान हो चुका है, लेकिन एक ही महीने में कई सारे बिल को एक साथ भरने में असुविधा हो सकती है। वहीं अगर आपके पास एक से अधिक क्रेडिट कार्ड हैं तो आप किसी भी क्रेडिट कार्ड के बिल को भरना भूल सकते हैं। ऐसे में क्रेडिट कार्ड का बिल पेमेंट नहीं होने पर परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुसार, क्रेडिट कार्ड जारी करने वाली संस्था या बैंक केवल लेट पेमेंट का ही चार्ज ले सकते हैं। बैंक यह चार्ज लेट पेमेंट मिस करने के तीन दिन बाद से ही वसूल सकते हैं। 21 अप्रैल 2022 को जारी क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड से जुड़े निर्देश के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक कहता है कि कार्ड जारीकर्ता क्रेडिट लेट पेमेंट चार्ज तभी लगा सकते हैं जब क्रेडिट कार्ड खाता में बकाया का भुगतान तीन दिनों से अधिक समय तक नहीं किया है। ऐसे में अगर आप अंतिम डेट तक नहीं चुका पाते हैं तो तीन दिन बाद तक भी भुगतान कर सकते हैं और जुर्माने से बच सकते हैं। अगर आप क्रेडिट कार्ड पेमेंट के तय डेट से तीन दिन बाद भी बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहते हैं तो देर से भुगतान शुल्क लिया जाएगा। यह लेट पेमेंट चार्ज आमतौर पर अगले बिलिंग में जोड़ा जा सकता है। वहीं बैंक या क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता देर से भुगतान शुल्क की मात्रा तय करते हैं। बैंक और क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता आमतौर पर बकाया राशि के आधार पर देर से भुगतान शुल्क के रूप में एक निश्चित राशि वसूलते हैं। बिल की राशि जितनी अधिक होगी, विलंब शुल्क उतना ही अधिक होगा। मान लीजिए अगर किसी के पास एसबीआई का कार्ड है और बकाया राशि 500 रुपये से अधिक और 1 हजार रुपये से कम है तो एसबीआई कार्ड 400 रुपये का विलंब शुल्क लगाएगा। अगर बकाया 1,000 रुपये से अधिक और 10,000 रुपये से कम है तो 10,000 रुपये और 25,000 रुपये से अधिक की बकाया राशि के लिए 950 रुपये चार्ज लेगा। इसी तरह, 25 हजार रुपये से अधिक और 50 हजार रुपये से कम की बकाया राशि के लिए 1,100 रुपये और 50 हजार रुपये से अधिक की बकाया राशि के लिए 1 हजार 300 रुपये का चार्ज वसूला जाएगा।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — दिन आपके लिए अच्छा रहेगा, लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों। ऐसा सोचना प्राक्रतिक है, लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी। यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें। दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है। केवल सही होना ही काफी नही है, आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है। अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता। अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें, इससे जो निष्कर्ष निकलेगा, उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी। अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते। इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ। इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें। अपनी प्राक्रतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा। आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है। विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा। इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें। इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे। अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी। इससे परेशान न हों, आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे। आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — एकरसता आपको अच्छी न लगती। इससे आप बोर अनुभव करते हैं। आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे। अपनी दिनचर्या बदलें। इसमें फिटनेस को जगह दें। किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं। आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें। ऑफिस में नयी पहचान बनेगी।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है। आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है, आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है। लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — आप आजकल हर किसी की नजर में हैं। जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे। इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं। यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ। हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — विभिन्न दिशाओं में आकर्षित अनुभव कर रहे हैं और समझ नही पा रहे कि क्या किया जाना चाहिए? यह परेशानी आज और ज्यादा बढ़ेगी और आपके लिए फैसला लेना और भी मुश्किल हो जाएगा। आपको सावधानी से काम लेना होगा क्योंकि आपके फैसले लेने की क्षमता भावनाओ और दुसरे कारणों से प्रभावित हो सकती है।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा। आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए। अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं, लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें। आपकी महत्वकाक्षाएं बढ़ गई हैं और आप उन्हें जितनी जल्दी हो सके, पूरे कर लेना चाहते हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

कारों की बिक्री 21% और दोपहिया की 24% बढ़ी

नवंबर में घरेलू बाजार में 23.80 लाख यानी हर सेकंड एक वाहन बिका

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। त्योहारों का सीजन निकलने के बाद भी देश में गाड़ियों की बिक्री तेज रफ्तार से बढ़ी है। नवंबर में हर सेकंड एक वाहन बिका और कुल बिक्री 23.80 लाख के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई। यह बीते साल नवंबर की तुलना में 26% ज्यादा है। बीते माह दोपहिया की बिक्री में 23.61% बढ़ोतरी हुई और कारों की बिक्री 21.31% बढ़ी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के मुताबिक नवंबर में कुल 23,80,465 वाहन बिके। अक्टूबर की तुलना में भी वाहनों की बिक्री 13.65% बढ़ी है। फाडा के अधिकारियों के मुताबिक नवंबर की रिटेल बिक्री भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के इतिहास में मार्च 2020 को छोड़कर अब तक की सबसे शानदार रही। शुक्रवार को जारी फाडा के आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर के 30 दिनों में नवरात्रि से दिवाली तक त्योहारों के 42 दिनों के मुकाबले ज्यादा वाहन बिके। त्योहारों में कुल 28,88,131 यानी रोजाना 68,765 वाहन बिके। इसके मुकाबले नवंबर में रोजाना 79,349 वाहनों की बिक्री हुई।

फाडा के प्रेसिडेंट मनीष राज सिंघानिया ने दैनिक भास्कर को बताया कि आमतौर पर त्योहार बाद के महीने में वाहनों की बिक्री थोड़ी सुस्त पड़ती है, लेकिन इस साल ऐसा नहीं हुआ। इस साल काफी शादियां हो रही हैं। इसके अलावा अच्छी फसल की उम्मीद में ग्रामीण इलाकों में वाहनों की मांग बढ़ी है। वहीं अर्थव्यवस्था में सुधार के बाद लोगों के पास अतिरिक्त खर्च के लिए पैसा है। यही वजह है कि महंगाई के बावजूद टू-व्हीलर से लेकर हर तरह के वाहनों की बिक्री बढ़ी है। बैटरी की कीमतें बढ़ने से देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के दाम 7-10% बढ़ सकते हैं। इसके चलते सस्ती EV को बढ़ावा देने की मुहिम को झटका लग सकता है। ब्लूमबर्ग एनईएफ के मुताबिक, इस साल दुनियाभर में लिथियम आयन बैटरी पैक औसतन 7% महंगे हुए हैं। लेकिन भारत में ईवी बैटरी की कीमतें 50-60% बढ़ गई हैं।

मारुति सुजुकी के बाद अब टाटा मोटर्स भी अगले महीने यानी नए साल से अपनी कारों के रेट बढ़ा सकती है। कंपनी अपने सभी मॉडलों की कीमतों को जनवरी 2023 से बढ़ाने का प्लान बना रही है। इस बात का हिंट टाटा मोटर्स के पैसेंजर और इलेक्ट्रिक व्हीकल के मैनेजिंग डायरेक्टर शैलेश चंद्रा ने एक इंटरव्यू में दिया है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया है कि कारों की कीमतों को कितना बढ़ाया।

ट्विटर पर दुष्प्रचार थमा

राजीव चंद्रशेखर बोले- अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर किया जा रहा था दुरुपयोग

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर के दुष्प्रचार का हथकंडा अब थम गया है और ऐसी चीजें भारत में पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। उन्होंने कहा कि 'ट्विटर फाइल्स' के खुलासे से इस बात के सबूत मिलते हैं कि इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग किया जा रहा था और यह अलग-अलग लोगों के खिलाफ भेदभावपूर्ण तरीके से काम कर रहा था। चंद्रशेखर ने कहा, ''इससे पता चलता है कि प्लेटफॉर्म न केवल कंटेट को इधर-उधर करने में बल्कि बातचीत को एक रूप देने में भी शामिल था। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर दुष्प्रचार का यह हथकंडा अब थम गया है।''

'ब्लैक लिस्ट' तैयार करती थी ट्विटर के कर्मचारियों की टीम

'ट्विटर फाइल्स' नामक रिपोर्ट से पता चलता है कि ट्विटर के कर्मचारियों की टीम 'ब्लैक लिस्ट' तैयार करती थी, नापसंद किए गए ट्वीट्स को 'ट्रेंड' होने से से रोकती थी। और ये सभी चीजें गोपनीय रूप से बिना यूजर्स को बताए की जाती थी। इस खुलासे को ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया है।

शेख हसीना के खिलाफ सड़क पर उतरे हजारों लोग

बांग्लादेश में विपक्ष कर रहा चुनाव की मांग, हजारों विरोधियों को जेल में डाल चुकी सरकार

ढाका, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ हजारों की तादाद में लोग सड़कों पर उतरे हैं। वहां विपक्ष की बुलाई गई रैली में पहुंचे इन लोगों ने शेख हसीना से इस्तीफे की मांग की है।

लोकल मीडिया के मुताबिक बांग्लादेश के मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने फिर से चुनाव कराने की मांग को लेकर एक रैली का आय़ोजन किया था। जो ढाका के गोलापबाग मैदान में हुई। इल रैली में लोगों ने जमकर 'शेख हसीना वोट चोर है' के नारे लगाए।

कल BNP के हेडक्वार्टर में घुस गए थे सुरक्षा बल

बांग्लादेश में विपक्ष काफी समय से बिजली कटौती और बढ़ते पेट्रोल-डीजल के दामों को लेकर प्रदर्शन कर रहा है। जो हाल ही में और तेज हो गए। इसी के चलते कल यानी शुक्रवार को सुरक्षा बल BNP के हेडक्वार्टर में घुस गए। सुरक्षा बलों की इस

शेख हसीना 2009 से बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हैं

रेड में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इसके कारण विपक्ष में नाराजगी और बढ़ गई।

विपक्ष का दावा 2 लाख लोग रैली में आए

अलजजीरा से बात करते हुए BNP पार्टी के अधिकारी ने दावा किया की शेख हसीना के खिलाफ हुई रैली में 2 लाख लोग शामिल हुए। जबकि ढाका में पुलिस प्रवक्ता फारुख अहमद ने इस दावे को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि मैदान की क्षमता केवल 30 हजार लोगों की है।

बांग्लादेश में 2024 में होना है चुनाव

बांग्लादेश में नया जनरल इलेक्शन जनवरी 2024 में होगा। प्राइम मिनिस्टर शेख हसीना वाजेद ने इसका ऐलान किया है। हसीना 2009 से बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हैं और लगातार पांचवी बार PM पद की दावेदार हैं।

हसीना ने मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश अवामी पार्टी (BNP) पर आरोप लगाया कि उसके नेता मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए मुल्क का पैसा दूसरे देशों में भेज रहे हैं और इसमें सबसे बड़ा नाम अवामी पार्टी की नेता खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान का है।

कैसी है बांग्लादेश की संसद

बांग्लादेश की संसद को 'जातियो संगसद' या हाउस ऑफ द नेशन कहा जाता है। इसकी नई बिल्डिंग 15 फरवरी 1982 में तैयार हुई। यह 200 एकड़ में बनी है। संसद में कुल 350 सीटें हैं और इनमें से 50 महिलाओं के लिए रिजर्व हैं। दुनिया में बांग्लादेश ही एकमात्र ऐसा मुस्लिम मेजॉरिटी नेशन है, जिसने अपनी संसद में खासतौर पर महिलाओं के लिए सीटें रिजर्व रखी हैं।

फिलहाल, शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग है। इसके पास 302 सीटें हैं। इसके बाद हुसैन इरशाद की जातिया पार्टी है। इसके पास 26 सीटें हैं। खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी के पास इस वक्त महज 7 सांसद ही हैं। संसद का कार्यकाल भारत की तरह ही पांच साल का होता है। इमरजेंसी में इसे बढ़ाया भी जा सकता है।

ड्रोन किलर मेजर वादिम बना यूक्रेन का हीरो

बहादुरी के लिए मिलेगा गोल्डन स्टार, खून से लथपथ चेहरे के साथ ली थी सेल्फी

कीव, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन की जंग में रूस पर भारी पड़ने के लिए मशहूर मेजर वादिम वोरोशिलोव को राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने यूक्रेन का हीरो घोषित किया है। रूसी हवाई सेना का निडर होकर सामना करने के लिए यूक्रेन ने उन्हें ऑर्डर ऑफ द गोल्डन स्टार का भी सम्मान दिया है।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वादिम को सम्मान देने की घोषणा में बताया कि यह अवॉर्ड पूरी बहादुरी से यूक्रेन की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने के लिए दिया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि वादिम ने पूरी बहादुरी के साथ यूक्रेन के लोगों की सेवा की है।

जलते हुए मिग में बैठकर खून से लथपथ चेहरे के साथ पोस्ट की थी सेल्फी

अक्टूबर के महीने में वादिम की एक सेल्फी यूक्रेन में काफी वायरल हुई थी। जिसके बाद वो यूक्रेन के लोगों में काफी मशहूर

हो गए थे। फोटो में वो खून से लथपथ चेहरे के साथ जलते हुए मिग फाइटर विमान में बैठकर सेल्फी लेते दिख रहे थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी यह सेल्फी रूस से लड़ाई के बाद घायल होने की थी। युद्ध के दौरान उन पर रूस की तरफ से अटैक हुआ जिसके बाद उनकी फाइटर प्लेन मिग में आग लग गई और सिर पर भी चोट आई। इतने मुश्किल हालात में भी थम्स अप कर सेल्फी लेने के कारण यूक्रेन के लोगों ने उनके हौसल की तारीफ की थी।

कम सैलरी के कारण 2021 में नहीं बढ़ाया था मिलिट्री कॉन्ट्रेक्ट

मेजर वादिम वोरोशिलोव उन पायलेट्स में शामिल थे जिन्होंने साल 2021 में कम सैलरी और ज्यादा काम होने के कारण अपने मिलिट्री कॉन्ट्रेक्ट को बढ़ाने से मना कर दिया था।

दरअसल पिछली साल यूक्रेन ने वादिम के साथ कई और एयर फोर्स के पायलेट्स को पांच साल के लिए सर्विस बढ़ाने का मौका दिया था। लेकिन इसे कई वजहों से वादिम ने स्वीकार नहीं किया था। ऑफर को ठुकराते हुए वादिम ने कहा था कि जब भी कोई प्लेन क्रैश होता है तो सरकार हमेशा पायलेट्स पर आरोप लगाती है। चाहे इसके पीछे कोई तकनीकी खराबी ही क्यों न हो।

ड्रोन किलर के नाम से मशहूर हैं मेजर वादिम वोरोशिलोव

रूस पर लगातार आरोप लग रहे हैं कि वो ईरान के ड्रोन की मदद से यूक्रेन की एनर्जी स्पलाई को तबाह कर रहा है। इन ड्रोन से निपटने में मेजर वादिम ने महारथ हासिल कर ली है। रिपोर्ट के मुताबिक एक हफ्ते में उन्होंने इस तरह के पांच ड्रोन को शूट कर गिराया था। जिसके बाद यूक्रेन के लोग उन्हें ड्रोन किलर कहते हैं।

अमेरिका ने माना- भारत सहयोगी ही नहीं, बड़ी शक्ति होगा

व्हाइट हाउस एशिया के संयोजक ने बोले- भारत की अपनी अलग रणनीतिक पहचान है

वॉशिंगटन, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने कहा है कि भारत केवल अमेरिका का सहयोगी नहीं, बल्कि एक बड़ी ताकत होगा। व्हाइट हाउस एशिया के को-ऑर्डिनेटर कर्ट कैंपबेल ने गुरुवार को कहा- पिछले 20 साल में भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में न केवल तेजी आई, बल्कि रिश्ते भी बेहद मजबूत हुए हैं।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंध केवल चीन को लेकर चिंता के कारण नहीं बने हैं, बल्कि हमारे समाजों के बीच महत्वपूर्ण तालमेल पर आधारित हैं। भारत की तुलना में अन्य किसी देश के साथ द्विपक्षीय संबंधों में इतनी मजबूत नहीं हुई है।

कैंपबेल बोले- भारत एक और बड़ी ताकत बनेगा

कैंपबेल ने कहा कि अमेरिका को तकनीक और अन्य मुद्दों पर एक साथ काम करते हुए अपनी क्षमता का और भी ज्यादा निवेश करने और लोगों के बीच संबंधों

को बढ़ाने की जरूरत है। भारत की अपनी अलग रणनीतिक पहचान है। भारत स्वतंत्र, ताकतवर राष्ट्र बनने की क्षमता रखता है। वह एक और बड़ी ताकत बनेगा।

कैंपबेल ने कहा कि हमें अंतरिक्ष, शिक्षा, जलवायु परिवर्तन या फिर तकनीक के मुद्दे पर एक साथ काम करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने माना कि राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके प्रशासन ने जब क्वाड को लीडर के लेवल पर ले जाने का फैसला किया तो भारत का नजरिया अस्पष्ट था।

बाइडेन के भाषणों का हिंदी में होगा अनुवाद

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के भाषणों को हिंदी और दूसरी एशियाई भाषाओं में ट्रांसलेट करने की मांग की जा रही है। प्रेजिडेंशियल कमिशन ने राष्ट्रपति कार्यालय के सामने अपने विचार रखे हैं। जिनमें कहा है कि अमेरिका की राजनीति में लगातार एशियाई मूल के लोगों की भूमिका बढ़ रही है।

ऐसे में राष्ट्रपति के भाषण उनकी भाषाओं में मौजूद होने चाहिए। फिलहाल राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के भाषण केवल अंग्रेजी में होते हैं।

जिसके चलते उनके संदेश 2 करोड़ से ज्यादा लोगों तक उनकी मूल भाषा में नहीं पहुंच पाता है। राष्ट्रपति के एडवाइजरी कमिशन के सामने यह प्रस्ताव अमेरिकी-भारतीय कम्युनिटी के नेता अजय जैन भुटोरिया ने रखा था। जिसे कमिशन ने स्वीकार कर लिया।

दुल्हन को शादी के तोहफे में गधा : पाकिस्तान के यूट्यूबर ने नई नवेली पत्नी को बेबी डंकी गिफ्ट किया

इस्लामाबाद, 10 दिसंबर (एजेंसियां)।पाकिस्तान के एक यूट्यूबर ने अपनी नई नवेली दुल्हन को बड़ा अजीब शादी का तोहफा दिया। इन महाशय का नाम है अजलान शाह और इनकी शरीक-ए-हयात यानी पत्नी का नाम है वरीशा।

अजलान ने शादी के वक्त वरीशा को जो तोहफा दिया वो कोई बहुत महंगी रिंग या ज्वैलरी नहीं है। दरअसल, ये एक गधे का बच्चा यानी बेबी डंकी है। खास बात यह भी है कि गधे का यह बच्चा अकेला न रहे, इसलिए अजलान इस बेबी डंकी की मां को भी साथ ले आए। अजलान के इस तोहफे और वरीशा के रिएक्शन के लिए आप ऊपर क्लिक करके वीडियो भी देख सकते हैं।

अजलान शाह पाकिस्तान के मशहूर यूट्यूबर हैं। उनके कई शॉर्ट वीडियो वायरल भी हुए। पिछले दिनों उन्होंने वरीशा जावेद से निकाह किया। निकाह के बाद दावत-ए-वलीमा (शादी की दावत) हुई।

इस वेडिंग रिसेप्शन में अजलान ने अपनी हमसफर-हमकदम वरीशा को उनकी पसंद का गिफ्ट दिया। ये एक जानवर है। गधे का बच्चा। अजलान और वरीशा दोनों ही जानवरों से बहुत प्यार करते हैं।

अब सोशल मीडिया पर कुछ लोग अजलान के इस कदम की तारीफ कर रहे हैं तो कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें वरीशा को मिला तोहफा नागवार गुजर रहा है। बहरहाल, अजलान और वरीशा तो खुश हैं। कहा जा रहा है कि इस रिसेप्शन में पाकिस्तानी शो-बिज इंडस्ट्री की कई मशहूर हस्तियां भी शामिल हुईं।

अजलान के गिफ्ट और वरीशा के रिएक्शन का वीडियो भी सामने आया है। इनके बीच क्या बातचीत हुई....चलिए आपको बताते हैं। अजलान रिसेप्शन में टहलते हुए आते हैं। फिर कहते हैं...कहां है यार गिफ्ट? हारिस प्लीज तुम लेकर आओ यार गिफ्ट।

सामने से एक शख्स रस्सी से बांधे गए बेबी डंकी को लाता है। इसी वक्त वरीशा पहली बार कैमरे के सामने नजर आती हैं। वो इस गधे के बच्चे के सिर पर हाथ फेरकर उसे दुलारती हैं।

अजलान फिर वरीशा से मुखातिब होते हैं और कहते हैं- अब सवाल ये कि गधा ही क्यों? इस पर वरीशा कहती हैं- क्योंकि ये मुझे पसंद है। फिर अजलान कहते हैं- ये दुनिया का सबसे मेहनती और प्यारा जानवर है। मुझे जानवर बहुत पसंद हैं। अब लोग चाहे जो भी बोलें, मुझे उनकी परवाह नहीं है। ये मेरा स्पिरिट एनिमल है। प्लीज इसका मजाक न बनाएं। इसके बाद दोनों बॉलीवुड सॉन्ग 'एक मैं और एक तू, दोनों मिले इस तरह....' पर डांस करते हैं। इसके बाद एक और बॉलीवुड नंबर बैकग्राउंड में गूंजता है- मेरे महबूब मेरे सनम, शुक्रिया मेहरबानी करम...।

बीबीसी से बातचीत में अजलान ने कहा- लोग सवाल करते हैं कि मैंने वरीशा से ही शादी क्यों की और गधा ही गिफ्ट में क्यों दिया? इसका जवाब ये है कि मेरी तरह वरीशा भी एनिमल लवर है। मेरी जैसी आदतें हैं तो शायद कोई दूसरी लड़की ये सब बर्दाश्त नहीं करती। मैं कभी सांपों के साथ रहता हूं, तो कभी मगरमच्छों या फिर छिपकलियों के साथ।

अजलान आगे कहते हैं- वरीशा ने एक बार मुझे बताया था कि उसे गधे बहुत पसंद हैं। मेरी मां को भी गधों से प्यार है। एक दिन मैं धोबीघाट गया और वहां से 30 हजार रुपए में यह गधे का बच्चा खरीदा। अब लोगों को जो कहना है, जो करना है- वो करते रहें। मैंने तो अपनी बेगम को सरप्राइज दे दिया है। वो हमारे घर में अकेला न रहे, इसलिए उसकी मां को भी साथ ले आया हूं। अब उन्हें मेहनत करने की जरूरत नहीं है। मेरे फॉर्महाउस पर आराम से रहेंगे और ऐश करेंगे।

बात आगे बढ़ाते हुए शाह कहते हैं- ये हमारा गोद लिया बच्चा है। बेगम इसका नाम माफिन रखना चाहती हैं, लेकिन मैं इसे गुड्डू कहना चाहता हूं। नाम तो थोड़ा देसी होना चाहिए। बहरहाल, नाम क्या रखा जाए, इस पर माथापच्ची चल रही है।

फ्रांस में अब फ्री में मिलेंगे कंडोम : सेक्सुअल इन्फेक्शन और अनचाही प्रेग्नेंसी पर लगाम लगाने की कोशिश

पेरिस, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 18 से 25 साल के सभी युवाओं को फ्री में कंडोम उपलब्ध कराने की घोषणा की है। जनवरी से फ्रांस के युवाओं को कंडोम खरीदने के लिए पैसे नहीं देने होंगे। इस फैसले की वजह फ्रांस में एड्स और दूसरे सेक्सुअली ट्रांसमिटेड इंफेक्शन (एसटीआई) को फैलने से रोकना है। साथ ही अनचाही प्रेग्नेंसी पर भी लगाम लगाना है।

मैक्रों ने 2030 तक फ्रांस को 'नए एचआईवी मामलों से मुक्त' करने का लक्ष्य रखा है। फ्रांस में 2020 और 2021 में सेक्सुअली ट्रांसमिटेड इन्फेक्शन के मामलों में 30 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई थी। वहीं 2021 में एचआईवी के करीब 5000 नए मामले रिकॉर्ड किए गए थे।

26 से कम की महिलाओं के लिए गर्भनिरोधक फ्री

इसी साल सरकार ने 26 साल तक की सभी महिलाओं के लिए गर्भनिरोधक फ्री कर दिए थे। जिससे कोई लड़की या महिला पैसे ना होने के कारण गर्भनिरोधक से वंचित ना रहे। इसका फायदा करीब 30 लाख लड़कियों और महिलाओं को मिलेगा।

इससे पहले 18 साल से कम उम्र की लड़कियों को ही गर्भनिरोधक फ्री में मिलते थे। फ्रांस में एसटीआई पर लगाम लगाने के लिए और भी कई स्वास्थ्य अभियान चलाए जा रहे हैं। फ्रांस में युवा एसटीआई होने की आशंका होने पर फ्री में जांच करा सकते हैं।

राष्ट्रपति मैक्रों ने इसे रोकथाम की दिशा में एक छोटी क्रांति बताया है। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस

यौन शिक्षा के मामले में बहुत अच्छा नहीं है।

हकीकत थ्योरी से बहुत अलग होती है। इस क्षेत्र में हमें लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। पिछले साल हुई एक स्टडी में सामने आया था कि फ्रांस में हर चार में एक युवा नए साथी के साथ संबंध बनाते समय कंडोम का प्रयोग बिल्कुल नहीं करते हैं या कभी-कभी ही करते हैं।

फ्रांस के युवाओं में बढ़ रहे एसटीआई के मामले

फ्रांस के युवाओं में क्लैमाइडिया और गोनोरिया जैसी एसटीआई लगातार बढ़ रही है। 2012 से 2016 के बीच क्लैमाइडिया और गोनोरिया के मामलों में तीन गुना से ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई थी।

2012 में क्लैमाइडिया के 76,918 मामले सामने आए थे जो 2016 में बढ़कर 267,097 हो गए थे। वहीं गोनोरिया के 2012 में 15,067 मामले सामने आए थे जो 2016 में बढ़कर 49,628 हो गए थे। वहीं 2017 से 2019 के बीच 15 से 29 साल के युवाओं में एसटीआई के 45 फीसदी ज्यादा मामले देखे गए।

अमेरिका में दस साल में दुगने हुए मामले

अमेरिका के युवाओं में कंडोम का उपयोग ना करने की आदत बढ़ रही है। जिससे एसटीआई के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। 2021 में सिफलिस, क्लैमाइडिया और गोनोरिया के लगभग 25 लाख मामले सामने आए। इन मामलों की संख्या एक दशक में दुगनी हो गई है। इनमें से आधे से ज्यादा मामले 15 से 24 साल के युवाओं में मिले।

भारत में 2010 से 2019 तक एचआईवी के नए मामलों में 37 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। परिवार एवं कल्याण मंत्रालय की 2019 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 23.49 लाख लोग एचआईवी वायरस/एड्स से प्रभावित हैं। भारत में भी कंडोम के प्रयोग को बढ़ाने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं।

कतर में अमेरिकी पत्रकार की मौत

वर्ल्ड कप में रेनबो टी-शर्ट पहनने पर हिरासत में लिया था, भाई ने की जांच की मांग

दोहा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कतर में एलजीबीटीक्यू समुदाय का समर्थन करते हुए रेनबो टी-शर्ट पहनने के कारण हिरासत में लिए गए अमेरिकी पत्रकार ग्रांट वाहल की मौत हो गई है। वाहल के भाई ने शनिवार को इस बात की पुष्टि की है।

उन्होंने बताया कि ग्रांट वाहल शुक्रवार को अर्जेंटीना और नीदरलैंड का मैच कवर करने के दौरान स्टेडियम में गिर गए थे। जिसके बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। ग्रांट के भाई एरिक ने उनकी मौत के लिए कतर की सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।

इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर दी जानकारी

इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में ग्रांट के भाई ने कहा, मेरा नाम एरिक वाहल है। मैं ग्रांट वाहल का भाई और गे हूं। एरिक ने अपने वीडियो में बताया है कि उनके गे होने का समर्थन करने की वजह से

ही ग्रांट ने रेनबो वाली टीशर्ट पहनी थी। जिसके चलते उन्हें हिरासत में ले लिया गया था।

कतर पर लगाए हत्या के आरोप

एरिक ने अपने भाई का कत्ल होने की आशंका जताई है। उन्होंने कहा कि मेरा भाई पूरी तरह से स्वस्थ था। उसे जान से मारने की धमकियां मिल रही थी। मुझे यकीन है कि उसे मारा गया है। उन्होंने लोगों से पूरे मामले की जांच कराने में मदद मांगी है।

न्यूजलेटर में की थी तबियत खराब होने की शिकायत

ग्रांट के भाई का कहना है कि अभी ये पता नहीं चल पाया है कि उनकी मौत किस समय हुई। स्टेडियम में गिरने के बाद उन्हें सीपीआर दिया गया था। ग्रांट की मौत पर अमेरिका का गृह मंत्रालय और व्हाइट हाउस भी नजर रख रहा है। हालांकि ग्रांट ने कुछ दिन पहले ही एक न्यूजलेटर पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने अपनी सेहत को लेकर जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा था कि मेरा शरीर टूट रहा है, मैं तीन हफ्तों से ठीक से सो नहीं पाया हूं। मुझे लगता है कि मुझे ब्रोंकाइटिस है।

अमेरिका की सॉकर टीम ने जाहिर किया दुख

अमेरिका के फुटबॉल कवर करने वाले पत्रकार की मौत पर वहां की सॉकर टीम ने भी दुख जाहिर किया है। एक इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि वो हमेशा फुटबॉल से जुड़ी अच्छी और रोचक स्टोरीज लाने के काम माहिर थे। ग्रांट ने सॉकर को अपनी जिंदगी का मकसद बना लिया था।

यूक्रेन से जंग में सर्दी को हथियार बना रहा रूस

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। 28 नवंबर 2022 को रोमानिया के बुखारेस्ट शहर में नाटो के विदेश मंत्रियों की एक बैठक हुई। इस बैठक के बाद रूस पर आरोप लगाया गया कि वो यूक्रेन जंग में ठंड को खतरनाक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है।

नाटो के सेक्रेटरी जनरल ने चेताया कि अगर रूस रुका नहीं, तो यूक्रेन के हालात बदतर हो जाएंगे। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है जब मौसम ने किसी युद्ध पर इस तरह का असर किया हो। नेपोलियन से लेकर हिटलर तक ने अपने कई दुश्मनों को हराया, लेकिन उन्हें ठंड के सामने घुटने टेकने पड़े।

इस स्टोरी में हम आपको बताएंगे कैसे ठंड का इस्तेमाल कर रूस यूक्रेन को और तबाही की ओर ले जा सकता है ? मौसम का युद्ध पर कैसे असर पड़ता है? युद्ध के मैदान की वो कहानियां जिसमें मौसम ने पलट दिया था नतीजा।

ठंड में बढ़ेंगी यूक्रेन की मुश्किलें

यूक्रेन में जैसे-जैसे तापमान गिरेगा वैसे-वैसे युद्ध के बीच फंसे लोगों के लिए जिंदगी जीना और मुश्किल हो जाएगा। वजह है रूस की तरफ से हो रहे मिसाइल अटैक। इन हमलों से पूरे यूक्रेन में एनर्जी सप्लाई को तबाह किया जा रहा है। इसके चलते पिछले हफ्ते कीव के 70% इलाके में बिजली-पानी नहीं था।

अमेरिकी इंटेलिजेंस एजेंसी का मानना है कि आने वाले ठंड के महीनों में यूक्रेन जंग धीमी पड़ेगी। वहीं यूक्रेन के मुताबिक रूस अपने हवाई हमलों में और तेजी ला सकता है। यूक्रेन की सदर्न डिफेंस फोर्सेस की प्रवक्ता नाटालिया गुमनेयुक ने कहा कि रूस पिछले हफ्ते की तरह यूक्रेन पर मिसाइलों से एक बड़े हमले की तैयारी में है।

जाहिर है कि पिछले दिनों हुए एनर्जी सप्लाई पर हमले के असर से यूक्रेन अभी तक नहीं निकल पाया है। ऐसे में आगे भी अगर रूस इसी तरह के हमले करेगा तो वहां के लोगों की हालत और खराब होगी। जिसका फायदा रूसी सेना को आगे बढ़ने में मिलेगा।

शी जिनपिंग के पास सेना का पूरा कंट्रोल

अब केवल चीन ही नहीं कम्युनिस्ट पार्टी की भी पूरी वफादारी करेगी मिलिट्री

बीजिंग, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का लगातार तीसरी बार सर्वोच्च नेता चुने जाने के बाद अब शी जिनपिंग ने वहां की सेना पर भी पूरी तरह से अपना कंट्रोल हासिल कर लिया है। चीन की सेना अब केवल अपने देश के प्रति ही नहीं, बल्कि शी जिनपिंग के प्रति भी वफादारी रहेगी। ऐसे में शी जिनपिंग की चीन की सत्ता पर पकड़ और मजबूत होगी। द हांगकांग पोस्ट के मुताबिक शी जिनपिंग ने अपनी फौज को आदेश दिए हैं कि वो अपनी सारी ताकत लड़ाई की तैयारियां करने में लगाएं। जो भी मिशन उन्हें सौंपे जाएं उनमें पूरी तरह से कामयाब हों। चरिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि चीन की सेना को यह

भी आदेश मिला है कि उसे शी जिपिंग का कट्टर वफादार होना होगा। लीडरशिप को पूरी ताकत से बचाना होगा और उसका समर्थन करना होगा। द हांगकांग पोस्ट ने लिखा है कि सेना को लड़ने की क्षमता बढ़ाने पर कड़ी मेहनत करने और देश की अखंडता को बचाने पर जोर देने की बात कही गई है। हाल ही में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चीन की सेंट्रल मिलिट्री कमिशन के ज्वाइंट कमांड सेंटर की जांच की थी। इसे एक हिंट के तौर पर देखा जा रहा है कि अब चीनी सेना पूरी तरह से कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं कांग्रेस में रखे गए एजेंडा पर ही काम करेगी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सेना को पार्टी का वफादार बनाने के पीछे बाहरी खतरों को बड़ी वजह माना गया है। कम्युनिस्ट पार्टी ने कहा है कि मिलिट्री को यह समझना होगा की आज के दौर में लीडरशिप की सुरक्षा करना कितना जरूरी है। दुनिया में लगातार कई तरह के बदलाव आ रहे हैं जिससे चीन की सुरक्षा को और बेहतर करना होगा।

चांद पर यूट्यूबर, डांसर, रैपर करेंगे सैर

जापानी अरबपति के 'डियरमून' मिशन के लिए 8 कलाकार फाइनल, टीम में भारतीय एक्टर देव जोशी भी

एक्सक्लूसिव डेस्क, 10 दिसंबर। जल्द ही चांद पर रैपर, कोरियोग्राफर, फोटोग्राफर, एक्टर की एक टीम पहुंचने वाली है। दरअसल, जापानी अरबपति यासुका मीजावा की 'डियर मून' मिशन के लिए क्रू मेंबर फाइनल हो गए हैं। उन्होंने ट्विटर के जरिए अपने साथ चांद पर जाने वालों के नामों की घोषणा कर दी है। यासुका की यह प्राइवेट पैसेंजर उड़ान एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के जरिए पूरी होगी।

अब तक चांद पर पहुंचने की कवायद में साइंटिस्ट, डॉक्टर, इंजीनियर, नर्स, प्रोग्रामर, कैटरर, मैथमैटीशियन जैसे लोग ही शामिल रहे हैं। लेकिन यह पहली बार होगा कि कलाकारों की एक टोली चांद की सैर पर जाएगी।

'डियरमून' मिशन के क्रू में कौन-कौन हुआ शामिल

यासुका के टीम में अमेरिकी डीजे स्टीव आओकी, साउथ कोरिया के टॉप पॉप रैपर चोई सेउंग ह्यून, चेक रिपब्लिक के डांसर-कोरियोग्राफर येमी एडी, आयरलैंड की फोटोग्राफर रियानन एडम, यूके के वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर करीम इलिया,

अमेरिकी फिल्म निर्माता ब्रेंडन हॉल, भारतीय अभिनेता देव जोशी जैसे नाम क्रू में शामिल हैं। बैकअप क्रू में उन्होंने यूएस ओलिंपिक स्नोबोर्डर कैटलिन फरिंगटन और जापानी डांसर मियू को चुना है।

चांद की सैर के लिए 3 लाख लोगों ने दिया था आवेदन

जापानी अरबपति यासुका ने चांद पर जाने वाले रॉकेट की सारी सीट 2018 में ही खरीद ली थी। पिछले साल उन्होंने घोषणा की थी कि वो 8 लोगों को ढूंढ रहे हैं। उनके अनाउंसमेंट के बाद दुनिया भर से लगभग 3 लाख लोगों ने आवेदन दिया था। यासुका ने बताया था कि उनके पास सबसे ज्यादा भारतीयों के आवदेन आए थे। इसके बाद अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन के लोगों ने दिलचस्पी दिखाई थी।

मेडिकल जांच और इंटरव्यू के बाद फाइनल हुए नाम

चांद की यह यात्रा 2023 की शुरूआती हफ्ते में होनी थी। लेकिन फिर इससे दुनिया भर के लोगों को जुड़ने का मौका दिया गया। चांद की सैर के लिए स्क्रीनिंग, असाइनमेंट के बाद मेडिकल टेस्ट और फिर यासुका के साथ इंटरव्यू के बाद फाइनल किया गया है।

1972 के बाद चांद पर पहली बार पहुंचेगा इंसान

यह उड़ान अगले साल के लिए शेड्यूल है। साल 1972 के बाद से पहली बार इंसानों की टीम चांद पर पहुंचेगी। हालांकि अमेरिकी रेगुलेटर्स ने अभी तक इस यात्रा के लिए एलन मस्क की स्पेसएक्स कंपनी की स्टारशिप रॉकेट को अनुमति नहीं दी है। इस स्टारशिप को पृथ्वी के आसपास ऑर्बिटल जर्नी की लिए भी परमिशन नहीं मिली है। पिछले साल हुए टेस्ट लॉन्च के बाद से ही यह टेक्सास में खड़ी है।

अब तक चांद पर इन यात्रियों ने रखा कदम

अमेरिका के अपोलो 11 मिशन के जरिए 20 जुलाई 1969 को चांद पर पहली बार नील आर्मस्ट्रांग पहुंचे थे। वहीं, बज एल्ड्रिन दूसरे शख्स थे, जिनके कदम चांद पर पड़े। वो भी अपोलो 11 मिशन में आर्मस्ट्रांग के साथ ही थे। पेटे कॉनराड चांद पर कदम रखने वाले तीसरे शख्स थे। वह साल 1969 के नवंबर में हुए अपोलो 12 मिशन का हिस्सा थे। कॉनरड के साथ अपोलो 12 के चालक दल में एलन बीन भी शामिल थे। वह चंद्रमा पर कदम रखने वाले चौथे शख्स थे। अपोलो 14 मिशन का हिस्सा रहे एलन शेपर्ड ने फरवरी 1971 में चंद्रमा की धरती पर कदम रखा था। इसके अलावा एडगर मिशेल, डेविड स्कॉट, जेम्स इरविन, जॉन यंग, चार्ल्स ड्यूक, यूजीन सेरनन, हैरिसन श्मिट चांद पर कदम रख चुक हैं। ये सारे ही अलग-अलग अपोलो मिशन का हिस्सा रहे हैं।

बता दें कि अपोलो की तरफ से कुल 11 मिशन हुए, जिसमें 33 एस्ट्रोनॉट अंतरिक्ष भेजे गए। 33 में से सिर्फ 27 अंतरिक्ष यात्री ही चांद तक पहुंचे। 27 में से 12 ही चांद की सतह पर उतर पाए बाकियों ने चांद का चक्कर लगाया है।

भारत अगले साल जून में भेजेगा चंद्रमिशन-3

साल 2008 में भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में एक बड़ा मुकाम हासिल किया था। दरअसल, भारत अमेरिका, सेवियत संघ, चीन के बाद दुनिया का चौथा देश बना जो चांद तक पहुंच पाया। इसी साल 22 अक्टूबर को इसरो की तरफ से देश का पहला चंद्रयान भेजा गया था। चंद्रयान-1 2009 के 30 अगस्त तक वहां एक्टिव रहा। इस यान को चांद तक पहुंचने में 5 दिन का समय लगा और वहां स्थापित होने में 15 दिन का। यह यात्रा सफल रही। साल 2019 के 22 जुलाई को चंद्रयान-2 लॉन्च किया गया।

हालांकि यह मिशन सफल नहीं हो सका। लेकिन इसरो की तरफ से अगले साल जून में चंद्रयान-3 भेजा जाना है। भारत की तरफ से पहला अंतरिक्ष यात्री होने का रिकॉर्ड राकेश शर्मा के नाम है।

कांग्रेस ने झारखंड में किया बड़ा बदलाव

राजनीतिक मामलों की समिति समेत नियुक्त किए गए 11 उपाध्यक्ष

रांची, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने अपनी झारखंड ईकाई में बड़ा बदलाव किया है। शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के निर्देश पर पार्टी ने यहां एक राजनीतिक मामलों की समिति की नियुक्ति की है। इसके अलावा अन्य सदस्यों की भी नियुक्ति की गई है। जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के निर्देश पर 26 सदस्यीय राजनीतिक मामलों की समिति की नियुक्ति की गई है। इस समिति में एआईसीसी प्रभारी अविनाश पांडे, राज्य इकाई प्रमुख राजेश ठाकुर, कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, रामेश्वर उरांव और अजॉय कुमार को जगह दी गई है।

राज्य में नियुक्त किए गए 11 उपाध्यक्ष

इसके अलावा पार्टी ने राज्य में 11 उपाध्यक्ष, 35 महासचिव, 82 सचिव की भी नियुक्ति की है। इसके आलवा राज्य में एक नई कार्यकारिणी की भी नियुक्ति की गई है। कार्यकारिणी में शामिल होने वालों में आलमगीर आलम, रामेश्वर उरांव, अजॉय कुमार, प्रणव झा और गौरव वल्लभ जैसे नाम हैं।

मंत्री बोले-कलेक्टरी करने आया है या घूसखोरी करने

जयसिंह अग्रवाल ने लगाई अफसरों को फटकार, कहा-ट्रांसपोर्ट नगर नहीं, बल्कि कलेक्टर होगा शिफ्ट

कोरबा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल का अधिकारियों को फटकारते हुए वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों को कलेक्टर संजीव झा के बहाने फटकार लगाते हुए कहा कि यहां "कलेक्टरी करने आया है या घूसखोरी करने"। वे बरबसपुर में बनने वाले नए ट्रांसपोर्टनगर में रोड़ा लगाए जाने से खफा थे। बरबसपुर पहुंचे मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने अधिकारियों के सामने कलेक्टर को खुली धमकी दी। उन्होंने कहा कि ये ट्रांसपोर्ट नगर कहीं शिफ्ट नहीं होगा, अगर कोई शिफ्ट होगा तो वो है कलेक्टर। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ट्रांसपोर्ट नगर को बरबसपुर से हटाकर झगहरा गांव में शिफ्ट करने से नाराज थे।

शुक्रवार को मंत्री के बुलावे पर कलेक्टर संजीव झा नहीं पहुंचे थे। मंत्री ने कहा कि मैंने मुख्य सचिव से पता किया है कलेक्टर ने कोई छुट्टी नहीं ली है और ना ही उसकी तबियत खराब है। इस दौरान एडीएम विजेंद्र पाटले, एसडीएम सीमा पात्रे और तहसीलदार मुकेश देवांगन मौके पर मौजूद थे। राजस्व मंत्री ने कोरबा जिले के अफसरों को सख्त शब्दों में हिदायत दी कि टीपी नगर तो बरबसपुर में ही बनेगा। दरअसल कोरबा शहर के बीचोंबीच टीपी नगर संचालित है। जहां हजारों ट्रकों की मरम्मत होती है। इसके कारण मुख्य मार्केट प्रभावित होता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए इस टीपी नगर को शहर से दूर स्थापित करने के लिए योजना बनाई गई। बरबसपुर में नया ट्रांसपोर्ट नगर बनाने की योजना

बनाई गई। इसके लिए जमीन प्रस्तावित हो गई, लेकिन अब एक नया बखेड़ा खड़ा हो गया है। जिसके चलते खुद प्रदेश के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को सामने आना पड़ा। जयसिंह अग्रवाल ने प्रस्तावित जमीन के पास पहुंचकर पहले अफसरों को बुलाया और जमकर फटकार लगाई। जय सिंह अग्रवाल ने कहा कि ये जमीन न्यू टीपी नगर के लिए प्रस्तावित था, लेकिन अब कलेक्टर संजीव झा, अपर कलेक्टर विजेंद्र पाटले और अन्य अफसरों की लापरवाही के कारण जमीन को बदला जा रहा है। यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कितना भी कोई अपने को पावरफुल अधिकारी समझता हो, मेरे विधानसभा क्षेत्र में किसी की मनमर्जी या गुंडागर्दी चलने नहीं दूंगा। राजस्व मंत्री ने कहा कि नए ट्रांसपोर्टनगर का बनना शहर विकास व नागरिकों की सुविधा के लिए जरूरी है। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने उसकी जानकारी उन्हें पहले दी थी। शुक्रवार की दोपहर राजस्व मंत्री, महापौर सहित अन्य नगरीय निकाय प्रतिनिधि बरबसपुर पहुंचे। वहां पहले से ही सूचना पर आयुक्त प्रभाकर पांडेय, एडीएम विजेन्द्र पाटले, एसडीएम सीमा पात्रे, तहसीलदार मुकेश देवांगन भी मौजूद थे। जयसिंह अग्रवाल ने अधिकारियों को निशाने पर कहा कि जब सारी औपचारिकताएं और अनुमति नए ट्रांसपोर्टनगर के लिए हो चुकी है, तब उसमें क्यों रोड़ा डाला जा रहा है।

सिपाही मनोज कुमार के तबादले पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

प्रयागराज, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस कैंटीन में खराब खाने का वीडियो वायरल करने वाले सिपाही मनोज कुमार के तबादले पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। इस मामले में कोर्ट ने यूपी सरकार से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। फिरोजबाद में तैनात सिपाही मनोज कुमार ने खराब खाने का वीडियो वायरल कर दिया था।

सोशल मीडिया में वीडियो तेजी से वायरल हो गया, जिसकी जानकारी अधिकारियों तक पहुंच गई। विभाग की छवि धूमिल करने और अनुशासनहीनता के आरोप में उसका ट्रांसफर फिरोजबाद से गाजीपुर कर दिया गया था। जिसको मनोज कुमार ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। मामले की अगली सुनवाई 23 फरवरी 2023 को होगी।

छत्तीसगढ़ में 41 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी

खाद्य मंत्री ने किया खरीदी केन्द्र का औचक निरीक्षण

रायपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्य में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जारी है। सीतापुर विधानसभा दौरे पर पहुंचे खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने मैनपाट के राजापुर, खड़गाव धान खरीदी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। मंत्री भगत ने धान खरीदी को लेकर किसानों से बातचीत करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं। किसानों ने मंत्री को बताया कि धान खरीदी में कोई समस्या नहीं है। टोकन के जरिए जल्दी खरीदी हो रही है। मंत्री अमरजीत भगत ने बताया कि समर्थन मूल्य पर अब तक किसानों से लगभग 41 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा धान का उपार्जन किया जा चुका है। जिसके एवज में 10 लाख 76 हजार से अधिक किसानों को 8481 करोड़ रूपए से अधिक का भुगतान किया गया है।

धान बेचने में किसानों को किसी भी तरह की दिक्कत न हो, इसको लेकर पूरी व्यवस्था पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सभी उपार्जन केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में बारदाने उपलब्ध हैं। समर्थन मूल्य पर धान खरीदने के लिए इस साल राज्य सरकार द्वारा किसानों को ऑनलाइन टोकन जारी करने की व्यवस्था के चलते किसानों को सहूलियत होने लगी है।

किसान खुद करते हैं धान खरीदी केन्द्र का चयन

मंत्री मे कहा- बड़ी संख्या में किसान 'टोकन तुंहर हाथ' एप के माध्यम से धान बेचने के लिए अपनी मर्जी के मुताबिक डेट और धान खरीदी केन्द्र का चयन करते हैं। इसके साथ ही उपार्जन केन्द्रों द्वारा मैन्युअल रूप से किसानों को टोकन जारी करने की व्यवस्था है। इस साल राज्य में समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए राज्य में 25.92 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है। जिसमें लगभग 2.26 लाख नये किसान हैं।

'मैं तो मां का दूध पीया हूं'

मंत्री लखमा बोले-केदार कश्यप ने पीया है तो राज्यपाल के पास जाएं, राजभवन में फंसा है सीजी का आरक्षण

जगदलपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने पूर्व मंत्री केदार कश्यप के बयानों का पलटवार किया है। कवासी लखमा ने कहा कि, मैं तो मां का दूध पीया हूं। इसलिए कहा था कि यदि 2 तारीख को आरक्षण का मामला विधानसभा में पास नहीं होगा तो मैं इस्तीफा दूंगा। मैंने अपना काम कर दिया। बस राज्यपाल का मुहर लगना बाकी है। यदि केदार कश्यप ने भी अपनी मां का दूध पीया है तो वे भी आरक्षण के मामले को लेकर राज्यपाल के पास जाएं। उनसे विधेयकों पर हस्ताक्षर करने की मांग करें।

आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने खास बातचीत की है। उन्होंने सवालों का जवाब देते हुए कहा कि, केदार कश्यप को बोलने में थोड़ी शर्म रखनी चाहिए। बस्तर के 3000 स्कूल बंद करवा दिए। ताड़मेटला में 300 घर जला दिए। कई आदिवासियों को मरवा

दिए हैं। क्या केदार कश्यप खुद आदिवासी नहीं है। उन्हें आदिवासियों की भलाई नहीं करनी है क्या? यदि करनी है तो वे खुद भी राज्यपाल के पास इस मामले को लेकर जाएं। मेरा सवाल यही है कि आखिर वे जा क्यों नहीं रहे हैं।

आबकारी मंत्री का कहना है कि छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुईया उइके भी आदिवासी हैं। वे मध्यप्रदेश की बेटी हैं। आदिवासियों की भलाई करना जानती हैं। मुझे विश्वास है आज नहीं तो कल हमारा काम जरूर करेंगी। आरक्षण के मामले को आदिवासियों को उनका हक दिलाने मैं हाथ जोड़कर दो बार उनके पास गया हूं। जरूरत पड़ी तो और जाऊंगा। यदि वे नहीं करती हैं तो भारतीय जनता पार्टी इसकी जिम्मेदार होगी। फिर हम आरक्षण दिलाने के लिए सड़क की लड़ाई जितना हो सके लड़ेंगे। आदिवासियों को उनका हक जरूर मिलेगा।

कुछ दिन पहले पूर्व मंत्री केदार कश्यप ने कहा था कि, कवासी लखमा बोले थे 2 तारीख तक यदि पूरा आरक्षण नहीं दिला पाऊं तो अपने पद से इस्तीफा दे दूंगा।

अब तारीख निकल चुकी है। यदि कवासी लखमा असली मां और असली बाप के बेटे हैं तो वे फौरन पद से इस्तीफा दें। आबकारी मंत्री के बयानों के हिसाब से आज छत्तीसगढ़ में आरक्षण लागू नहीं हो पाया। इसी कारण लोगों की विभिन्न पदों में भर्ती नहीं हो पा रही है और न ही नियुक्तियां हो पा रही है। पूरे छत्तीसगढ़ में आरक्षण की स्थित शून्य हो गई है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में 152.31 करोड़ की संपत्ति अटैच

इसमें सूर्यकांत तिवारी और सौम्या चौरसिया की 86 संपत्तियां, आरोपियों की अदालत में पेशी

रायपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने छत्तीसगढ़ में चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की है। यहां शुरुआती तौर पर आरोपी बनाए गए पांच लोगों से जुड़ी 100 से अधिक चल-अचल संपत्तियों को अटैच कर दिया है। इसकी कीमत 152 करोड़ 31 लाख रुपए बताई जा रही है। शनिवार को इस मामले में आरोपियों को पेशी के लिए अदालत में भी लाया जा रहा है।

ईडी की ओर से बताया गया, अटैच की संपत्तियों में से सबसे अधिक 65 संपत्तियां कारोबारी सूर्यकांत तिवारी से जुड़ी हुई हैं। उप सचिव सौम्या चौरसिया से जुड़ी 21 संपत्तियां और निलंबित आईएएस समीर विश्नोई से जुड़ी पांच संपत्तियां भी अटैच की गई हैं। शेष संपत्तियां सुनील अग्रवाल और लक्ष्मीकांत तिवारी से जुड़ी हुई हैं।

इन संपत्तियों में नकद, आभूषण, फ्लैट, कोलवाशरी और भूखंड शामिल हैं। कोयला परिवहन में अवैध वसूली के इस गिरोह ने बेनामी संपत्ति बनाने के लिए अपने रिश्तेदारों का इस्तेमाल किया है। इन जमीनों

को खरीदने के सौदे न्यूनतम चेक राशि पर किए गए थे।

वसूली से बड़ी मात्रा में आई नकदी को इन संपत्तियों को खरीदने के लिए उपयोग किया गया। अधिकतर बार, बेनामीदारों के पास जमीन खरीदने के लिए न्यूनतम पूंजी भी नहीं होती थी। पूंजी बनाने के लिए नकद भुगतान पर कई लोगों से छोटे असुरक्षित ऋण लिए गए। 30 जून 2022 को आयकर छापा पड़ने के बाद कुर्की से बचने के लिए घबराहट में सुनील अग्रवाल को बड़ी संख्या में संपत्तियां बेची गईं। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि वह आयकर की नजर में नहीं था। विभाग ने इन संपत्तियों के और हस्तांतरण को रोकने के लिए अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया गया है।

ईडी ने शुक्रवार को इनमें से चार आरोपियों के खिलाफ अदालत में अभियोगपत्र भी पेश कर दिया है। अपने अभियोगपत्र में चारों आरोपियों आईएएस समीर विश्नोई, कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, लक्ष्मीकांत तिवारी और सुनील अग्रवाल की ओर से की गई अनियमितताओं का जिक्र है। आरोप है, इन लोगों ने 16 महीनों में ही कोयला परिवहन से 540 करोड़ रुपए की अवैध वसूली की है। यह रकम अफसरों-कारोबारियों में बांटी गई है। अवैध वसूली की रकम कोयला कारोबार और जमीन में लेयरिंग की गई है। आरोपियों की रिमांड अवधि खत्म होने के बाद ईडी आरोपियों को अदालत में पेश करने वाली है।

ईडी की जांच में सामने आया है कि पिछले 2 साल में कम से कम 540 करोड़ रुपये की उगाही की गई है। इसके लिए इस एजेंसी ने हजारों हस्तलिखित डायरी प्रविष्टियों का विश्लेषण किया है। इन प्रविष्टियों की पुष्टि करने के लिए बैंक खातों की जांच की गई हैद्ध वॉट्सएप चैट के विश्लेषण और 100 से अधिक लोगों के बयान दर्ज कर एक-एक कड़ी जोड़ी है।

प्रवर्तन निदेशालय-ईडी ने 11 अक्टूबर को प्रदेश के 75 से अधिक ठिकानों पर छापा मारा था। प्रारंभिक जांच और पूछताछ के बाद 13 अक्टूबर को इस मामले में छत्तीसगढ़ इंफोटेक प्रमोशन सोसाइटी-चिप्स के तत्कालीन सीईओ समीर विश्नोई, कोयला कारोबारी सुनील अग्रवाल और वकील-कारोबारी लक्ष्मीकांत तिवारी को गिरफ्तार किया था।

29 अक्टूबर को इस मामले में किंगपिन बताये जा रहे कारोबारी सूर्यकांत तिवारी ने अदालत में समर्पण कर दिया।

इन चारों से 14 की पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। ईडी ने 2 दिसंबर को राज्य प्रशासनिक सेवा की अफसर सौम्या चौरसिया को गिरफ्तार किया। उनसे अभी पूछताछ जारी है।

पहले दुल्हन का हाथ काटा, उसका वीडियो बनाकर मां-बाप को भेजा, उसके बाद की घटना जानकर आपकी रूह कांप जाएगी

छपरा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छपरा से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जिसके बारे में जानकर किसी की भी रूह कांप जाएगी। घटना एक विवाहिता के हत्या की है। हत्या से पहले जिस तरह उसे टार्चर किया गया, उसके बारे में जानने के बाद कोई भी कहेगा, आखिर इंसान इतना कैसे गिर सकता है। बताया जा रहा है कि 7 महीने पहले काजल की शादी ताजपुर सलेमपुर निवासी पंकज महतो के साथ हुई थी लेकिन शादी के बाद से ही दहेज को लेकर काजल को प्रताड़ित किया जाता था। काजल के पिता राजू महतो ने बताया कि 1 सप्ताह पहले काजल का हाथ काट दिया गया और उसका वीडियो बनाकर परिजनों को भेजा गया। यह मामला अभी सुलझा भी नहीं था। तब-तक काजल रहस्यमय ढंग से लापता हो गई। दुल्हन पर ससुराल वालों ने उस पर पैसे लेकर भागने का आरोप लगा दिया। मायके वाले अभी काजल की तलाश कर ही रहे थे, तभी उसकी लाश ताजपुर गांव के तालाब में मिली। काजल की लाश मिलने के बाद हड़कंप मच गया और परिजनों ने मांझी थाने में हत्या का केस दर्ज कराया। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या के बाद सदर डीएसपी एमपी सिंह मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन की। डीएसपी एमपी सिंह ने इस मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

रेलमंत्री बोले-'जल्द ही ट्रैक पर दौड़ेगी काशी-तमिल संगमम एक्सप्रेस'

वाराणसी, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जल्द ही काशी और तमिलनाडु के बीच काशी तमिल संगमम एक्सप्रेस ट्रैक पर दौड़ेगी। संचालन की तारीखें जल्द ही तय की जाएंगी।

रेलमंत्री दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को वाराणसी पहुंचे। बाबतपुर एयरपोर्ट पर रेलमंत्री का स्वागत किया गया। इसके बाद वे बरेका स्थित सिनेमा हॉल पहुंचे, जहां काशी तमिल संगमम कार्यक्रम में शामिल होने तमिलनाडु से आए मेहमानों से सीधा संवाद किया।

विवाहिता अपने पति के अलावा किसी पुरुष से सहमति के आधार पर शारीरिक संबंध बनाती है, तो ये रेप का केस नहीं

रांची, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड हाई कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि अगर कोई विवाहिता अपने पति के अलावा किसी अन्य पुरुष के साथ सहमति के आधार पर सेक्सुअल रिलेशनशिप बनाती है तो बाद में वह उसपर रेप का केस नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि विवाहिता किसी व्यक्ति से किए गए शादी के वादे पर भरोसा कर उसके साथ संबंध बनाने के बाद वह इसे सेक्सुअल एक्सप्लोइटेशन का मामला कैसे बता सकती है? झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट ने मनीष कुमार नामक एक शख्स की याचिका पर सुनवाई करते यह आदेश पारित किया और उसके खिलाफ निचली अदालत की ओर से लिए गए संज्ञान को रद्द कर दिया। विवाहिता महिला की मां ने देवघर जिला कोर्ट में मनीष कुमार के खिलाफ शिकायत वाद दायर किया था। इसमें कहा गया था देवघर में श्रावणी मेले के दौरान उसकी पुत्री का मनीष कुमार के साथ संपर्क हुआ था। महिला के मुताबिक वह शादीशुदा है और उसके पति के साथ तलाक का मामला चल रहा है। मनीष ने उससे इस वादे के साथ उसकी सहमति से यौन संबंध बनाए कि तलाक होने के बाद वह उससे शादी कर लेगा। बाद में मनीष ने शादी करने से इंकार कर दिया।

महिला की मां ने इसे धोखाधड़ी से दुष्कर्म का मामला बताते हुए जो शिकायत वाद दर्ज कराया था, उसके आधार पर देवघर जिला कोर्ट ने संज्ञान भी लिया। इसके खिलाफ मनीष ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मामले को निरस्त करने का आग्रह किया था। हाईकोर्ट ने इस याचिका पर आदेश पारित करते हुए मामले को देवघर कोर्ट को वापस आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया।

फ्लैगशिप योजनाओं का फीडबैक लेने सीएम खुद फील्ड में उतरे

राहुल गांधी को आई पसंद, 19 को अलवर में बताएंगे फायदे

जयपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस बार अपनी सरकार रिपीट कराने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वे अपनी फ्लैगशिप योजनाओं पर फीडबैक लेने के लिए खुद फील्ड में उतर गए हैं। हाल ही उन्होंने मंत्रियों-विधायकों और उसके बाद आईएएस अफसरों ने इनका फीडबैक मांगा था। इसकी एक रिपोर्ट सचिवालय में तैयार की गई है।

मुख्यमंत्री ने दो बार राहुल गांधी को इन योजनाओं की जानकारी दी है। राजस्थान में उनकी यात्रा अलवर जिले में समाप्त होगी और हरियाणा में प्रवेश करेगी। इससे ठीक पहले अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में (मालाखेड़ा) में एक बड़ी सभा 19 दिसंबर को होगी।

इस सभा में राहुल गांधी लोगों को सीएम गहलोत की 5 बड़ी फ्लैगशिप योजनाओं के फायदे बताएंगे। यह सभा राजस्थान में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की के दौरान होने वाली सबसे बड़ी सभा होगी। इसकी तैयारियों में पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह, उद्योग मंत्री शकुंतला रावत और सामाजिक न्याय राज्य मंत्री टीकाराम जूली जुटे हुए हैं। राज्य सरकार की प्रशासनिक मशीनरी को निर्देश मिल चुके हैं।

सीएम अशोक गहलोत अपनी मंशा अफसरों से लेकर कांग्रेस आलाकमान तक जाहिर कर चुके हैं। वे सरकार रिपीट करने के लिए आगामी चुनाव से पहले अपनी फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ आम जन तक केवल पहुंचाने के आदेश ही नहीं देना चाहते बल्कि यह पुख्ता भी करना चाहते हैं कि आम लोगों तक उनका लाभ पहुंचा या नहीं। वे अगले चुनावों में केवल अपनी योजनाओं को ही मुख्य मुद्दा बनाना चाहते हैं।

क्या है सीएम गहलोत का आम लोगों से फीडबैक लेने का फॉर्मूला

हाल ही अलग-अलग इलाकों में सीएम गहलोत किन्हीं कार्यक्रमों, सभाओं, सम्मेलन आदि में गए तो उन्होंने यह फॉर्मूला अपनाया। वे अचानक कार्यक्रम के दौरान ही भीड़ में गए और किसी भी आम आदमी से अपनी फ्लैगशिप योजना के बारे में पूछा, बातें की और अफसरों को उनके बारे में बताया भी।

कोटा : मजदूरों से चिरंजीवी योजना का फीडबैक

हाल ही राहुल गांधी जब कोटा क्षेत्र में यात्रा पर आए तो सीएम गहलोत ने समय निकालकर 5-6 आम मजदूर लोगों से बातचीत की। इस बातचीत में सीएम गहलोत ने उनसे चिरंजीवी योजना का नाम पूछा। मुफ्त दवा मिलने के बारे में पूछा। तब एक मजदूर व्यक्ति ओमप्रकाश ने उन्हें बताया कि उसकी भाभी का एक ऑपरेशन हाल ही जयपुर में मुफ्त हुआ था। उस ऑपरेशन का खर्चा करीब 8 लाख रुपए आया था। सीएम गहलोत ने इस फीडबैक को अपने पास दर्ज भी किया है। सूत्रों का कहना है कि इसे राहुल गांधी जल्द ही अपने भाषण में जगह देंगे।

बीकानेर : युवाओं से रोजगार का फीडबैक

बीकानेर दौरे के दौरान सीएम गहलोत ने दो युवाओं के साथ नौकरियों पर बात की। राज्य सरकार ने हाल ही जो रोजगार मेले लगाए हैं, उनकी जानकारी

आम लोगों से लिया फीडबैक

ली। सीएम गहलोत ने उन्हें मिले पैकेज के बारे में फीडबैक लिया। उनका प्रोजेक्ट भी देखा। उसके बाद गहलोत ने उस प्रोजेक्ट की सराहना की और अफसरों को निर्देश दिए कि इस प्रोजेक्ट को दिखवाया जाए और किसी तरह से सरकार के काम-काज में इसका उपयोग संभव हो तो लिया जाए।

झालावाड़ : सरकारी शिक्षा व स्कीम्स का फीडबैक

झालावाड़ क्षेत्र में सरकारी स्कूल की 8-10 छात्राओं को सीएम गहलोत ने अपने पास बुलाया।'

चित्तौड़गढ़ : बुजुर्गों से पेंशन स्कीम का फीडबैक

चित्तौड़गढ़ जिले के जालमपुरा गांव सीएम गहलोत ने बुजुर्गों से वृद्धावस्था पेंशन के बारे में जानकारी ली। सीएम ने इस मौके पर एक बुजुर्ग नगजीराम जाट जो करीब 96 वर्ष के थे, उन्हें 100 वर्ष का होने की शुभकामनाएं भी दीं। बदले में बुजुर्ग नगजीराम जाट ने गहलोत को चौथी बार सीएम बनने का आशीर्वाद दिया।

कोटा : किसान से कर्ज माफी का फीडबैक

कोटा क्षेत्र के एक किसान सत्यनारायण मीणा और उनके साथियों को बुलाया। किसानों से उनका कर्जा माफ होने के बारे में जानकारी ली। किसान सत्यनारायण ने बताया कि उनका करीब एक लाख 55 हजार रुपए का कर्जा माफ हुआ है। यह जानकारी भी सीएम गहलोत ने पूरे प्रदेश से जुटाकर राहुल गांधी को सौंपी है। पूरे प्रदेश में लगभग 22 लाख किसानों का कर्जा माफ किया गया है।

सीएम का फोकस 5 विशेष योजनाओं पर

100 से अधिक फ्लैगशिप योजनाएं हैं राजस्थान में। लेकिन राहुल गांधी की सुविधा के लिए सभी का जिक्र उनके भाषण में संभव नहीं है। ऐसे में कुछ बड़ी प्रमुख योजनाओं की रिपोर्ट तैयार की गई है। जिसमें सभी योजनाओं में लाभार्थियों की संख्या, नाम आदि के विषय में विस्तृत जानकारी है।

इन में ओल्ड पेंशन स्कीम, इंदिरा रसोई योजना चिरंजीवी योजना, उड़ान योजना, वृद्धावस्था सामाजिक पेंशन और इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना शामिल हैं। सीएम ने हाल ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इन पांचों योजनाओं को पूरे देश में लागू करने की मांग भी की है।

यह हैं सीएम गहलोत की खास फ्लैगशिप योजनाएं

चिरंजीवी मुफ्त इलाज और बीमा योजना

राजस्थान में गहलोत सरकार चिरंजीवी योजना के तहत 10 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त व मुफ्त दवा योजना चला रही है। इसमें पांच लाख तक का दुर्घटना बीमा भी है। इस योजना के तहत अब तक करीब 3200 करोड़ रुपए राज्य सरकार ने खर्च किए हैं।

शहरी रोजगार योजना

हाल ही मुख्यमंत्री गहलोत ने एक अक्टूबर से ग्रामीण क्षेत्र की नरेगा की तर्ज पर राजस्थान में शहरी क्षेत्रों में भी 100 दिन का रोजगार गारंटीड देने की योजना शुरू की है।

ओल्ड पेंशन स्कीम

मुख्यमंत्री गहलोत ने फरवरी 2022 में विधानसभा में पेश किए गए बजट में सरकारी कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम (2004 से पहले वाली) लागू कर दी है। इसके तहत करीब साढ़े सात लाख कर्मचारी लाभान्वित होंगे।

इंदिरा रसोई योजना

राजस्थान में लागू है। हाल ही स्वयं मुख्यमंत्री गहलोत ने अपनी पत्नी सुनीता गहलोत के साथ जयपुर में इंदिरा रसोई योजना में भोजन भी किया था। इस योजना के तहत राज्य के लगभग सभी शहर-कस्बों में मात्र आठ रुपए प्रति प्लेट की दर से लोगों को भोजन मिलता है। इसके तहत पूरे राजस्थान में लगभग 900 रसोइयां शुरू की गई हैं।

किसानों की कर्ज माफी

अब तक प्रदेश में 22 लाख किसानों का कर्जा माफ किया जा चुका है पिछले चार सालों में। यह वो कर्जा था जो किसानों खेती के कार्यों को पूरा करने के लिए लिया था, लेकिन पर्याप्त पैदावार ना होने से कर्जा चुकाया नहीं जा सका। वर्ष 2018 में राजस्थान में सत्ता में आने से पहले कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष राहुल गांधी ने यह वादा किया था।

बॉर्डर पर भारत-पाकिस्तान के बीच चली गोलियां

बीएसएफ ने जवाबी कार्रवाई में की थी फायरिंग, मीटिंग के लिए नहीं आए पाक अधिकारी

अनूपगढ़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान इंटरनेशनल बॉर्डर पर अनूपगढ़ के पास बिंजोर पोस्ट पर पाक रेंजर्स की ओर से फायरिंग की गई। जिस पर सीमा सुरक्षा बल ने जवाबी फायरिंग की। दरअसल, पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठ की कोशिश की जा रही थी। इस दौरान दोनों तरफ से फायरिंग हुई।

फायरिंग के बाद शनिवार सुबह भारतीय सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों ने पाकिस्तान के रेंजर को फ्लैग मीटिंग के लिए बुलाया था, लेकिन पाक रेंजर मीटिंग में नहीं आए। घटना के बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस उपाधीक्षक जयदेव सियाग ने बताया कि शुक्रवार शाम तारबंदी के पार जीरो लाइन के पास कुछ भारतीय किसान खेती करने के लिए गए हुए थे। उन्होंने घुसपैठ कर रहे दो व्यक्तियों को देख लिया।

किसानों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो शाम 5 बजे अचानक पाकिस्तान की तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। पाकिस्तान रेंजर्स की तरफ से फायरिंग होने पर भारत के सीमा सुरक्षा बल के जवान भी सतर्क हो गए। उन्होंने भी

दो लोग पाकिस्तान की तरफ भागते हुए दिखे

पाकिस्तान के रेंजर्स पर फायरिंग की।

मौके पर पहुंचे अधिकारी

भारतीय जवानों की ओर से 18 राउंड फायर किए गए हैं। दोनों तरफ से फायरिंग बंद होने के बाद सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी। इसके बाद समादेष्टा तरुण कुमार गौतम व अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे। अभी इस मामले की जांच की जा रही है। फायरिंग की सूचना मिलने पर अन्य भारतीय सुरक्षा एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। इस घटना के बाद बीएसएफ और पुलिस के द्वारा आसपास के क्षेत्र सर्च अभियान चलाया जा रहा है।

पुलिस उप अधीक्षक जयदेव सियाग ने बताया कि फायरिंग के दौरान भारत में घुसने का प्रयास करने वाले दोनों पाक नागरिक पाकिस्तान की ओर वापस भागे हैं। दोनों तरफ से फायरिंग होने पर भारतीय किसान घबरा गए। हालांकि, भारतीय किसानों या जवानों का किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

5 दिन पहले ही मारा गया था घुसपैठिया

श्रीकरणपुर के गांव मांझीवाला के पास BSF की हरमुख पोस्ट पर जवानों को बीते रविवार भी देर रात एक युवक की एक्टिविटी नजर आई थी। जवानों ने उसे रुकने के लिए कहा था। वह नहीं रुका। जवानों ने उस पर फायर किए थे। इसी दौरान एक गोली युवक को लगी। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

पहले भी लगातार होती रही घुसपैठ की कोशिश

करीब एक महीने पहले घुसपैठिया जीरो लाइन से लगभग 250 मीटर तक भारतीय सीमा में आ गया था। सुरक्षाबलों के रोकने पर भी जब वह नहीं रुका तो जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी थी। इसमें वह मारा गया। 18 अक्टूबर को भी दो लोगों के पैरों के निशान मिले थे। डीआईजी ने बताया था कि ऐसी घटनाओं को लेकर सीमा सुरक्षा बल के जवान मुस्तैद और सतर्क हैं। अगस्त में श्रीगंगानगर के केसरीसिंहपुर इलाके में गांव एक एक्स के नजदीक व्यक्ति भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान बीएसएफ ने उसे ललकारा। घुसपैठए के नहीं रुकने पर बीएसएफ के जवानों ने नजदीक जाकर उसे पकड़ लिया था। 16 जुलाई की रात करीब 11 बजे श्रीगंगानगर जिले से लगे हिंदूमलकोट बॉर्डर फेंसिंग पर संदिग्ध व्यक्ति घूम रहा था। पेट्रोलिंग टीम को शक हुआ तो उससे पूछताछ की।

जोधपुर सिलेंडर ब्लास्ट में आज भी 4 मौत

मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हुई; 7 बच्चे भी शामिल, एक साथ जलीं चिताएं

जोधपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर के शेरगढ़ स्थित भूंगरा में 8 दिसंबर को हुए गैस सिलेंडर ब्लास्ट में मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। आज सुबह भी इस हादसे में बुरी तरह झुलसे तीन लोगों की मौत हो गई।

मरने वालों में 1 महिला और 2 बच्चे हैं। ऐसे में मौत का आंकड़ा बढ़कर 12 हो चुका है। इससे पहले शुक्रवार तक 8 मौत हुई थीं।

शनिवार को दम तोड़ने वालों में सुआ कंवर (60), पूनम (11), सज्जन कंवर (10) और सुरेंद्र सिंह (30) शामिल हैं। इस हादसे में सुआ कंवर 60 से 70%, सज्जन कंवर 80 से 90% और पूनम 80 से 90% तक झुलस चुकी थीं। अब तक हुई मौतों में सबसे ज्यादा संख्या बच्चों की है। कुल मृतकों में से 7 बच्चे हैं।

वहीं, शुक्रवार को हादसे वाले गांव में दिनभर अंतिम संस्कार हुए। एक साथ जलीं चिताओं से अंतिम संस्कार कर रहे रिश्तेदारों और ग्रामीणों की रूह कांप गई।

जयपुर से भेजी गई टीम

घायलों के बेहतर इलाज के लिए सीएम के निर्देश पर जयपुर से डॉक्टरों की टीम जोधपुर भेजी गई। शुक्रवार को जैसे ही मासूम बच्चों सगतसिंह के पौत्र रतनसिंह व उनके भाई हमीरसिंह की पौत्री खुशबू कंवर के शव वीरान घर के आंगन में पहुंचे तो हर किसी की आंखों में आंसू आ गए। माहौल गमगीन हो गया।

इन दोनों मासूमों के परिजन अस्पताल में मौत और जिंदगी के बीच जंग लड़ रहे हैं। अंतिम दर्शन तक नहीं कर सके। न किसी को अपनों का कंधा मिला।

पड़ोसी गांव के लोग व दूर के रिश्तेदारों ने इनका अंतिम संस्कार किया। इसके बाद दो महिलाओं चन्द्र कंवर व कंवरू का अंतिम संस्कार किया गया।

दोस्त झुलसा, फोटोग्राफर की मौत

दूल्हे को तैयार करने आया दिलीप कुमार (27) भी हादसे में झुलस गया था। उसकी हालात गंभीर बताई जा रही है। शादी में फोटोग्राफी करने आए कवराज सिंह पुत्र मनोहर सिंह (20) की इलाज के दौरान मौत हो गई।

दिलीप के परिवार ने बताया कि चार महीने पहले ही दिलीप के बेटे का जन्म हुआ है। परिवार के सदस्यों ने बीमार के पिता को अभी तक हादसे की जानकारी नहीं दी है। डॉक्टरों का कहना है कि करीब 60-70 प्रतिशत तक झुलस गया है।

47 लोग अब भी भर्ती

घायलों का जोधपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। यहां फिलहाल 47 पेशेंट एडमिट हैं। इनमें से 10 की हालत गंभीर है। ये 60 प्रतिशत तक जल चुके हैं।

इनमें बच्चे और महिलाओं की संख्या ज्यादा है। वहीं, 11 घायल 50 प्रतिशत तक झुलस चुके हैं, जबकि 29 पेशेंट की स्थिति अगले 48 घंटों में क्लियर हो पाएगी।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजश्री बेहरा ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल में घायलों के इलाज के लिए सभी व्यवस्था की गई थी। फिलहाल अस्पताल के 4 वार्ड में 50 घायल एडमिट हैं। प्रत्येक वार्ड में क्लॉक वाइज डॉक्टरों की टीम लगाई गई है। कुल 24 डॉक्टरों की टीम दिन-रात घायलों को बेहतर इलाज में जुटी है। इनमें सीनियर और जूनियर सहित रेजिडेंट डॉक्टर भी शामिल हैं। घायलों के इलाज के लिए स्टाफ भी बढ़ा दिया गया है।

राहुल गांधी के पास जा रहे लोगों पर लाठीचार्ज का मामला

पूर्व विधायक सहित 400 लोगों पर केस दर्ज

कोटा, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कोटा में राहुल गांधी को ज्ञापन देने जा रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस का आरोप है कि पूर्व विधायक के नेतृत्व में लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। जिसके बाद उन्होंने लाठीचार्ज किया।

राहुल गांधी को कर्ज माफी का ज्ञापन देने जाते किसानों पर कोटा के आवां चौराहे पर लाठीचार्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने भाजपा के सांगोद से पूर्व विधायक हीरालाल नागर समेत 24 लोगों पर नामजद और 400 पर केस दर्ज किया है। पुलिस का आरोप है कि पूर्व विधायक सहित लोगों ने पथराव कर दिया था।

सांगोद एएसपी राजेश सोनी ने कनवास थाने में शिकायत दी थी। जिसमें उन्होंने बताया कि वो छह दिसंबर को पुलिस जाप्ते के साथ दरा से निकल रही भारत जोड़ो यात्रा में आवां चौराहे कनवास पर कानून व्यवस्था में ड्यूटी पर थे। राजेश सोनी का आरोप है कि वहां कुछ दूरी पर पूर्व विधायक ने भीड़ इकट्ठी की। भीड़ के साथ आवां चौराहे पर आए और वे दरा की तरफ जाने के लिए अड़ गए। जब पुलिस ने नहीं जाने दिया तो वे सड़क पर बैठ गए।

लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। शिकायत पर कनवास पुलिस ने पूर्व विधायक हीरालाल नागर, ओम नागर, राजेन्द्र, रामप्रसाद गुर्जर, दुष्यंत शर्मा, गोविंद पालीवाल, बनवारी सोनी, समेत 24 नामजद और 400 अन्य के खिलाफ धारा 147, 149, 332 ,353, 283, 336 आईपीसी में मामला दर्ज किया है।

छापा मारने गई एसीबी टीम पर हमला

भरतपुर में घूसखोर डॉक्टर व दलाल को छुड़ाने की कोशिश

भरतपु, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भरतपुर में छापा मारने गई एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) टीम पर ही लोगों ने हमला कर दिया। टीम शुक्रवार को एक घूसखोर डॉक्टर को पकड़ने के लिए गई थी। मामला भरतपुर के पहाड़ी थाना इलाके का है। हमले के बाद पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा।

पहाड़ी हॉस्पिटल में तैनात डॉक्टर मोहन सिंह चौधरी फर्जी मेडिकल बनाने की एवज में 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए ट्रैप हुआ। डॉक्टर ने रिश्वत अपने दलाल के जरिए ली थी। डॉक्टर और दलाल को दबोचने एसीबी की टीम जैसे ही पहुंची तो वहां लोगों की भीड़ जुट गई। ये लोग दलाल और डॉक्टर के समर्थक थे।

शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे भरतपुर के पहाड़ी हॉस्पिटल के गेट पर एसीबी के 3 कर्मचारी खड़े थे। एडिशनल एसपी डॉक्टर के पास बैठे थे। डॉक्टर के केबिन में दलाल कुलदीप और शिकायतकर्मा राजेश था। एसीबी के बाकी अधिकारी-कर्मचारी गैलरी में थे। इस दौरान स्थानीय लोग अचानक गैलरी में घुस आए और कार्रवाई में रोकने की कोशिश की। उनके इरादे भांपकर एसीबी अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। उन्होंने भीड़ को रोके रखा और धक्का-मुक्की करते रहे।

जानकारी के मुताबिक दलाल कुलदीप के कुछ साथी ट्रैप की जानकारी मिलने पर दौड़ते हुए हॉस्पिटल आए और एसीबी टीम की गिरफ्त से डॉक्टर मोहन सिंह और कुलदीप को छुड़ाने की कोशिश की। कुलदीप का एक साथी केबिन के अंदर तक घुस गया। बाकी लोगों को एसीबी कर्मचारियों ने गेट पर ही रोक लिया। अंदर गया व्यक्ति एसीबी से उलझा तो एसीबी अधिकारियों ने उसकी पिटाई कर दी। इससे माहौल गरमा गया।

इस दौरान अस्पताल में मेडिकल बनवाने आए एक कॉन्स्टेबल को एसीबी के कर्मचारियों ने बुलाया और पहाड़ी थाने के एसएचओ तक ट्रैप की कार्रवाई की जानकारी पहुंचाने की बात कही। कॉन्स्टेबल से एसएचओ को जाप्ते के साथ हॉस्पिटल में आने को कहा।

कॉन्स्टेबल ने थाने पर फोन किया, तो थाने से एसएचओ पुलिस के अमले के साथ मौके पर पहुंचे। दस मिनट तक एसीबी टीम ने लोगों को रोके रखा। मामला और उग्र होता, इससे पहले ही पुलिस ने पहुंचकर हालात संभाल लिए। पुलिसकर्मियों ने पीट-पीट कर वहां जुटे लोगों को खदेड़ा। पुलिस घूसखोर डॉक्टर मोहन सिंह चौधरी (40), दलाल कुलदीप (35) और कुछ लोगों को हिरासत में लेकर थाने पर लेकर गई। जहां एसीबी की टीम ने आगे की कार्रवाई की। दरअसल, पहाड़ी कस्बे के जाटव मोहल्ले में रहने वाले दो भाइयों राजेश और किरोड़ी का झगड़ा 7 दिसंबर को पप्पू नाम के व्यक्ति से हो गया था।

पप्पू से उनका जमीन विवाद चल रहा है। इस झगड़े में किरोड़ी को हल्की चोटें लगीं। राजेश चाहता था कि चोटों को मेडिकल में गंभीर दिखाया जाए ताकि उनका केस मजबूत बने।

लॉरेंस गैंग ने व्यापारी की दुकान पर की फायरिंग

बाइक पर आए थे 3 नकाबपोश, 2 करोड़ की फिरौती मांगी थी

हनुमानगढ़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बाइक पर आए 3 नकाबपोश बदमाशों ने शनिवार सुबह हनुमानगढ़ में पिस्तौल से एक व्यापारी की दुकान पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। करीब 30 सेकेंड तक गोलियां चलाने के बाद बदमाश बाइक पर बैठकर फरार हो गए। इस घटना का VIDEO सामने आया है, जिसमें 2 नकाबपोश फायरिंग करते दिख रहे हैं। उनका तीसरा साथी बाइक स्टार्ट किए खड़ा रहा।

इस घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग के रितिक बॉक्सर ने ली है। उसने फेसबुक पोस्ट कर ये फायरिंग करवाने का दावा किया है। व्यापारी से कुछ बदमाशों ने लॉरेंस गैंग के नाम पर 2 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी।

डीएसपी रमेश माचरा ने बताया कि हनुमानगढ़ की धान मंडी में सुबह करीब 8.55 बजे बिना नंबर की बाइक पर आए 3 नकाबपोश बदमाशों ने व्यापारी इंद्र हिसारिया की दुकान पर फायरिंग की। दुकान को सफाईकर्मी ने जैसे ही खोला, उसी समय बदमाशों ने 6 राउंड ताबड़तोड़ फायरिंग की। इससे दुकान के शीशे टूट गए। हालांकि सुबह के समय दुकान तथा मंडी में लोग कम थे, इसलिए कोई हताहत नहीं हुआ।

फायरिंग की सूचना मिलने पर एसपी डॉ. अजय सिंह, डीएसपी रमेश माचरा और जंक्शन थाना प्रभारी अरुण चौधरी मौके पर पहुंचे। दुकान के आसपास भारी संख्या में पुलिस अमला तैनात कर पुलिस अफसरों ने घटना के बारे में जानकारी ली।

पुलिस ने दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से घटना के फुटेज जारी किए हैं।

व्यापारियों ने जताई नाराजगी

ब्रेक के बाद भारत जोड़ो यात्रा शुरू, 12 दिसंबर को राहुल-प्रियंका के साथ चलेंगी महिला यात्री

बूंदी, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। एक दिन के विराम के बाद भारत जोड़ो यात्रा सुबह 8.30 में शुरू हुई। यात्रा के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। शनिवार के बजाय अब महिला यात्री 12 दिसंबर को राहुल के साथ यात्रा करेंगी।

राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा का आज छठा दिन है। शनिवार को यात्रा की शुरुआत बूंदी के केशोरायपाट से सुबह करीब 8.30 बजे हुई। यात्रा 23.50 किमी का सफर तय करेगी।

10 दिसंबर यानी शनिवार को भारत जोड़ो यात्रा में राहुल के साथ महिलाएं चलने वाली थीं लेकिन यात्रा में बदलाव किया गया है। अब 12 दिसंबर को राहुल के साथ केवल महिला यात्री ही चलेंगी। प्रियंका गांधी भी इस दिन यात्रा का हिस्सा होंगी। इसे 'महिला शक्ति पदयात्रा' नाम दिया गया है।

भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए राहुल शनिवार सुबह ही रणथंभौर से बूंदी पहुंचे हैं। यात्रा में राहुल के साथ कांग्रेस दल के नेता अधीर रंजन चौधरी, सीएम अशोक गहलोत, गोविंद डोटासरा, अशोक चांदना साथ चल रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा केशोरायपाटन में लालसोट-कोटा हाईवे पर आगे बढ़ेगी। सुबह करीब 11 बजे यात्रा में लंच ब्रेक रखा गया है। दोपहर 3.30 बजे बाद यात्रा का दूसरा फेज स्टार्ट हुआ है। इसके बाद शाम 6:30 बजे कापरेन के बालापुरा चौराहा पर यात्रा का लास्ट पॉइंट रखा है। यहां से आगे कोडक्या में यात्रा का नाइट स्टे रखा गया है।

बता दें कि सोनिया गांधी का जन्मदिन सेलिब्रेट करने के लिए राहुल और प्रियंका भी रणथंभौर पहुंचे थे। अब राहुल ने बूंदी आकर फिर से भारत जोड़ो यात्रा प्रारंभ कर दी है। वहीं 10 दिसंबर को यात्रा में महिलाएं चलने वाली थीं। कहा जा रहा है कि प्रियंका गांधी की वजह से यात्रा में बदलाव किया गया है।

पुलिस आयुक्त ने अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट के रूप में मामलों की सुनवाई की

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धारा 107 सीआरसीपी धार्मिक जुलूसों, त्योहारों, मेलों, चुनावों, राजनीतिक आंदोलनों या समूहों / गुटों के बीच अन्य विवादों के संबंध में शांति भंग या सार्वजनिक शांति भंग करने से रोकने के लिए एक प्रभावी साधन है। सार्वजनिक शांति के लिए ऐसे व्यक्ति को कारण दिखाने की आवश्यकता हो सकती है कि उसे एक वर्ष से अधिक की अवधि के लिए शांति और अच्छे व्यवहार के लिए जमानत के साथ या उसके बिना बांड निष्पादित करने का आदेश क्यों नहीं दिया जाना चाहिए। हर मामले में यह जरूरी नहीं है कि दो पक्ष एक-दूसरे के खिलाफ हों। कार्यवाही शुरू करने से पहले, पुलिस मामले की परिस्थितियों से परिचित व्यक्तियों के साक्ष्य एकत्र करेगी, विशिष्ट अवसर जिस पर शांति भंग होने की संभावना है या परिस्थितियों का अस्तित्व जो उल्लंघन की संभावना है। यदि कोई व्यक्ति या समूह ऐसा कार्य करता है जिससे क्षेत्र में शांति और सार्वजनिक शांति भंग होती है, तो उसे सीआरपीसी की धारा 107 के तहत क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए बंधपत्र निष्पादित करने का निर्देश देकर बाध्य किया जा सकता है। पुलिस आयुक्त और अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (कार्यकारी), हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय ने पुलिस आयुक्त, हैदराबाद (आईसीसीसी) भवन के कार्यालय में कोर्ट का आयोजन किया है। हैदराबाद एसएचओ, रैन बाजार पीएस द्वारा उनके सामने रखी गई भूमि विवाद के मामले की जानकारी ली। पुलिस आयुक्त और अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (कार्यकारी) ने एसएचओ, रैन बाजार पीएस द्वारा मामले के तथ्यों की प्रस्तुति को सुना और प्रतिद्वंद्वी दलों के बयान भी सुने। इसके बाद आयुक्त ने प्रत्येक को एक-एक लाख रुपये का बांड भरने का आदेश दिया। 25 हजार के दो जमानत के साथ मामले को 23 दिसंबर 2022 तक के लिए स्थगित कर दिया। सीआरपीसी के तहत प्रदत्त शक्तियों के साथ सीवी आनंद, पुलिस आयुक्त, हैदराबाद ने अतिरिक्त कार्यकारी मजिस्ट्रेट के रूप में शांति और अच्छा व्यवहार बनाए रखने के लिए हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय में पहली बार 107 सीआरपीसी कार्यवाही लागू की है। रैन बाजार थाने की सीमा से झगड़ा करने वाले समूहों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और आयुक्त द्वारा तलब किया गया। आयुक्त ने कहा कि 107 सीआरपीसी कार्यवाही सार्वजनिक शांति भंग करने वाले प्रतिद्वंद्वी समूहों को नियंत्रित करने के लिए एक बहुत ही उपयोगी उपकरण है और एक पुलिस आयुक्त के कार्यकारी मजिस्ट्रेट की शक्ति का उपयोग क्षेत्र में शांति सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी तरीके से किया जा सकता है। सीपी ने कहा कि इन शक्तियों का उपयोग भविष्य में भी उपद्रवियों, गिरोहों और युद्धरत गिरोहों की अवैध और गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए किया जाएगा और समूह प्रतिद्वंद्विता और हमलों में शामिल ऐसे और गिरोह, धार्मिक स्थलों पर लड़ने वाले समूह, भूमि और संपत्तियों आदि पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।

सरकार 3,966 पदों पर नए सिरे से भर्ती अभियान चलाएगी

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस सरकार ने 3,966 पदों पर नई भर्ती कर पुलिस विभाग को मजबूत करने का फैसला किया है। शनिवार को यहां प्रगति भवन में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में तेलंगाना में अपराध को नियंत्रित करने के लिए एक नई तकनीक अपनाने की आवश्यकता के बारे में चर्चा की गई और पुलिस विभाग की विभिन्न श्रेणियों में 3,966 पदों को भरने का फैसला किया गया। मंत्रिपरिषद ने गांजा सहित मादक पदार्थों के प्रतिकूल प्रभाव के बारे में चर्चा की, जो न केवल युवाओं के भविष्य को नष्ट कर रहे थे बल्कि अंततः कानून और व्यवस्था की समस्या भी बन रहे थे। इस मौके पर गृह विभाग को भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। हैदराबाद, साइबराबाद, राचकोंडा कमिश्नरेट, कमांड कंट्रोल सेंटर, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और तेलंगाना साइबर सेफ्टी ब्यूरो के तहत पद खाली हैं।

बोइनपल्ली खेल मैदान के विकास के लिए हरसंभव प्रयास : डॉ. अंजलि देवी

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य स्तरीय खो खो प्रतियोगिता के दूसरे दिन मैचों की शुरुआत केंद्रीय वित्त मंत्री भागवत करड की पत्नी डॉ. अंजलि देवी ने की।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री भागवत करड की पत्नी महाराष्ट्र की पूर्व राष्ट्रीय खो खो खिलाड़ी और गुजरे जमाने की स्वर्ण योजना की विजेता डॉ. अंजलि देवी ने कहा कि वह जल्द ही छावनी बोर्ड के तहत बोइनपल्ली खेल के मैदान के विकास के लिए खेलो इंडिया फंड के आवंटन के लिए अपना समर्थन प्रदान करेंगी।

कैन्टोनमेंट स्पोर्ट्स एसोसिएशन बोइनपल्ली हैदराबाद जिला खो खो एसोसिएशन ने छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्याय जम्पना प्रताप तथा अरिगे रामास्वामी मेमोरियल सर्विस ट्रस्ट के अध्यक्ष मधुसूदन के सहयोग से कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, अंजलि देवी ने कहा कि वह पूर्व राष्ट्रीय खो खो एथलीट के रूप में बोइमपल्ली में आयोजित होने वाली तेलंगाना 6 राज्यस्तरीय खो खो प्रतियोगिताओं में भाग लेकर बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेते देख पुराने दिन याद आ गए। कार्यक्रम में आर्म्स ट्रस्ट के अध्यक्ष मधुसूदन, हैदराबाद जिला खो खो एसोसिएशन के सदस्य सीएसएबी सदस्य मुनिराज जयराज एवं अन्य ने भाग लिया।

स्थानीय लोगों की समस्याओं का जायजा लिया गया

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के अगापुरा, नमाज मैदान, छोटा मैदान, बड़ा मैदान, चार कंदील और जामबाग प्रमंडल के अन्य क्षेत्रों के स्थानीय लोगों ने स्थानीय नेता आनंद कुमार गौड़ के ध्यान में कुछ समस्याएं लाईं। जब उन्होंने पदयात्रा की, तो छोटा मैदान की मरम्मत, बड़ा मैदान की मरम्मत और कच्ची मोरी की मरम्मत जैसी समस्याओं की। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के आदेशानुसार आज छोटा मैदान में अधिकारियों ने कार्य प्रारंभ कर दिया, जिस पर बस्ती वासियों ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी अल्पसंख्यक भाइयों के कल्याण के साथ खड़ी रहेगी। मुख्यमंत्री केसीआर को इन आठ वर्षों में कई कल्याणकारी योजनाएं प्रदान करने का गौरव प्राप्त है जो आम राज्य में कभी नहीं देखा गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह 24 घंटे किसी भी समस्या के समाधान के लिए उपलब्ध रहेंगे। तलसानी ने कहा कि अंचल आयुक्त के सहयोग से संभाग में कई विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर टीआरएस जामबाग प्रमंडल महासचिव जी. नंदू कुमार, अल्पसंख्यक अध्यक्ष अहमद भाई, आगापुरा नमाज ग्राउंड एसोसिएशन के अध्यक्ष मिराज फारूक बेग, गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र अल्पसंख्यक युवा नेता निजाम साग, अब्दुल्ला, रजक, अरुण, दुर्गाक्का, सुरेश, जिया भाई, साजिद उपस्थित थे. इस कार्यक्रम में भाई, गौस भाई, महेश, अज्जू, राकेश सिंह, नरेश सहित कई बस्तीवासी शामिल हुए।

जलवायु-स्मार्ट आजीविका तथा पोषण सुरक्षा हेतु फसल गहनता प्रणाली पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कल से

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद चावल की उत्पादकता बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन, संसाधन एवं आगत उपयोग दक्षता वर्धक प्रौद्योगिकियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस तरह यह संस्थान पर्यावरण पर बिना किसी प्रतिकूल प्रभाव के चावल की खेती की लाभप्रदता सुनिश्चित करता है। भाकृअनुप-भाचाअनुसं, हैदराबाद में 12 से 14 दिसंबर के दौरान "जलवायु-स्मार्ट आजीविका तथा पोषण सुरक्षा हेतु फसल गहनता प्रणाली" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में लगभग 500 प्रतिभागी भाग लेने जा रहे हैं, जिनमें 50 से अधिक विदेशी प्रतिभागी शामिल हैं। इस सम्मेलन में छह महत्वपूर्ण विषय "फसल गहनता प्रणाली की वर्तमान स्थिति', "फसल गहनता के लिए प्रजनन किस्में', "जलवायु अनुकूल तथा पारिस्थितिकी तंत्र रक्षण हेतु संसाधन संरक्षण', "फसल गहनता को बढ़ाने के लिए मशीनीकरण', "फसल गहनता के प्रभाव' तथा "फसल गहनता हेतु अपेक्षित नीतियां' शामिल होंगे।

प्रतिभागियों द्वारा विषयगत क्षेत्रों में प्रस्तुति के अलावा 300 पोस्टर प्रस्तुतीकरण भी होंगे। इस सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण 13 एवं 14 दिसंबर, 2022 को कृषक सम्मेलन का आयोजन है। इस सम्मेलन में, भारतभर से नवोन्मेषी किसान (200 किसान), वैज्ञानिक समुदाय के बीच अपने नवोन्मेषों को आगे बढ़ाने तथा उनके वैज्ञानिक सत्यापन हेतु अपने नवोन्मेष प्रस्तुत करेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव, कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा विभाग, भारत सरकार एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के द्वारा किया जाएगा। प्रतिभागियों के लाभार्थ विभिन्न भाकृअनुसं संस्थानों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तथा निजी कृषि इनपुट व बीज कंपनियों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों तथा उत्पादों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इस सम्मेलन के साथ-साथ, विभिन्न गतिविधियों जैसे प्रायोगिक फार्मों (एससीआई व प्राकृतिक खेती खंडों) का दौरा, किस्मों एवं संकरों का प्रदर्शन तथा नई कृषि प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी एवं वैज्ञानिकों-किसानों के मध्य पस्पर वार्ता का भी आयोजन किया गया है।

230 मेगावाट एट्टायापुरम सौर पीवी परियोजना में से 162.27 मेगावाट की पहली भाग क्षमता के सीओडी की घोषणा

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सफल कमीशनिंग के परिणामस्वरूप, तमिलनाडु में 230 मेगावाट एट्टापुरम सौर पीवी परियोजना में से 162.27 मेगावाट की पहली भाग क्षमता वाणिज्यिक संचालन घोषित की गई है। इसके साथ ही एनटीपीसी की स्टैंडअलोन स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता 57801.27 मेगावाट हो गई है, जबकि एनटीपीसी की समूह स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता 70416.27 मेगावाट हो गई है। शेष 67.73 मेगावाट एट्टायापुरम के अगले सप्ताह के भीतर चालू होने की उम्मीद है। क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (दक्षिण), एनटीपीसी, नरेश आनंद ने एनटीपीसी टीम को मील का पत्थर हासिल करने के लिए बधाई दी है और नवीकरणीय ऊर्जा के लिए एनटीपीसी की प्रतिबद्धता को दोहराया है। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी दक्षिणी क्षेत्र तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले के एट्टायापुरम में 230 मेगावाट सौर संयंत्र के पहले भाग को जोड़कर नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि कर रहा है। एट्टायापुरम में 230 मेगावाट सौर परियोजना की 162.27 मेगावाट क्षमता वृद्धि के साथ, दक्षिणी क्षेत्र में सौर क्षमता का कुल व्यावसायिक संचालन 644.27 मेगावाट हो गया है। एट्टयापुरम संयंत्र लगभग 900 एकड़ भूमि में फैला हुआ है और लगभग 10.5 लाख सौर पैनलों का उपयोग करता है, जो सभी भारतीय मूल के हैं।

भगवती बाई मॉन्टेसरी स्कूल में ग्रैंड पेरेंट्स डे मनाया गया

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित टाइनी स्टार्स एमपीबीएल प्ले स्कूल एवं भगवती बाई मॉन्टेसरी स्कूल का ग्रैंडपेरेंट्स डे सेडमल हॉल में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के करेस्पॉन्डेन्ट शेष कुमार गोयल, प्रधानाचार्या श्रीमती आराधना मोदानी एवं शिक्षक गण द्वारा किया गया।

स्कूल के प्रधानाचार्या श्रीमती आराधना मोदानी ने स्वागत भाषण से दादा दादियों का स्वागत किया और जीवन में उनके महत्व को बताते हुए कहा कि हम जीवन का ज्ञान एवं संस्कार उन्हीं से सीखते हैं परिवार में हर रोज उनके पैर स्पर्श करने की परंपरा रखनी चाहिए।

इस अवसर पर यूकेजी के छात्राओं ने अपने दादा दादीयों के लिए गीत गाए, यू. के. जी. के छात्र नव्या सिंघ और क्रिश सरदार ने अपने दादा दादी एवं नाना नानी के लिए भाषण दिया। एलकेजी एवं नर्सरी के छात्राओं ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया।

इसके अतिरिक्त इस अवसर पर रेट्रो थीम के अंतर्गत प्रतियोगिताएं रखी गई जिसमें छात्रों ने अपने दादा दादी एवं नाना-नानी के साथ बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। विजयी प्रतिभागियों को बेस्ट जोड़ी (सोहनलाल, रूपा बाई), परफेक्ट ट्विनिंग विराट जैन, प्रताप चंद्र एवं पुष्पा जैन), डायनामिक जोड़ी (जय शर्मा, ज्ञानेश्वर शर्मा एवं ऊषा शर्मा), बिंदास जोड़ी (रुणिचा, मालती देवी अग्रवाल), सुपर कूल जोड़ी (अद्वित अग्रवाल, पद्मा एवं दिनेश अग्रवाल), हिट जोड़ी (भव्यश्री- पुष्पा श्रीवास्तव, दीवा-सुनीता अग्रवाल, याना शर्मा-सुषमा शर्मा), स्टाइलिश जोड़ी (कृशिव अग्रवाल-सुलोचना अग्रवाल), रिप्लिका जोड़ी (रूहिका, रवि एवं कृष्णा सांधी) पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंतिम कड़ी में फैशन शो का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम विजेता भाविका जैन महावीर चन्द जैन एवं विजया जैन, दितीय विजेता पूर्वा शर्मा. विमला शर्मा, तृतीय विजेता वर्तिका शर्मा-श्रीलता शर्मा बने।

क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय 17 व 24 दिसंबर को खुला रहेगा

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तत्काल श्रेणी के तहत पासपोर्ट आवेदन जमा करने के लिए लंबे ऑपएंटमेंट चक्र को नीचे लाने के लिए, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, हैदराबाद ने शनिवार को सभी पांच पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीएसके)-हैदराबाद में तीन (अमीरपेट, बेगमपेट और टॉलीचौकी) और करीमनगर और निजामाबाद में एक-एक और सभी 14 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीओपीएसके) को खुला रखने की घोषणा की है। 3,741 की पूर्ण ऑपएंटमेंट को जारी किया गया है और उनमें से 100 प्रतिशत शहर स्थित पीएसके में बुक किए गए थे और 60 प्रतिशत निजामाबाद और करीमनगर पीएसके में बुक किए गए थे और संसाधित किए गए हैं। दसारी बलैया, क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, हैदराबाद ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, आवेदकों ने विशेष अभियान के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की, जिसका उद्देश्य नियुक्ति उपलब्धता समय को कम करना है। इस बीच, पीएसके, बेगमपेट में अशांति पैदा करने वाले एक दलाल/व्यक्ति को पुलिस को सौंप दिया गया।

सरिता विद्या निकेतन, हयातनगर में आयोजित कला एवं शिल्प मेले में विद्यार्थियों ने अपनी चित्रकला, गायन, नृत्य एवं संगीत और वाद्य कला का प्रदर्शन किया।

पेज जूनियर कॉलेज हिमायतनगर ने मोइनाबाद में फायर फॉक्स स्पोर्ट्स अकादमी में वार्षिक खेल मीट 2022 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 400 से अधिक छात्रों ने भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। क्रिकेट फुट बॉल बैडमिंटन कोको बास्केट बॉल थ्रो बॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बड़े जोश के साथ भाग लिया। मंडल प्रबंधक टीएसआरटीसी, पूर्व राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी, सचिव सरोजिनी अकादमी जी. किरण रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी वितरित की।

आईजी गौशाला के पूर्व अध्यक्ष कानारामजी काग के निधन पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भाग लेते हुए अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व सदस्य ए. गौतम जैन, नेमीचंद, ओमप्रकाश, महेंद्र, मंगलाराम व अन्य।

बीआईएस और एनएमडीसी ने किया राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

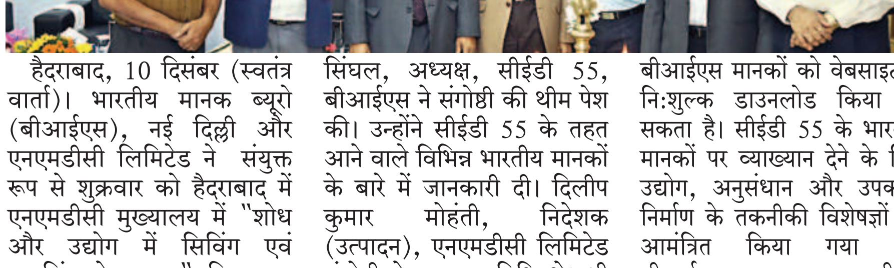

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली और एनएमडीसी लिमिटेड ने संयुक्त रूप से शुक्रवार को हैदराबाद में एनएमडीसी मुख्यालय में "शोध और उद्योग में सिविंग एवं साइजिंग के महत्व" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में शिक्षा जगत, अनुसंधान संस्थानों, उपकरण निर्माताओं और उद्योग के स्टेकहोल्डरों ने भाग लिया। संगोष्ठी में खनन, धातु विज्ञान, कृषि, भवन निर्माण सामग्री (सिविल इंजीनियरिंग), सीमेंट उद्योग, फार्मास्युटिकल उद्योग, खाद्य और पेय, नैनो प्रौद्योगिकी, पेंट और पिगमेंट उद्योग पाउडर धातुकर्म के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भारत भर से सेमिनार में भाग लिया। श्री के वी राव, प्रमुख, बीआईएस, हैदराबाद ने उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया। डॉ. आर. पी. सिंघल, अध्यक्ष, सीईडी 55, बीआईएस ने संगोष्ठी की थीम पेश की। उन्होंने सीईडी 55 के तहत आने वाले विभिन्न भारतीय मानकों के बारे में जानकारी दी। दिलीप कुमार मोहंती, निदेशक (उत्पादन), एनएमडीसी लिमिटेड संगोष्ठी के मुख्य अतिथि थे। श्री मोहंती ने अपने सम्बोधन में विभिन्न उद्योगों में आकार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि 3-डी प्रिंटिंग, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, इमेज प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग और नैनो टेक्नोलॉजी जैसी भविष्य की प्रौद्योगिकियों की गुणवत्ता पूरी तरह से पाउडर के आकार तथा आकार वितरण पर निर्भर है। उन्होंने विभिन्न उद्योगों में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न कच्चे माल के आकार के उदाहरण भी दिए। बीआईएस के डॉ. आर.पी. सिंघल ने कहा कि भारत द्वारा अपनाए जाने वाले मानक अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हैं और यह भी बताया कि बीआईएस मानकों को वेबसाइट से नि:शुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। सीईडी 55 के भारतीय मानकों पर व्याख्यान देने के लिए उद्योग, अनुसंधान और उपकरण निर्माण के तकनीकी विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया था। बीआईएस, एनएमडीसी, सीएसआईआर-आईएमएमटी, एआईएमआईएल, एआरसीआई, रेड्डी लैब्स, एसोसिएट सोपस्टोन कंपनी और चैंपियन मैन्युफैक्चरिंग के विशेषज्ञों ने प्रतिनिधियों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा किया। डॉ. जी वी राव डीजीएम (ख.सं.), एनएमडीसी लिमिटेड, तकनीकी समिति सदस्य सीईडी 55, बीआईएस ने नवीनतम कार्यों और सीईडी 55 तकनीकी समिति के बीआईएस मानकों के संशोधन के बारे में जानकारी दी। डॉ. मनोज कुमार रजक, सदस्य सचिव, सीईडी 55, बीआईएस, नई दिल्ली ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों का अभार एवं धन्यवाद किया।

जुबली हिल्स और बंजारा हिल्स स्टोर में वेडिंग कलेक्शन 22 फैशन शो का प्रदर्शन

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फैशन शो में तेजस्वी और जीवंत अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने प्रसिद्ध तालवादक शेख फैसन हुसैन द्वारा निभाई गई मंत्रमुग्ध कर देने वाली धुन पर रैंप वॉक किया। विंटर वेडिंग शो के लिए संग्रह में कढ़ाई, विभिन्न कपड़े और रंग पट्टियाँ शामिल हैं। शो को 4 अलग-अलग कलेक्शंस में बांटा गया है। सबसे पहले एक कॉकटेल लुक जिसमें हाथ से कढ़ाई वाले ब्लाउज के साथ अलग-अलग ड्रेप साड़ियां शामिल हैं। ब्लैक, मिडनाइट ब्लू, चेरी रेड और वाइन जैसे रंग सर्दियों के मौसम के रंग हैं जो शाम को परफेक्ट लुक देते हैं। दूसरा विषय "लिलाक" रंग का है। लाइलैक इस सीज़न का नया हॉट कलर रहा है, इसलिए नीरस विंटर कलेक्शन के लिए रैंप पर उतरना पड़ा। तीसरा है अच्छी तरह से निर्मित एक टुकड़ा फ्यूजन गाउन। शानदार नए खाक जो जॉर्जेट और नेट्स में परफेक्ट इंडियन और वेस्टर्न लुक देते हैं। अंत में लहंगा है। एक इंडियन वियर कलेक्शन लहंगे के सही विकल्प के बिना कुछ भी नहीं है। नीरुस दुल्हन के लिए इस सीजन में आरी, डाबका और स्टोन वर्क के साथ ऑर्गेंजा और नेट के कपड़े पसंद हैं। सैकड़ों और हजारों की भीड़ में सबसे अलग दिखने की इच्छा रखने वालों के लिए अधिक कली। गौरतलब है कि चार दशकों से नीरूस महिलाओं के विशेष श्रंगार के रूप में आकर्षक जातीय परिधान तैयार कर रहा है। भारतीय फैशन बाजार में एक सफल स्थिति के साथ, नीरू ने भारत में एथनिक फैशन का एक नया मानदंड स्थापित किया है। बेहतर गुणवत्ता की बुनियाद पर बना यह ब्रांड अपने आकर्षक डिजाइनों, शुद्ध फैब्रिक्स, फ्रेश कलर्स, एलिगेंट टेलरिंग और इनोवेटिव सिलुएट्स के लिए लोकप्रिय है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

चक्रवात मंडूस से ...

आईएमडी चेन्नई ने शनिवार को ट्वीट में कहा, चक्रवाती तूफान मंडूस उत्तरी तमिलनाडु तट पर कमजोर पड़ गया है। तूफान पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और धीरे-धीरे कमजोर पड़ जाएगा। वहीं, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को चेन्नई के कासिमेडु क्षेत्र में चक्रवात मंडूस से प्रभावित लोगों के बीच बाढ़ राहत सामग्री और भोजन वितरित किया।

ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के कमिश्नर गगनदीप बेदी ने बताया कि 200 से अधिक लोगों को शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया है और लगभग 9000 लोगों को भोजन प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा, करीब 400-500 पेड़ जड़ से उखड़ गए। हम चक्रवात के लिए तैयार थे और दुर्घटनाओं से बचने के लिए 15000 पेड़ों की शाखाओं को काट दिया था। 500 कर्मचारियों, 300 वाहनों को तैनात किया गया था ताकि मुख्य सड़क को साफ किया जा सके और यातायात बाधित न हो।

वाईएसआरसीपी के नेता, विधायक भुमना करुणाकर रेड्डी सहित और तिरुपति में स्थानीय अधिकारियों ने चक्रवात मंडूस से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। बंगाल की खाड़ी पर बने चक्रवाती तूफान मंडूस ने अब दक्षिणी राज्यों में अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी राज्यों में चक्रवात मंडूस के कारण भारी बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने भी चक्रवात को लेकर चेतावनी जारी की है।

मंडूस चक्रवात से प्रभावित राज्यों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी अलर्ट हैं। एनडीआरएफ के महानिदेशक अतुल करवाल ने कहा कि हमारी टीम हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। जब भी मदद के लिए हमें बुलाया जाएगा, हम तुरंत मौके पर पहुंचेंगे। इसके अलावा जिला आपदा मोचन बल की 12 टीम को तैयार रखा गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, 11 दिसंबर तक पुडुचेरी, उत्तर तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के तटीय इलाके चक्रवात से प्रभावित होंगे। इस दौरान मछुआरों को समुद्र में जाने से रोका गया है। तेज हवाओं के साथ भारी बारिश से कई इलाकों में जन-जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है और बिजली-पानी गुल है। चक्रवाती तूफान से प्रभावित राज्यों में स्कूल-कॉलेज में छुट्टी घोषित कर दी गई है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार, मंडूस चक्रवात का शनिवार (10 दिसंबर) को विकराल रूप देखने को मिला, हालांकि इसके बाद वो कमजोर पड़ जाएगा।

दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश में भारी बारिश के बाद कुछ रिहायशी इलाकों में बाढ़ आ गई और पेड़ उखड़ गए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान के मद्देनजर विभिन्न जिलों के कलेक्टरों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है।

कश्मीर में 4 ...

एनआईए ने कहा कि इन आतंकियों से जुड़ी जानकारी देने वाले शख्स को 10 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। इसके लिए एजेंसी ने टेलीफोन नंबर और एक व्हाट्सएप नंबर भी जारी किया है। एनआईए ने सुरक्षा के चलते जानकारी देने वाली पहचान गुप्त रखने की बात कही है।

2021 के एक केस में वांटेड हैं ये आतंकी :

एनआईए को 18 नवंबर 2021 को दर्ज एक मामले में इन आतंकियों की तलाश है। मामला हिंसक गतिविधियां, युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और आतंकवाद में भर्ती करने के लिए रची गई साजिश से जुड़ा हुआ है। बता दें कि पहले भी एनआईए ने आतंकियों की जानकारी हासिल करने के लिए उन पर इनाम घोषित किया है।

भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे में हासिल की सबसे बड़ी जीत

ईशान किशन और कोहली ने किया धमाका

चटग्राम, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। नमस्कार, अमर उजाला के लाइव ब्लॉग में आपका स्वागत है। भारत और बांग्लादेश के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला चटग्राम में है। सीरीज हार चुकी भारतीय टीम इस मैच में अपना सम्मान बचाने उतरी है। वहीं, बांग्लादेश की कोशिश क्लीन स्वीप करने पर है। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने बांग्लादेश के सामने 410 रन का लक्ष्य रखा है। भारत के लिए ईशान किशन ने दोहरा शतक लगाया। वहीं, विराट कोहली ने शतकीय पारी खेली।

बांग्लादेश को नौवां झटका शार्दुल ठाकुर ने दिया। शार्दुल ने एबादत हुसैन को आउट कर दिया। एबादत चार गेंदों का सामना करने के बावजूद खाता नहीं खोल पाए। एबादत एलबीडब्ल्यू हो गए।

बांग्लादेश के आठ विकेट गिर गए हैं। इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले मेहदी हसन मिराज को शार्दुल ठाकुर ने पवेलियन भेज दिया। मेहदी हसन ने पांच गेंद पर तीन रन बनाए। टीम इंडिया जीत से अब दो विकेट दूर है। बांग्लादेश को दो ओवर में दो झटके लगे। 27वें ओवर की पांचवीं गेंद पर वॉशिंगटन सुंदर ने महमूदुल्लाह को आउट कर दिया। महमूदुल्लाह ने 26 गेंद पर 20 रन बनाए। इस दौरान एक चौका और एक छक्का लगाया। उनके बाद अगले ओवर में आफिफ हुसैन पवेलियन लौट गए। आफिफ 12 गेंद पर आठ रन बनाकर शार्दुल ठाकुर का शिकार बने। उमरान मलिक ने उनका कैच लिया। बांग्लादेश के मुख्य बल्लेबाज शाकिब अल हसन 23वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हो गए। शाकिब को कुलदीप यादव ने क्लीन बोल्ड कर दिया। उन्होंने 50 गेंद पर 43 रन बनाए। इस दौरान चार चौके लगाए। शाकिब के आउट होने के बाद आफिफ हुसैन क्रीज पर आए हैं। बांग्लादेश ने 24 ओवर में पांच विकेट पर 124 रन बना लिए हैं।

बांग्लादेश को चौथा झटका उमरान मलिक ने दिया। उन्होंने 20वें ओवर की तीसरी गेंद पर यासिर अली को एलबीडब्ल्यू कर दिया। यासिर 30 गेंद पर 25 रन बनाकर आउट हो गए। फिलहाल शाकिब अल हसन 37 और महमूदुल्लाह एक रन बनाकर नाबाद हैं। बांग्लादेश ने 20 ओवर में चार विकेट पर 109 रन बना लिए हैं। भारत को तीसरी सफलता अक्षर पटेल ने दिलाई। उन्होंने बांग्लादेश के अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम को आउट कर दिया। रहीम 13 गेंद पर सात रन बनाकर क्लीन बोल्ड हो गए। उनके आउट होने के बाद यासिर अली क्रीज पर आए हैं। बांग्लादेश ने 13 ओवर में तीन विकेट पर 75 रन बना लिए हैं। शाकिब अल हसन 27 गेंद पर 28 रन बनाकर नाबाद हैं।

बांग्लादेश को दूसरा झटका मोहम्मद सिराज ने दिया। उन्होंने आठवें ओवर की तीसरी गेंद पर लिटन दास को आउट किया। लिटन दास ने 26 गेंद पर 29 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके लगाए। लिटन के आउट होने के बाद मुशफिकुर रहीम क्रीज पर आए हैं। दूसरे छोर पर शाकिब अल हसन हैं।

बांग्लादेश को पहला झटका पांचवें ओवर की पहली गेंद पर लगा। अक्षर पटेल ने अपने पहले ओवर में सफलता हासिल की। उन्होंने अनामुल हक को मोहम्मद सिराज के हाथों कैच कराया। अनामुल सात गेंद पर आठ रन ही बना सके। उनके आउट होने के बाद अनुभवी बल्लेबाज शाकिब अल हसन क्रीज पर आए हैं। दूसरे पर लिटन दास नाबाद हैं। भारत ने बांग्लादेश के सामने 410 रन का लक्ष्य रखा है। भारत के लिए ईशान किशन ने 210 रन बनाए। वहीं, विराट कोहली ने 113 रन की पारी खेली। इन दोनों ने 290 रन की साझेदारी कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हालांकि, टीम इंडिया यह सीरीज हार चुकी है, लेकिन तीसरा वनडे जीतकर भारत पूरे आत्मविश्वास के साथ टेस्ट सीरीज की शुरुआत करना चाहेगा।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे भारत की शुरुआत अच्छी नहीं थी। शिखर धवन तीन रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ईशान किशन और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 290 रन की साझेदारी हुई। किशन 131 गेंद पर 24 चौके और 10 छक्कों की मदद से 210 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, विराट ने 91 गेंदों पर 11 चौके और दो छक्कों की मदद से 113 रन बनाए। एक समय पर लग रहा था कि भारत 450 से ज्यादा का स्कोर बनाएगा, लेकिन ये दोनों बल्लेबाज छह ओवर के अंतराल में आउट हो गए और कोई अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। इस वजह से टीम इंडिया अंत में आठ विकेट खोकर 409 रन ही बना पाई।

श्रेयस अय्यर तीन, लोकेश राहुल आठ, शार्दुल ठाकुर तीन और कुलदीप यादव ने तीन रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर ने 37 और अक्षर पटेल ने 20 रन की पारी खेली भारत का स्कोर 400 के पार पहुंचाया। बांग्लादेश के लिए तस्किन अहमद, इबादत हुसैन, शाकिब अल हसन ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, मुस्तफिजुर रहमान और मेहदी हसन को एक-एक विकेट मिला। छह विकेट के नुकसान पर भारत का स्कोर 400 रन के पार जा चुका है। भारतीय टीम ने छठी बार वनडे क्रिकेट में 400 से ज्यादा का स्कोर बनाया है।

उनादकट की 12 साल बाद टीम इंडिया में वापसी

बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में चोटिल शमी की जगह लेंगे, 2010 में खेला था टेस्ट

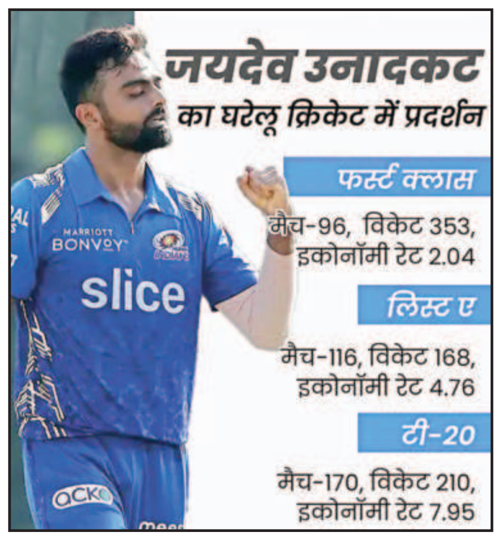

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। विजय हजारे ट्रॉफी के इस सीजन में जयदेव उनादकट ने 10 मैचों में 19 विकेट लिए थे।बांग्लादेश के खिलाफ 14 दिसंबर से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज के लिए जयदेव उनादकट मोहम्मद शमी का स्थान लेंगे। 12 साल बाद टीम इंडिया में उनकी वापसी हो रही है। जयदेव उनादकट ने 2010 में भारत के लिए एकमात्र टेस्ट दक्षिण अफ्रीका में खेला था और इसके बाद उन्हें मौका नहीं मिला। क्रिकेट की एक वेबसाइट के मुताबिक सौराष्ट्र के गेंदबाज जल्द ही चटोग्राम में टीम इंडिया के साथ जुड़ेंगे। फिलहाल अभी वह राजकोट में हैं। वीजा औपचारिकता पूरा होने के बाद वह बांग्लादेश के लिए रवाना हो जाएंगे।

उनादकत चोट की वजह से सीरीज के लिए शामिल होने वाले दूसरे खिलाड़ी

जयदेव उनादकट चोट की वजह से बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में शामिल किए जाने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले कप्तान रोहित शर्मा की जगह पर शुक्रवार को अभिमन्यु ईश्वरन को चटोग्राम बुलाया गया था। अभिमन्यु बांग्लादेश में ही टीम इंडिया A के साथ हैं।

जयदेव उनादकट का प्रदर्शन घरेलू टूर्नामेंट में शानदार

जयदेव उनादकट का घरेलू टूर्नामेंट में इस सीजन में शानदार प्रदर्शन रहा है। हाल ही में संपन्न हुई विजय हजारे ट्रॉफी में उनादकट ने 10 मैचों में 19 विकेट लिए थे। वहीं 2019-20 रणजी सीजन में भी उन्होंने सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उन्होंने 10 मैचों की 16 पारियों में 67 विकेट अपने नाम किए थे। इस दौरान सात बार पारी में 5 विकेट और तीन बार 10 विकेट हासिल किए थे। जयदेव उनादकट ने 2013 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया था। हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने पहला वनडे मैच खेला था।

शमी नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहैब कर रहे हैं

मोहम्मद शमी अभी नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहैब कर रहे हैं। टी-20 वर्ल्ड कप में टीम के हिस्सा रहे मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके कंधे में चोट लगी थी। जिसकी वजह से वह वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे। शमी ने अस्पताल से फोटो भी शेयर किया था और जल्दी वापस लौटने की उम्मीद जताई थी।

मेसी की अर्जेंटीना वर्ल्ड कप फुटबॉल के सेमीफाइनल में पहुंची

पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को 4-3 से हराया

कतर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कतर में खेले जा रहे वर्ल्ड कप के दूसरे क्वार्टर फाइनल का भी फैसला शूटआउट में हुआ। लियोनल मेसी की टीम अर्जेंटीना ने नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हरा दिया। सेमीफाइनल में उसका मुकाबला क्रोएशिया से होगा। पहले क्वार्टर फाइनल में क्रोएशिया ने खिताब के दावेदार ब्राजील को पेनल्टी शूटआउट में हराया।

2014 के बाद यह पहला मौका है जब अर्जेंटीना की टीम वर्ल्ड कप के अंतिम 4 में पहुंचने में सफल रही है।

अर्जेंटीना 8 साल बाद सेमीफाइनल में

इंजरी टाइम में गोल कर नीदरलैंड ने की बराबरी

इंजरी टाइम नीदरलैंड के लिए लकी रहा। 90 मिनट तक के खेल में मैच अर्जेंटीना के पक्ष में 2-1 से था। इंजरी टाइम के आखिरी मिनट (90+10वें मिनट) में बाउट बेघोर्स्ट ने दूसरा गोलकर अर्जेंटीना को चौंका दिया। उसके बाद मैच एक्सट्रा टाइम में गया। इसमें कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी और स्कोर 2-2 की बराबरी पर रहा। जिसके बाद फैसला पेनाल्टी शूटआउट पर हुआ।

हाफ टाइम तक अर्जेंटीना हावी

अर्जेंटीना की टीम ने मैच में शुरुआत से ही नीदरलैंड पर मजबूत पकड़ बना रखी थी। मैच के 35वें मिनट में मोलिना ने नीदरलैंड को 1-0 की बढ़त दिला दी। उन्होंने लियोनल मेसी के शानदार पास पर गोल कर टीम के लिए पहला गोल किया। हाफ टाइम तक नीदरलैंड की टीम कोई गोल नहीं कर सकी और स्कोर अर्जेंटीना के पक्ष में 1-0 से रहा।

दूसरे हाफ में नीदरलैंड की वापसी

दूसरे हाफ में नीदरलैंड की वापसी हुई। हालांकि, हाफ टाइम के बाद पहला गोल अर्जेंटीना की ओर से ही दागा गया, पर उसके बाद नीदरलैंड ने शानदार खेल दिखाकर स्कोर 2-2 की बराबरी पर ला दिया। मैच के 73वें मिनट में मेसी ने पेनल्टी पर गोल किया। मैच एक्सट्रा टाइम में गया, पर दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं और स्कोर 2-2 की बराबरी पर रहा और फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।

अर्जेंटीना के गोलकीपर एमी मार्टिनेज का शानदार प्रदर्शन

पेनाल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना के गोलकीपर एमी मार्टिनेज ने नीदरलैंड के मनसूबे पर पानी फेर दिया। उन्होंने नीदरलैंड के कप्तान वर्जिल वान डाइक और स्टीवन बर्गहाउस के शॉट को रोका। नीदरलैंड के लिए टिउन कूपमिएनर्स, बाउट बेघोर्स्ट और ल्यूक डी जॉन्ग ने गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया।

वहीं, अर्जेंटीना के लिए लियोनल मेसी, लियनार्डो पेरेडेज, गोंजालो मोंटियाल और लौटारो मार्टिनेज गोल करने में सफल रहे। एंजो फर्नांडीज गेंद को गोलपोस्ट में नहीं डाल पाए।

मेसी ने की गेब्रियल की बराबरी

मेसी का वर्ल्ड कप इतिहास में 10 गोल हो गए हैं। उन्होंने अपने देश के पूर्व दिग्गज गेब्रियल बतिस्तुता की बराबरी कर ली है। अब दोनों के वर्ल्ड कप में 10-10 गोल हो गए हैं। दोनों संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा गोल दागने वाले अर्जेंटीनी प्लेयर बन गए हैं। माराडोना के नाम वर्ल्ड कप में 8 गोल हैं। मेसी ने इस वर्ल्ड कप में अब तक चार गोल दागे हैं।

हम चोकर्स नहीं, किस्मत से हारे : जोंटी रोड्स

15 वर्ल्ड कप खेले...लेकिन, कभी फाइनल में नहीं पहुंचा साउथ अफ्रीका

खेल डेस्क, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फील्डर रहे जोंटी रोड्स का कहना है कि उनकी टीम चोकर्स नहीं है, बल्कि वर्ल्ड कप में किस्मत के कारण हारी है। टीम ने अब तक 15 वर्ल्ड कप खेले हैं, लेकिन कभी फाइनल में नहीं पहुंच सकी है। इसीलिए उसे चोकर कहा जाता है। 53 साल के पूर्व साउथ अफ्रीकी क्रिकेटर जोंटी ने शुक्रवार को भोपाल में एक टॉक-शो के दौरान कहा- 'साउथ अफ्रीका ने भले ही कोई वर्ल्ड कप नहीं जीता हो, लेकिन हमारी टीम खराब नहीं थी। अधिकांश वर्ल्ड कप में हम खराब किस्मत से हारे हैं।

न कि खराब प्रदर्शन से। कभी बारिश ने खलल डाला तो हम किसी अन्य कारण से मैच हार गए। बात चाहे 1992 वर्ल्ड कप की हो या फिर किसी की।' हम आपको याद दिला दें कि 1992 में साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ बारिश के कारण बाहर हो गई थी। जबकि, 1999 में टीम ऑस्ट्रेलिया सुपर-6 के आखिरी मुकाबले में मिली बढ़त के कारण बाहर हो गए थे। वहीं, 2003 में अफ्रीकी टीम ने डकवर्थ लुईस मैथड के टारगेट कैलक्यूलेट में गलती कर दी और महज 3 रन से हार गई थे।

जोंटी रोड्स का करियर

फॉर्मेट	मैच	रन	हाईएस्ट	100/50
टेस्ट	52	2532	117	3/17
वनडे	245	5935	121	2/33

जोंटी द फील्डर

जोंटी ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा- 'मैं खुद को बैटर की जगह फील्डर कहना पसंद करता था। क्योंकि, क्रिकेट में बैट्समैन के पास एक ही मौका होता है। यदि वह आउट हो गया, तो बाहर। जबकि फील्डर के पास टीम के लिए सहयोग करने के एक से ज्यादा मौके होते हैं, यदि एक कैच छूट भी गया तो वह दूसरा कैच पकड़ सकता है। या फिर रन बचा सकता है।'

मैंने क्रिकेट को नहीं, क्रिकेट ने मुझे चुना

फील्डिंग लीजेंड ने कहा- 'मैंने क्रिकेट को नहीं, बल्कि क्रिकेट ने मुझे चुना था। मेरे पिता एक स्कूल के हेडमास्टर और मोटीवेटर थे। वे अनुशासन में रहना पसंद करते थे।'

आईपीएल से बहुत कुछ सीखा

रोड्स ने कहा- 'मैंने एक कोच के तौर पर IPL से बहुत कुछ सीखा है और मैं हमेशा खिलाड़ियों को सिखाता हूं कि बॉल के लिए जाओ।' मेरा मानना है कि केवल प्रैक्टिस ही परफेक्ट नहीं बनाती है। बल्कि आपको परफेक्ट प्रैक्टिस करनी होती है।'

फिटनेस का मतलब बाइसेप्स नहीं

रोट्स ने कहा- 'फिटनेस का मतलब बाइसेप्स बनाना नहीं है। बल्कि फिट वह है जो सही मूव करता रहे और चीजों का सही तरीके से करें।'

रैना और कैफ मेरे फेवरेट

अपने ऑलटाइम फेवरेट फील्डर के बारे में पूछे जाने पर इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा- 'सुरेश रैना और मोहम्मद कैफ हमेशा मेरे पसंदीदा क्रिकेटर रहे हैं। उन्होंने भारतीय फील्डिंग पर कहा- 'टीम इंडिया का स्टैंडर्ड हमेशा अतुलनीय रहा है। वे बाउंड्री बचाते हैं। मैंने कभी नहीं सोचा था। इंडिया की सराहना करनी होगी।'

पाकिस्तान में टेस्ट के नतीजे निकालना सबसे मुश्किल

47% मैच ड्रॉ पर समाप्त होते हैं, ऑस्ट्रेलिया में ड्रॉ प्रतिशत सबसे कम

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। टेस्ट क्रिकेट में ड्रॉ का नतीजा किसी भी फैन को ज्यादा उत्साहित नहीं करता। शायद यही कारण है कि टी20 की लोकप्रियता टेस्ट पर भारी पड़ रही है। हाल ही में पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच रावलपिंडी में खेला गया टेस्ट बमुश्किल इंग्लैंड के पक्ष में गया। मैच के बाद पाकिस्तान बोर्ड की भारी आलोचना हुई। उस पर मैच में एकदम डेड और ड्रॉ लायक पिच बनाने जैसे आरोप लगे। पहले दो दिन में बने 800+ रनों के बाद ड्रॉ की ओर जाते दिख रहे मैच में इंग्लैंड ने 74 रनों से बाजी मारी।

मैच में 1768 रन बने और 53 साल पुराना 1764 रन (ऑस्ट्रेलिया बनाम वेस्टइंडीज, 1969) का रिकॉर्ड टूटा। इससे पहले मार्च में रावलपिंडी में ही ऑस्ट्रेलिया-पाक टेस्ट भी ड्रॉ रहा था। आंकड़ों पर नजर डालें तो दुनिया में सबसे ज्यादा 47% टेस्ट पाकिस्तान में ही ड्रॉ होते हैं। इसके बाद भारत और न्यूजीलैंड का नंबर आता है, जहां क्रमशः 40% और 39% टेस्ट ड्रॉ पर खत्म होते हैं। सबसे रोमांचक टेस्ट ऑस्ट्रेलिया में देखने को मिले हैं, जहां 80% से अधिक मैच नतीजे तक पहुंचते हैं। एशिया में बांग्लादेश और श्रीलंका के मैदान टेस्ट के लिए ज्यादा अनुकूल हैं, जहां क्रमशः 80% और 72% मैच के नतीजे निकलते हैं।

भारत में 40% टेस्ट मैच ड्रॉ होते हैं

मेजबान	मैच	नतीजा	ड्रॉ	ड्रॉ%
पाकिस्तान	160	84	76	47%
भारत	282	167	114	40%
न्यूजीलैंड	224	136	88	39%
विंडीज	261	162	99	38%
इंग्लैंड	546	362	184	34%
जिम्बाब्वे	63	45	18	29%
श्रीलंका	152	110	42	28%
दक्षिण अफ्रीका	246	190	56	23%
बांग्लादेश	70	56	14	20%
ऑस्ट्रेलिया	437	353	82	18%

पाकिस्तान में टेस्ट सीरीज के दौरान इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा कि उन्हें ड्रॉ मैच किसी कीमत पर स्वीकार नहीं हैं। हालांकि, गैर-एशियाई टीमों के लिए पाक में नतीजों तक पहुंचना मुश्किल रहा है।

इंग्लैंड ने पाक की जमीन पर खेले 25 टेस्ट में से 3 जीते हैं और 4 हारे हैं। 18 ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं, यानी हर एक नतीजे के बाद तीन ड्रॉ। ऑस्ट्रेलिया ने पाक में 23 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से 11 के नतीजे निकले हैं और 12 मैच ड्रॉ रहे हैं। यानी आधे से ज्यादा (52%) ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं।

महान एथलीट पीटी ऊषा ने रचा इतिहास

भारतीय ओलंपिक संघ की पहली महिला अध्यक्ष बनीं

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। चुनाव में पीटी ऊषा निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। 1960 के बाद पहली बार कोई खिलाड़ी आईओए का अध्यक्ष बना है। महाराजा यादविंदर सिंह (1938-1960) पिछले ऐसे अध्यक्ष थे जो खिलाड़ी रह चुके थे।

भारत की महान एथलीट पीटी ऊषा ने शनिवार (10 दिसंबर) को इतिहास रच दिया। वह भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की पहली महिला अध्यक्ष बन गईं। चुनाव में उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। 1960 के बाद पहली बार कोई खिलाड़ी आईओए का अध्यक्ष बना है। महाराजा यादविंदर सिंह (1938-1960) पिछले ऐसे अध्यक्ष थे जो खिलाड़ी रह चुके थे।

पीटी ऊषा के नाम एशियाई खेलों में चार स्वर्ण और सात रजत पदक हैं। वह 1982, 1986, 1990 और 1994 एशियाई खेलों में पदक जीती थीं। इसके अलावा उनके नाम एशियाई चैंपियनशिप में 14 स्वर्ण, छह रजत और तीन कांस्य पदक हैं। 58 साल की पीटी ऊषा 1984 ओलंपिक में 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में चौथे स्थान पर रही थीं।

महिला आईपीएल के ब्रॉडकास्ट राइट्स बेचेगा बीसीसीआई

कंपनियां 31 दिसंबर तक खरीद सकेंगी टेंडर डॉक्यूमेंट, टीमों की नीलामी भी जल्द

खेल डेस्क, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने महिला आईपीएल के मीडिया राइट्स बेचने के लिए टेंडर आमंत्रित किए हैं। 2023 में पहली बार महिला आईपीएल का आयोजन किया जाएगा। बोर्ड पहले पांच सीजन यानी 2023 से 2027 तक के मीडिया राइट्स की नीलामी करेगा।

कंपनियों को खरीदना होगा टेंडर पेपर

बोर्ड ने जो सूचना जारी की है उसके मुताबिक मीडिया राइट्स खरीदने की इच्छुक कंपनियों को टेंडर डॉक्यूमेंट्स खरीदने होंगे।

इस डॉक्यूमेंट के लिए कंपनियों को 5 लाख रुपए की नॉन रिफंडेबल राशि देनी होगी। डॉक्यूमेंट खरीदने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर, 2022 है। डॉक्यूमेंट खरीदने के बोर्ड ने यह भी साफ किया है कि टेंडर डॉक्यूमेंट खरीदने का यह मतलब नहीं है कि सिर्फ इसके आधार पर बोली में भागीदारी की इजाजत मिल जाएगी। बोर्ड पहले सभी कंपनियों की योग्यता को परखेगा और इसके बाद ही बोली में हिस्सा लेने की इजाजत होगी। पांच टीमों की नीलामी भी होगी महिला आईपीएल की शुरुआत पांच टीमों से होगी। एक टीम का बेस प्राइस 400 करोड़ रुपए होगा। बोर्ड को उम्मीद है कि हर टीम के एवज में उसे 1000 से 1500 करोड़ रुपए के बीच राशि मिलेगी। टीमों की नीलामी की प्रक्रिया कब शुरू होगी यह भी साफ नहीं है।

कई पुरुष लीग से बड़ी होगी महिला आईपीएल

महिला आईपीएल के ब्रॉडकास्ट राइट्स बेचने से बीसीसीआई को कितनी रकम मिल सकती है यह अनुमान अभी सामने नहीं आया है। हालांकि, माना जा रहा है कि यह लीग ब्रॉडकास्ट राइट्स के मामले में पाकिस्तान सुपर लीग, बिग बैश लीग जैसी बड़ी पुरुष टी-20 लीग को पीछे छोड़ सकती है। पाकिस्तान सुपर लीग के 2 सीजन (2022 और 2023) के लिए पीसीबी को करीब 159 करोड़ रुपए मिले हैं। यानी एक सीजन के लिए करीब 80 करोड़ रुपए। पाकिस्तान से बाहर ब्रॉडकास्ट के लिए पीसीबी को कुछ और रकम मिली है। दूसरी ओर बीसीसीआई ने पुरुष आईपीएल के मीडिया राइट्स 5 साल के लिए 48 हजार करोड़ रुपए में बेचे थे। यानी एक सीजन के लिए 9.6 हजार करोड़ रुपए।

मार्च से शुरू होगा महिला आईपीएल

महिला आईपीएल यानी विमेंस इंडियन प्रीमियर लीग मार्च 2023 में आयोजित होगी। 26 फरवरी को साउथ अफ्रीका में महिला टी-20 वर्ल्ड कप के ठीक बाद इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। विमेंस आईपीएल का पहला सीजन 2 वेन्यू पर खेला जाएगा। 22 मैचों के इस मेगा इवेंट में हर टीम के पास 18 प्लेयर होंगे। वहीं, विदेशी खिलाड़ियों की संख्या 6 रखी गई है। पांच खिलाड़ी से ज्यादा विदेशी खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे।

कारवां फॉर्मेट में होंगे मैच

विमेंस आईपीएल कारवां फॉर्मेट में हो सकता है। कारवां फॉर्मेट यानी एक ही शहर में वहां होने वाले सारे मैच खेले जाएंगे। फिर वहां से दूसरे शहर के लिए साड़ी टीमें रवाना होंगी। कोविड के दौरान 2021 में इसी तरह से आईपीएल हुआ था। जब आईपीएल टीमें यूएई गई थी।

9 विकेट से जीता ऑस्ट्रेलिया...

ऑस्ट्रेलिया विमेन ने चेज किया 173 का टारगेट

मूनी-मैक्ग्रा ने 56 बॉल में जोड़े 100 रन; बेकार गईं दीप्ति-रिचा की विस्फोटक पारियां

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया विमेन ने पहले टी-20 इंटरनेशनल में इंडिया विमेन को 9 विकेट से हरा दिया। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 173 रन का टारगेट कंगारू टीम ने 18.1 ओवर में हासिल कर लिया। ओपनर बेथ मूनी ने 57 बॉल में 89 रन की नॉटआउट पारी खेलकर अपनी टीम को जिताया। इससे पहले टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 172 रन बनाए थे।

इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने 5 टी-20 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का दूसरा टी-20 इसी ग्राउंड पर 11 दिसंबर को खेला जाएगा।

मूनी ने तहीलिया मैक्ग्रा के साथ पहले विकेट के लिए 56 बॉल में 100 रन की पार्टनरशिप भी की। तहिलिया ने 29 बॉल में 40 रन की पारी खेली। उनसे पहले टीम की ओपनर और कप्तान एलिसा हेली 23 बॉल में 37 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें देविका वैद्य ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के हाथों कैच कराया। पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया की ओपनर शैफाली वर्मा ने 10 बॉल में 21 रन बनाए। इस पारी में 2 चौके और 2 छक्के शामिल थे। उनके अलावा रिचा घोष ने 20 बॉल में 34 और दीप्ति शर्मा ने 15 बॉल में 36 रन की विस्फोटक पारियां खेलीं।

आदिबट्ला किडनैप केस : राचकोंडा पुलिस ने 31 लोगों को किया गिरफ्तार

मुख्य आरोपी नवीन की तलाश जारी, महिला को मुक्त कराया गया

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने शनिवार को आदिबटला में एक महिला चिकित्सक के कथित अपहरण के मामले में 31 लोगों को गिरफ्तार करने की घोषणा की है। पुलिस ने डॉक्टर को घटना के कुछ घंटों के भीतर बरामद करने का दावा किया है। हालांकि, मुख्य आरोपी नवीन रेड्डी अब भी फरार है और उसे जल्द से जल्द पकड़ने के प्रयास जारी हैं। गिरफ्तार लोगों में एन.भानु प्रकाश, राठौड़ साईनाथ, एन.कार्तिक, जी. प्रसाद, के. हरि, आर. अविनाश, ए. राजू, सोनू कुमार पासवान, मोहम्मद इरफान, नीलेश कुमार यादव, बिट्टू कुमार पासवान, पी. निखिल, ई. अनिल, महेश कुमार यादव, मोहम्मद रिज़वान, जावेद हुसैन, मोहम्मद इबरार, बी. सतीश, बिस्वजीत, ए. योगिंदर, एन. गोपीचंद, बी. यशवंत रेड्डी, एम. महेश, वी. मणिदीप, बी. सिद्दू और जादव राजेंदर शामिल है। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त महेश एम भागवत ने कहा कि 36 संदिग्धों में से 31 आरोपियों को अब तक गिरफ्तार किया गया है और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन पर अपहरण, हत्या के प्रयास, दंगा, घर में जबरन घुसने आदि के लिए मामला दर्ज किया गया है। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और मामले में फास्ट ट्रैक ट्रायल चलाया जाएगा। हम उनके खिलाफ और कड़ी कार्रवाई करने जा रहे हैं। गौरतलब है कि फिल्मी तर्ज पर अज्ञात व्यक्तियों के एक समूह ने शुक्रवार को शहर के उपनगर आदिबटला के तुर्कयमजाल में एक घर में घुसकर कथित तौर पर एक महिला डॉक्टर वैशाली का अपहरण कर लिया। कथित पर दर्जनों लोग लाठी,पत्थर और लोहे की छड़ों से लैश घर में घुसकर महिला को जबरन उठा ले गए, जिसकी सगाई कुछ दिन बाद में होनी थी। हमलावरों ने उसके पिता, रिश्तेदारों और पड़ोसियों को निशाना बनाया। परिसर में खड़े फर्नीचर और वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस से वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की थी।

आरोपी नवीन रेड्डी की मां ने अपहरण मामले पर दी प्रतिक्रिया

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिबटला महिला के अपहरण मामले ने नया मोड़ ले लिया है। पीड़िता के परिवार के सदस्य और आरोपी दोनों एक दूसरे के खिलाफ आरोप लगा रहे हैं। घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरोपी नवीन रेड्डी की मां ने कहा कि कल हुई घटना उनके बेटे द्वारा गुस्से में की गई गलती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पीड़िता वैशाली और उसके परिवार के सदस्यों ने उसके बेटे से पैसे लिए और वे सभी पिछले दिनों गोवा की यात्रा पर गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उसके बेटे ने पिछले दिनों उसके लिए 2 लाख रुपये के कपड़े खरीदे थे। उसने आगे पुलिस से सवाल किया कि वे पिछली घटनाओं को क्यों नहीं देख रहे हैं। उसके बेटे को लड़की और उसके परिवार के सदस्यों के कारण बहुत कुछ सहना पड़ा है।

राज्यपाल ने अपहरण की घटना की निंदा की

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में दिनदहाड़े दर्जनों लोगों द्वारा एक महिला का अपहरण किए जाने की घटना पर तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौदरराजन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, राज्यपाल तमिलिसाई सौदरराजन ने अपने ट्विटर हैंडल पर कहा कि वह इस घटना को देखकर सदमे में हैं और उन्होंने महिला की सुरक्षा पर चिंता जताई। उन्होंने राज्य के डीजीपी को पीड़ित परिवार और लड़की को सुरक्षा मुहैया कराने का आदेश दिया। उन्होंने ट्वीट किया, "घटना देखकर स्तब्ध हूं। अगवा की गई महिला की सुरक्षा को लेकर चिंतित हूं। उसके परिवार को भरोसा दिलाती हूं कि दोषियों के खिलाफ कानून के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। राज्यपाल ने परिवार और लड़की की सुरक्षा के लिए डीजीपी से आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुरोध किया।

उच्च शिक्षा तंत्र को मजबूत कर रही है सरकार : केटीआर

आईटी मंत्री ने आरजीयूकेटी के छात्रों में लैपटॉप वितरित किया

निर्मल, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने शनिवार को यहां बासर में राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ नॉलेज टेक्नोलॉजीज (आरजीयूकेटी-बसारा) के छात्रों को लैपटॉप और यूनिफॉर्म सौंपे। मंत्री केटी रामाराव ने मुख्य अतिथि के रूप में आरजीयूकेटी-बसार के 5वें दीक्षांत समारोह में अपनी कैबिनेट सहयोगियों सबिता इंद्रा रेड्डी और अलोला इंद्रकरण रेड्डी के साथ भाग लिया और स्नातक करने वाले छात्रों को डिग्री और मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली राज्य सरकार उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर रही है। मंत्री ने स्नातक छात्रों को 3डी-डिजिटलीकरण, डीकार्बोनाइजेशन और विकेंद्रीकरण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा, जो निकट भविष्य में अपार अवसर प्रदान करेगा।

उन्होंने शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी से एक प्रैक्टिस स्कूल या अप्रेंटिसशिप मॉडल शुरू करने का भी अनुरोध किया ताकि छात्रों को पढ़ाई के दौरान औद्योगिक अनुभव मिल सके। इस अवसर पर, मंत्री ने छात्रों से हैदराबाद-रिच सुविधाओं के टी-हब अनुसंधान और नवाचार सर्कल का लाभ उठाने का आग्रह किया ताकि वे एक विचार के साथ चल सकें और एक उत्पाद के साथ बाहर निकल सकें। आरजीयूकेटी - बसारा के छात्रों से सितंबर में कैंपस के छात्रों को लैपटॉप देने के अपने वादे के तहत, केटीआर ने छात्रों को लगभग 2,200 लैपटॉप और 1,500 डेस्कटॉप सौंपे। पूर्व सांसद एस वेणुगोपाल चारी, मुधोल विधायक जी विट्ठल रेड्डी, आरजीयूकेटी के कुलपति प्रोफेसर वी वेंकट रमना, निदेशक एस सतीश कुमार और अन्य उपस्थित थे।

भाजपा को रोकने के लिए विपक्षी दलों को एकजुट होना जरूरी : भाकपा

कोठागुडेम, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव के. संबाशिव राव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में एक दुष्ट शासन चला रहे हैं और भाजपा को रोकने के लिए विपक्षी दलों को एकजुट होने की आवश्यकता है। शनिवार को यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के पतन की शुरुआत हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव, दिल्ली निगम चुनाव और देश भर में हुए उपचुनाव के नतीजों से हुई है। उन्होंने कहा कि गुजरात चुनाव में कांग्रेस की हार खुद की जिद है और पिछले चुनाव में 70 से ज्यादा सीटें जीतने वाली पार्टी सिर्फ 17 सीटों पर सिमट कर रह गई, क्योंकि वह बीजेपी की नाकामियों को उजागर करने में नाकाम रही। एमआईएम और आप पार्टियों के कारण हुए वोटों में विभाजन, और कम्युनिस्ट पार्टियों के लिए उचित शक्ति की कमी ऐसे कारक थे जो गुजरात में भाजपा को जीत दिलाते थे, लेकिन नैतिक रूप से, भाजपा हार गई थी। संबाशिव राव ने कहा कि तेलंगाना में बीजेपी दहाई डिजिट में भी सीट नहीं जीत पाएगी।

भाजपा राज्यपालों का उपयोग कर देश में समस्याएं और अवांछनीय परिणाम पैदा कर रही थी और बिना किसी प्रामाणिकता या नीति के राज्यपाल प्रणाली को अराजक व्यवस्था में बदल दिया। भाकपा नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र अपनी राजनीतिक जरूरतों के लिए ईडी और सीबीआई जैसे संगठनों का शोषण कर रहा है।

संबाशिव राव ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राज्यपाल प्रणाली को खत्म करने और सीबीआई और ईडी को शुद्ध करने की पहल करने की आवश्यकता पर जोर दिया, अन्यथा एक खतरा होगा कि विपक्षी दल और सवाल उठाने वाली आवाजें चुप हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि भाकपा बीआरएस नाम के साथ टीआरएस पार्टी को एक राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता दिए जाने का स्वागत करती है। बीआरएस कारपोरेट ताकतों को हवा देकर देश को दिवालिया करने वाली भाजपा को रोकने का काम करे। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि बीआरएस उन कम्युनिस्टों की आवाज में शामिल हो रहा है जो भाजपा के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। सीपीआई के जिला सचिव एसके साबिर पाशा, जिला कार्यकारी सदस्य बंदेला नरसैय्या, जी सत्यनारायण, दुर्गाराशी वेंकटेश्वरलू और वाई श्रीनिवास रेड्डी उपस्थित थे।

सरकारी स्कूलों में स्वच्छता की समस्या नहीं होनी चाहिए : किशन रेड्डी

राज्य सरकार से की स्कूलों में उचित स्वच्छता के रखरखाव के लिए कदम उठाने का आग्रह

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के लिए स्वच्छता और शौचालय का मुद्दा एक समस्या नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूलों में उचित स्वच्छता ही छात्रों को उचित तरीके से अपनी पढ़ाई करने में मदद करेगी और यह भी कहा कि इससे गरीबों को राज्य के गरीब लोगों के बीच सरकारी स्कूलों के प्रति विश्वास बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वे केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति के तहत बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान को प्राथमिकता दे रहे हैं। जामिया उस्मानिया सरकारी स्कूल में अटल बिहारी वाजपेयी फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने ये टिप्पणी की। वह इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे और उन्होंने अपनी सिकंदराबाद लोकसभा सीट से 100 सरकारी स्कूलों में शौचालय सफाई मशीनों का वितरण किया। उन्होंने बाद में सफाई मशीनों से व्यक्तिगत रूप से शौचालयों की सफाई भी की। उन्होंने उसी स्कूल में 21 लाख की लागत से निर्मित एक डिजिटल क्लास रूम और प्रयोगशाला का भी उद्घाटन किया और छात्रों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य और केंद्र दोनों सरकारें सार्वजनिक क्षेत्र की शिक्षा प्रदान करने के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च कर रही हैं और कहा कि सरकारों द्वारा प्रदान किए गए अवसरों का उपयोग करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन समितियों को उनकी राजनीतिक संबद्धता के बावजूद स्कूलों में स्वच्छता गतिविधियों का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि जब वे विधायक थे तब उन्होंने अपने अंबरपेट विधानसभा क्षेत्र में शौचालयों की सफाई के लिए एक वाहन की व्यवस्था की थी और कहा कि यह वाहन हर तीन दिनों में सरकारी स्कूलों में शौचालयों की सफाई करता था। उन्होंने कहा कि वह अब अपने निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक स्कूल को शौचालय क्लीनर सौंप रहे हैं और कहा कि ये मशीनें स्कूल के कर्मचारियों को कम पानी के साथ शौचालयों को साफ करने में मदद करेंगी। उन्होंने कहा कि वे अगले महीने में अपने निर्वाचन क्षेत्र के सभी अस्पतालों और गैर सरकारी संगठनों को सफाई मशीनें सौंप देंगे। रेड्डी ने कहा कि वह अतिरिक्त क्लास रूम बनाने और सरकारी स्कूलों में 3,000 टेबल बांटने के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से सरकारी स्कूलों में उचित स्वच्छता के रखरखाव के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

अमेरिकी लड़के ने तेलुगू लड़की से हिंदू रीति-रिवाज से की शादी

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रेम देश की सरहदों को लांघ रहा है। युवा पीढ़ी विदेश में पढ़ाई और रोजगार पूरा करने के बाद वहां स्थानांतरित हो जाती है। अमेरिका में आगे की पढ़ाई करके अभी-अभी लौटी लड़की को वहीं लड़के से प्यार हो गया था। शादी की अनुमति देने के लिए दोनों परिवारों को राजी करने के बाद, यह जयशंकर भूपालपल्ली जिले के इलन्दु क्लब हाउस में हुआ। शादी में अमेरिकी लड़के के कई रिश्तेदार शामिल हुए। शादी में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और नवविवाहित जोड़े को बधाई देने पहुंचे। रामालिंगम-उषारानी की बेटी मनसा, उच्च शिक्षा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका चली गईं। उनके पिता जयशंकर भूपलपल्ली के जिला केंद्र सिंगरेणी में एजीएम के रूप में कार्यरत थे। मनसा को उसके सहपाठी कॉनर रोगन से मिलवाया गया, जो वहां कंप्यूटर कोर्स कर रहा था, और वे जल्दी ही प्यार में पड़ गए। हिंदू परंपरा में पली-बढ़ी मनसा ने अपने माता-पिता को इस बात की जानकारी दी और उन्हें मनाया।

चक्रवात मंडौस : नेल्लोर में वेंकटगिरी-गुडूर राजमार्ग पर यातायात बाधित

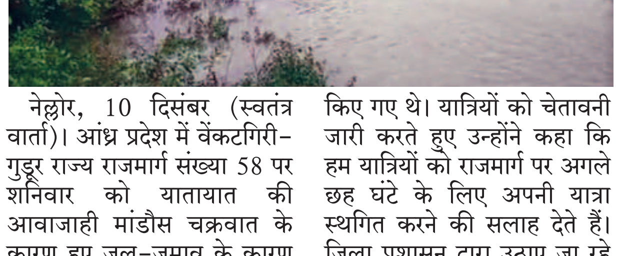

नेल्लोर, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में वेंकटगिरी-गुडूर राज्य राजमार्ग संख्या 58 पर शनिवार को यातायात की आवाजाही मांडौस चक्रवात के कारण हुए जल-जमाव के कारण बाधित हो गई।

यातायात बाधित बलयापल्ली गांव के पास हुआ, जहां पास के कई तालाबों का पानी राजमार्ग पर भर गया। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार रेंगती नजर आई। क्षेत्र के मंडल राजस्व अधिकारी (एमआरओ), श्रीनिवास ने कहा कि मंडौस चक्रवात ने लगभग 1.30 बजे तट को पार किया, जिसके कारण वेंकटगिरी-गुडूर राज्य राजमार्ग पर जलभराव हो गया। जिला कलेक्टर के आदेश के अनुसार, सभी निवारक उपाय किए गए थे। यात्रियों को चेतावनी जारी करते हुए उन्होंने कहा कि हम यात्रियों को राजमार्ग पर अगले छह घंटे के लिए अपनी यात्रा स्थगित करने की सलाह देते हैं। जिला प्रशासन द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में उन्होंने बताया, जरूरत के सभी कर्मचारी काम पर हैं। जलस्तर पर नजर रखी जा रही है। पानी की निकासी के बाद राजमार्ग पर यातायात की अनुमति दी जाएगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, चेन्नई और आंध्र प्रदेश के साथ-साथ तमिलनाडु के कई अन्य हिस्सों में भारी बारिश और तेज़ हवाएँ चली हैं, क्योंकि चक्रवाती तूफान मैंडूस ने शनिवार को राज्यों को पार कर लिया।

शुक्रवार को, तिरुमाला में तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर में आने वाले भक्तों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिसमें बाधित दर्शन से लेकर होटलों तक पहुंचने में कठिनाई शामिल थी, क्योंकि चक्रवात के प्रभाव में शहर में भारी बारिश हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार, मंदिर परिसर सहित तिरुमाला के निचले इलाकों में जलभराव देखा गया, जिससे बुजुर्गों और विकलांग व्यक्तियों सहित भक्तों के लिए अपने होटलों/आवासों से आना-जाना मुश्किल हो गया। इससे पहले, चक्रवात के कारण उत्पन्न प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण चेन्नई हवाई अड्डे पर 10 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई थीं। अधिकारियों ने आम जनता को भी सलाह दी कि वे खराब मौसम की स्थिति के कारण उड़ानें प्रभावित होने के मद्देनजर संबंधित एयरलाइंस से संपर्क करें। क्षेत्रीय मौसम कार्यालय के अनुसार, मैंडस शनिवार को एक गहरे दबाव और बाद में एक अवसाद के कमजोर होने के लिए तैयार है। चक्रवात के कारण हुई बारिश से निचले इलाकों में भीषण जलभराव हो गया है।

सत्ता में आने के बाद अल्पसंख्यकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को वापस लाया जाएगा : बाबू

गुंटूर, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नारा चंद्रबाबू नायुडू ने अल्पसंख्यक समुदाय से कहा कि यह टीडीपी ही थी जिसने मुसलमानों के लिए कई कल्याणकारी कार्यक्रम शुरू किए। गुंटूर जिले के पोन्नूर में मुस्लिम समुदाय के सदस्यों के साथ करीबी बातचीत में, नायडू ने कहा कि जब 1983 में टीडीपी सत्ता में आई, तो दो साल के भीतर, 1985 में ही, अल्पसंख्यक निगम का गठन मुस्लिमों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए किया गया था, जबकि उर्दू को बाद में दूसरी आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दी गई थी। तेदेपा प्रमुख ने कहा कि हज़ हाउस की स्थापना मुसलमानों को हैदराबाद से हज़ तीर्थयात्रा पर जाने में सक्षम बनाने के लिए की गई थी और उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी।

उन्होंने कहा कि यह कहते हुए कि हैदराबादमें टीडीपी द्वारा उर्दू विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी और राज्य के विभाजन के बाद कुर्नूल में एक और उर्दू विश्वविद्यालय स्थापित किया गया था, उन्होंने कहा कि यह टीडीपी है जो 10 लाख से अधिक मुसलमानों के लिए रमजान टोफा प्रदान करती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां तक कि संक्रांति कनुका को भी टीडीपी शासन के दौरान मुस्लिम समुदाय तक बढ़ाया गया था। उन्होंने कहा कि समुदाय के कल्याण के लिए 2014 के बाद शुरू की गई अन्य योजनाओं को अब रद्द कर दिया गया है। उन्होंने पूछा कि मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी, पेल्ली कनुका योजना को जारी क्यों नहीं रख सके, हालांकि उन्होंने योजना के तहत 10 लाख रुपये देने का वादा किया था। एसएससी की बुनियादी योग्यता के लिए या तो अपने मंत्रिमंडल में मंत्री बनने या सरकार के सलाहकार बनने की कोई आवश्यकता नहीं है, लेकिन पेली कनुका योजना के लिए पात्र होने के लिए लाभार्थी के पास एसएससी की बुनियादी योग्यता होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि टीडीपी के सत्ता में वापस आने के बाद सभी योजनाओं को पुनर्जीवित करने का भी वादा किया। यह देखते हुए कि उन्होंने और अधिक इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित करके उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित किया है और केवल बेहतर रोजगार प्रदान करने के लिए आईटी क्षेत्र को प्रोत्साहित किया है, तेदेपा सुप्रीमो ने कहा कि महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब आप किसी भी मुद्दे पर सरकार से सवाल नहीं कर सकते और अगर आप कोई मुद्दा उठाते हैं तो आप मुकदमों का सामना करने के लिए तैयार रहेंगे। नायडू ने मुस्लिम समुदाय से आह्वान किया कि जब किसी के खिलाफ इस तरह के झूठे मामले दर्ज किए जाते हैं तो वे प्रतिक्रिया दें।

उन्होंने कहा कि अगर आप अभी प्रतिक्रिया नहीं करते हैं तो कल आपको उसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने गंभीर चिंता व्यक्त की कि वक्फ भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है और टीडीपी के सत्ता में वापस आने के बाद वक्फ संपत्तियों को बचाने का वादा किया और पेंशन का भुगतान भी समय पर किया जाएगा।

चार साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा

भूपालपल्ली, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला सत्र न्यायाधीश नारायण बाबू ने 36 वर्षीय एक व्यक्ति को चार साल की बच्ची से बलात्कार के आरोप में दोषी ठहराया और उसे 1,000 रुपये का जुर्माना लगाने के अलावा 20 साल कैद की सजा सुनाई। पुलिस के अनुसार, भूपालपल्ली मंडल के नगरम गांव के रासा कोमुरैया (36) को आदिवासी मुथारम पुलिस ने चार साल की एक बच्ची की मां की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया था, जिसमें कहा गया था कि कोमुरैया उनके घर में घुस गया और बच्चे को उठा ले गया। 31 दिसंबर 2019 की रात वह सो रही थी और गांव के बाहरी इलाके में उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद, तत्कालीन कटाराम डीएसपी बोनाला किशन ने घटना की जांच की, कोमुरैया को गिरफ्तार किया और पोस्को अधिनियम और अन्य प्रासंगिक आईपीएस धाराओं के तहत आरोप पत्र दायर किया। दलीलें पूरी करने के बाद, न्यायाधीश ने रासा कोमुरैया को दोषी पाया और उन्हें 20 साल कैद की सजा सुनाई। पुलिस अधीक्षक (एसपी) जे. सुरेंद्र रेड्डी ने सजा सुनिश्चित करने के लिए लोक अभियोजक गोगिकर शिवराजू, डीएसपी बोनाला किशन, कटाराम सीआई रंजीत राव, एसआई रमेश, एएसआई वेंकन्ना, हेड कांस्टेबल भुमैया और अन्य पुलिस कर्मियों की सराहना की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.